हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 11

खेल

गौतम गंभीर की पहचान का हो रहा गलत इस्तेमाल

राजस्थान से 1.44 लाख करोड़ रुपये बकाया वसूलेगा पंजाब : सीएम भगवंत मान ...

देश

Page 10

मूल्य ₹ 2.00

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • शुक्रवार • 20 मार्च 2026 • वर्ष 05 • अंक 28 • पृष्ठ 12

प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस, ओमान और मलेशिया के नेताओं से बातचीत

एजेंसी, नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को ओमान के सुल्तान, मलेशिया के प्रधानमंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। इन नेताओं के साथ पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने संघर्ष शीघ्र रोकने और बातचीत एवं कूटनीति के रास्ते पर दोबारा लौटने की जरूरत पर बल दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने अपने मित्र राष्ट्रपति इमैन्युल मैक्रों से बातचीत की और खाड़ी क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अपने घनिष्ठ समन्वय को जारी रखने पर बल दिया। वहीं, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से बातचीत में उन्होंने उन्हें और वहां की जनता को ईद उल फितर की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से सार्थक बातचीत में उन्होंने उन्हें ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दी। साथ ही इस बात पर सहमति जताई कि तनाव कम करने और शांति एवं स्थिरता बहाली के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

शांतिपूर्ण माहौल में आपसी सद्भाव के साथ सभी पर्व-त्यौहार संपन्न हों, प्रशासन पूरी तरह रहे मुस्तैदः सीएम

मुख्यमंत्री का पुलिस- प्रशासन को निर्देश- विधि व्यवस्था के संधारण में खलल डालने वालों पर त्वरित एवं सख्त एक्शन हो

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ईद, सरहुल और रामनवमी के मद्देनजर राज्य में विधि व्यवस्था को लेकर आज उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में वरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में बैठक के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक/ पुलिस अधीक्षक से आगामी पर्व- त्योहारों के दौरान शांति एवं सुरक्षा, साफ-सफाई और बिजली-पानी की आपूर्ति समेत अन्य जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा करने के क्रम में कई अहम निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से सभी पर्व -त्यौहार संपन्न हों। त्यौहार के नाम पर अशांति, हिंसा और उप्रदव नहीं हों। ऐसे में पुलिस- प्रशासन 24 घंटे अलर्ट मोड में रहे। विधि व्यवस्था के संधारण में खलल डालने वालों पर त्वरित एक्शन होना चाहिये।

पुलिस बलों की पर्याप्त तैनाती होनी चाहिए, इनफॉर्मर्स भी रखें : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि ईद, सरहुल और रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों के साथ हनुमान जयंती और महावीर जयंती समेत कुछ और पर्व भी मनाने की परंपरा चलती आ रही है। ऐसे में इन सभी पर्व- त्यौहारों के संपन्न होने तक सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिये । पर्याप्त संख्या में पुलिस वालों की तैनाती रहे। सुरक्षा में तैनात सभी जवान हर वक्त सतर्क रहें। इनफॉर्मर्स को भी जोडें ताकि कोई भी एक्टिविटी की जानकारी तुरंत प्रशासन के पास पहुंच सके।

संवेदनशील इलाकों और धार्मिक स्थलों के आसपास कड़ी सुरक्षा हो : मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षकों से कहा कि चिन्हित किए गए संवेदनशील इलाकों तथा धार्मिक स्थलों के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए। यहां किसी भी सूरत में किसी भी प्रकार की ऐसी गतिविधि नहीं होनी चाहिए, जिससे शांति भंग होने की आशंका बने। उन्होंने जिलों को निर्देश दिया कि वे सभी समुदाय के लोगों का सहयोग जरूर लें।

भीड़ भाड़ वाले इलाके और जुलूस मार्ग की विशेष निगरानी हो : मुख्यमंत्री ने सभी जिलों से कहा कि पर्व - त्यौहार के मौके पर निकलने वाली शोभा यात्रा को लेकर जुलूस रूट तथा भीड़ भाड़ वाले इलाकों की विशेष निगरानी होनी चाहिए। इसके लिए जुलूस मार्ग का भौतिक सत्यापन कर सुरक्षा से संबंधित सारी तैयारियां पूरी कर ली जानी चाहिए। पुलिस बलों की तैनाती के साथ सुरक्षा से संबंधित तमाम उपकरणों की भी उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए।

जुलूस के दौरान की तमाम एक्टिविटीज का डॉक्यूमेंटेशन तैयार करें : मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों के मौके पर निकाली जाने वाली शोभा यात्रा और जुलूस के दौरान की तमाम एक्टिविटीज का पूरा डॉक्यूमेंटेशन तैयार करें। इससे आगे आने वाले त्योहारों में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित रणनीति तैयार करने में काफी सहूलियत होगी।

सोशल मीडिया और अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखें : मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग पर्व - त्योहारों के मौकों पर अशांति और उपद्रव करने की जुगात में रहते हैं। ऐसे असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करें । इसके साथ सोशल मीडिया की भी लगातार निगरानी होनी चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाने वालों पर त्वरित एक्शन लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्व- त्योहारों की शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चों की भागीदारी भी होती है। ऐसे में उनकी सुविधा तथा सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी वजह से कोई अप्रिय घटना हो जाय तो उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए सारी तैयारियां होनी चाहिए।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव का घर जमीदोंज, मुआवजा विवाद में एनटीपीसी ने की कार्रवाई

एजेंसी, हजारीबाग

जिले के केरेडारी प्रखंड के जोरदाग में गुरुवार को पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के घर को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई एनटीपीसी और पूर्व मंत्री के बीच लंबे समय से चल रहे जमीन और मुआवजा विवाद के कारण की गई। योगेंद्र साव अपनी पत्नी और बड़कागांव की पूर्व विधायक निर्मला देवी के साथ पिछले कई दिनों से अपने आवास स्थल पर धरना दे रहे थे। उनकी मुख्य मांग भूमि के बदले मिलने वाली मुआवजा राशि में बढ़ोतरी करना था। एनटीपीसी अधिकारियों के अनुसार, संबंधित भूमि के लिए निर्धारित मुआवजा राशि पहले ही तय की जा चुकी थी। योगेंद्र साव ने राशि लेने से इनकार करने के बाद इसे ट्रिब्यूनल कोर्ट में जमा कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि चट्टी बरियातू कोल खनन परियोजना के विस्तार कार्य में बाधा आ रही थी, जिसके कारण प्रशासन को यह कदम उठाना पड़ा। प्रशासन ने इस मामले में कई बार हस्तक्षेप कर समझौते का प्रयास किया था, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। इस दौरान प्रशासन और योगेंद्र साव के बीच कई बार टकराव की स्थिति भी बनी। गुरुवार को केरेडारी अंचलाधिकारी और एनटीपीसी अधिकारियों की मौजूदगी में तीन पोकलेन मशीनों की मदद से घर को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरे क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात थी। इस कार्रवाई के बाद योगेंद्र साव की पुत्री सह बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे गलत बताते हुए प्रशासन और राज्य सरकार पर आरोप लगाया है। अंबा प्रसाद ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और वे इस मामले को लेकर न्यायालय जाएंगी और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगी।

गुजरात के अहमदाबाद में नकली नोटों का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

एजेंसी, अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने बीती देर रात अमराईवाड़ी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये की नकली भारतीय मुद्रा जब्त की है। इस मामले में सूरत की एक महिला समेत कुल 6 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपितों के पास से कुल 2.90 करोड़ की नकली नोट बरामद हुए हैं। इनमें से 2.10 करोड़ अहमदाबाद से और 80 लाख सूरत से जब्त किए गए हैं। इतनी बड़ी मात्रा में नोटों की गिनती करने में पुलिस को लगभग 6 घंटे का समय लगा। क्राइम ब्रांच के डीसीपी अजीत राजियन ने आज बताया कि आरोपित चीन से हाई क्वालिटी का पेपर मंगाकर नकली नोट तैयार करते थे। इन नोटों का इस्तेमाल वे खास तौर पर जमीन के सौदों में खपाने के लिए करते थे और इसके लिए आंगड़िया नेटवर्क का भी उपयोग किया जाता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित पहले भी अहमदाबाद में 3-4 वित्तीय लेनदेन कर चुके हैं। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक संदिग्ध लग्जरी कार को अमराईवाड़ी में रोका , जिस पर "सत्यम योग फाउंडेशन" लिखा हुआ था।

झारखंड हाईकोर्ट ने मो. अब्दुल हकीम के खिलाफ नॉन-बेलेबल वारंट जारी किया

चतरा एसपी को 1 अप्रैल तक गिरफ्तार कर पेश करने का निर्देश

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। अदालत के आदेश के बावजूद मो. अब्दुल हकीम अदालत में हाजिर नहीं हुए, जिस पर नाराजगी जताते हुए न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने उनके खिलाफ नॉन-बेलेबल वारंट जारी कर दिया।खंडपीठ ने चतरा एसपी को निर्देश दिया कि वो मो. अब्दुल हकीम को गिरफ्तार कर एक अप्रैल को अदालत में प्रस्तुत करें। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका लड़के की मां अख्तरी खातून की ओर से दायर की गयी है। पिछली सुनवाई में अदालत ने कुछ तथ्यों को छिपाये जाने की आशंका जताई थी। अदालत ने चतरा के पुलिस अधीक्षक को पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। साथ ही अख्तरी खातून, मोहम्मद गुलाम और मोहम्मद अब्दुल हकीम को 19 मार्च को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। लेकिन मोहम्मद अब्दुल हकीम अदालत में हाजिर नहीं हुआ। इस कारण नाराज होकर अदालत ने उसके खिलाफ नन बेलेबल वारंट जारी किया।

राज्यपाल से मिले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी

एजेंसी, पटना

बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने लोक भवन पहुँच बिहार के राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन से मुलाकात की। इस मुलाकात में प्रदेश संगठन महामंत्री भीखूभाई दलसानिया भी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के साथ रहे।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने राज्यपाल को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने राज्यपाल के सफल और उज्जवल कार्यकाल की कामना की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि राज्यपाल सैयद अता हसनैन भारतीय सेना के वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी रहे हैं।

झारखंड के बोकारो में सबसे अधिक 43 मिली मीटर बारिश दर्ज, 20 को ऑरेंज अलर्ट

रांची। इन दिनों राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में बादल, बारिश और ओलावृष्टि हो रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान बोकारो जिले के नावाडीह में सबसे अधिक 43 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। इस दौरान राज्य के अन्य इलाकों में जहां बारिश दर्ज की गई उनमें पालगंज में 16.4 मिलीमीटर, बोकारो में 11 मिलीमीटर, मोहनपुर में 10.8, कोनार में 8.2, डुमरी में 6.4, नांदडीह में 6.2 बगोदर में 5.2 मिमी सहित अन्य इलाके शामिल हैं। मौसम विभाग ने गुरुवार और शुक्रवार को राज्य भर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान राज्य के अधिकांश जिलों में गर्जन के साथ बारिश, वज्रपात होने और ओलावृष्टि होने की संभावना है। शुक्रवार को राज्य के उत्तर पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती जिलों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने की संभावना है, जबकि राज्य के दक्षिणी पश्चिमी और मध्यवर्ती जिलों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए भी राज्य के कई स्थानों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान राज्य के हिस्सों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में और सबसे कम तापमान 17.6 डिग्री लातेहार में रिकॉर्ड किया गया। वहीं गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद आसमान में आंशिक बादल छाए रहे।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, गृहमंत्री ने देशवासियों को चैत्र नवरात्रि, नव संवत्सर की बधाई दी

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और गृहमंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने गुरुवार को चैत्र नवरात्रि, नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा पर देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति ने एक्स पर अपने संदेश में कहा, "चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी-पड़वा, चेती-चांद, नवरेह एवं साजिबु-चेरोबा के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को मैं हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में नववर्ष के आगमन के स्वागत में मनाए जाने वाले ये उत्सव भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के उल्लासपूर्ण प्रतीक हैं। मेरी मंगलकामना है कि ये सुखद पर्व सभी के जीवन में समृद्धि और नई आशाओं का संचार करें।"

विस चुनाव 2026 : नंदीग्राम का दंगल इस बार और दिलचस्प, अपने ही सहयोगी से शुभेंदु का मुकाबला

एजेंसी, कोलकाता

पूर्वी मिदनापुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट पश्चिम बंगाल की राजनीति की सबसे चर्चित और संवेदनशील सीटों में मानी जाती है। इस बार भी सीट पर चुनावी दंगल बेहद खास होने वाला है। 2021 के विधानसभा चुनाव में यहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपने ही पूर्व सहयोगी शुभेंदु अधिकारी के सामने हार का सामना करना पड़ा था।

तब शुभेंदु उन्हें छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। इस बार भाजपा ने इस सीट से शुभेंदु को ही उम्मीदवार बनाया है लेकिन ममता बनर्जी यहां चुनाव नहीं लड़ रही हैं। इसके बजाय भारतीय जनता पार्टी के ही नेता और शुभेंदु के सहयोगी रहे पवित्र कर को तृणमूल की ओर से उम्मीदवार बनाया गया है। रविवार को जिस दिन तृणमूल कैंडीडेट्स का ऐलान हुआ उसी दिन पवित्र पार्टी में शामिल हुए। तामलुक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली इस सीट में नंदीग्राम-1 और नंदीग्राम-2 विकासखंड शामिल हैं। वर्ष 1951 से 1967 तक यह क्षेत्र नंदीग्राम उत्तर और नंदीग्राम दक्षिण नाम से दो अलग विधानसभा क्षेत्रों में विभाजित था, लेकिन 1967 में दोनों का विलय कर वर्तमान नंदीग्राम विधानसभा सीट का गठन किया गया। नंदीग्राम का नाम आते ही वर्ष 2007 का भूमि आंदोलन सबसे पहले याद आता है। तत्कालीन वाममोर्चा सरकार द्वारा प्रस्तावित रासायनिक केंद्र के लिए भूमि अधिग्रहण के विरोध में हुए आंदोलन के दौरान 14 ग्रामीणों की मौत हो गई थी।

बंगाल विस चुनाव : चुनाव आयोग ने 15 आईपीएस अधिकारियों को राज्य से बाहर भेजा

एजेंसी, कोलकाता

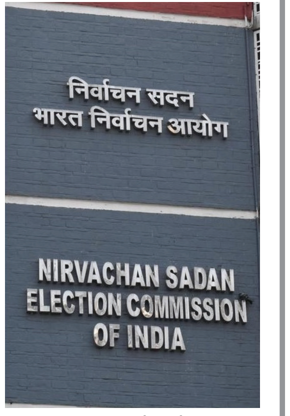

पश्चिम बंगाल में अगले महीने होने वाले दो चरणों के विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए 15 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों की राज्य सरकार द्वारा की गई वैकल्पिक तैनाती रद्द कर दी है। आयोग ने इन अधिकारियों को अन्य चुनावी राज्यों में पुलिस पर्यवेक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त करने का निर्णय लिया है। बुधवार देर रात जारी अधिसूचना में आयोग ने स्पष्ट किया कि जिन अधिकारियों को पहले उनके पदों से हटाकर चुनाव संबंधी जिम्मेदारियों से अलग किया गया था, उन्हें राज्य के भीतर अन्य पदों पर रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

जिन आईपीएस अधिकारियों को राज्य से बाहर भेजा गया है उनमें आकाश माघरिया, आलोक राजोरिया, अमनदीप, अभिजीत बनर्जी, भास्कर मुखर्जी, सी. सुधाकर, धृतिमान सरकार, इंदिरा मुखर्जी, मुरलीधर, मुकेश, प्रवीण कुमार त्रिपाठी, प्रियब्रत राय, संदीप कर्रा, राशिद मुनीर खान और सैयद वकार राजा शामिल हैं। इनमें मुरलीधर पहले बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय के पुलिस आयुक्त थे, जबकि सैयद वकार राजा सिलीगुड़ी महानगर पुलिस के पुलिस आयुक्त पद पर तैनात थे। राज्य के विपक्षी दलों, विशेषकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से लगातार मांग की जा रही थी कि जिन अधिकारियों को चुनाव आयोग ने चुनाव संबंधी कार्यों से अलग किया है, उन्हें मतदान प्रक्रिया पूरी होने तक राज्य से बाहर भेजा जाए ताकि वे किसी भी तरह से चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित न कर सकें। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बिना राज्य सरकार से परामर्श किए अधिकारियों के तबादले पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने इस संबंध में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी भी व्यक्त की थी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा, जबकि दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को 142 सीटों पर कराया जाएगा। चुनाव आयोग के इस ताजा निर्णय को चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

असम विस चुनावः भाजपा की पहली सूची में मुख्यमंत्री हिमंत सहित 88 उम्मीदवारों के नाम

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम विधानसभा चुनाव के लिए 88 उम्मीदवारों की पहली सूची गुरुवार को जारी की। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का भी नाम है। भाजपा के मुताबिक केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में बुधवार को सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह एवं केंद्रीय चुनाव समिति के अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे। चुनाव समिति ने असम में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 88 उम्मीदवारों के नामों की स्वीकृति दी है। इसमें मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा समेत कई बड़े नेताओं के नाम हैं। पूर्व सांसद रामेश्वर तेली, पल्लब लोचन दास और राजदीप रॉय को भी उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने अनुभव और जीत के समीकरण को ध्यान में रखकर यह सूची तैयार की है। इस सूची में छह महिला उम्मीदवारों के भी नाम हैं। मुख्यमंत्री को ज़ालुकबारी से टिकट दिया गया है। उल्लेखनीय है कि असम विधानसभा में कुल 126 सीटें हैं।

रामराज्य के आदर्शों से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण संभवः राष्ट्रपति मुर्मु

एजेंसी, अयोध्या

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जिस अयोध्या नगरी में जन्म लिया उसकी पवित्र धूलि का स्पर्श प्राप्त करना ही मैं अपना परम सौभाग्य मानती हूं। स्वयं प्रभु श्रीराम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं।

उन्होंने कहा कि रामराज्य के आदर्शों के पालन से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण हो सकता है। राष्ट्रपति मुर्मु गुरुवार को अयोध्या में प्रभु श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में "श्रीराम यंत्र" की स्थापना के बाद देश की जनता को संबोधित कर रहीं थीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इसी अयोध्या यानी अवधपुरी और आस-पास की लोक-भाषा में संत कवि तुलसीदासजी ने 'श्री रामचरितमानस' की रचना की थी। रामचरितमानस में प्रभु श्रीराम सीताजी से कहते हैं कि यद्यपि सबने वैकुंठ का बखान किया है तथा वह वेद पुराणों में वर्णित है, जग-प्रसिद्ध है, लेकिन वैकुंठ भी मुझे अवधपुरी जितना प्रिय नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, संवत्सर 2083 के शुभारंभ के दिन और नवरात्र के प्रथम दिवस पर यहां आकर मैं स्वयं को कृतार्थ अनुभव कर रही हूं। मैं देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतवासियों और रामभक्तों को नव वर्ष की आत्मिक बधाई देती हूं। नवरात्र के अंत में रामनवमी के दिन हम सब प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाएंगे। मैं सभी को 'नवमी तिथि, मधुमास पुनीता' यानी रामनवमी के दिन मनाए जाने वाले पावन पर्व की अग्रिम बधाई देती हूं।

मुर्मु ने कहा कि इस परम पवित्र स्थल पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमिपूजन, रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, राम दरबार का भक्तजनों के लिए खोला जाना तथा मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। प्राण प्रतिष्ठा के मर्मस्पर्शी अवसर पर मैंने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

अवैध संरचनाओं को तोड़ने पर हाईकोर्ट की रोक, आरआरडीए की अपील पर हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (आरआरडीए) की ओर से दायर अपील पर बुधवार को सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया। चीफ जस्टिस एमएस सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने आरआरडीए की अपील को सुनवाई के लिए स्वीकृत करते हुए एकल पीठ के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक संबंधित परिसर की स्थिति यथावत बनाए रखने का निर्देश दिया है। साथ ही याचिकाकर्ताओं की कथित अवैध संरचना को तोड़ने पर भी रोक लगा दी गई है। दरअसल, आरआरडीए ने हाईकोर्ट की एकल पीठ के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया था कि झारखंड पंचायत राज अधिनियम से शासित क्षेत्रों में भवन निर्माण पर आरआरडीए का नियंत्रण नहीं है। एकल पीठ ने याचिकाकर्ताओं की संपत्तियों के खिलाफ जारी विध्वंस और सीलिंग आदेशों को भी रद्द कर दिया था। मामले में आरआरडीए की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पक्ष रखते हुए दलील दी कि एकल पीठ का आदेश गलत है और इससे प्राधिकरण की वैधानिक शक्तियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने इसे निरस्त करने की मांग की। खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई जून माह में निर्धारित की है। साथ ही अपीलकर्ताओं को शेष प्रतिवादियों को नोटिस देने का निर्देश भी दिया गया है।

मुआवजा दिया, जमीन नहीं: 14 साल से अधर में रांची एयरपोर्ट का विस्तार

रांची, एजेंसी। राजधानी का बिरसा मुंडा एयरपोर्ट इन दिनों एक अजीब विडंबना का शिकार है, जिस जमीन पर उसे उड़ान भरनी थी, वही अब तक उसके पास नहीं है। 14 साल पहले अधिग्रहित 303 एकड़ जमीन का मुआवजा बांट दिया गया, लेकिन जमीन का हस्तांतरण आज तक अधूरा है। नतीजा, एयरपोर्ट का विस्तार, आधुनिकीकरण और अंतरराष्ट्रीय बनने का सपना 'होल्ड' पर है। जमीन विवाद सुलझाने के लिए तय दो अहम बैठकें अधिकारियों की गैरमौजूदगी में टल गईं। इससे साफ है कि मामला अब तकनीकी नहीं, प्रशासनिक प्राथमिकता का बन चुका है।एयरपोर्ट की जमीन को लेकर पूर्व में करीब 35 बैठकों के बावजूद नागर विमानन विभाग, जिला प्रशासन और एयरपोर्ट प्रबंधन के बीच सहमति नहीं बन सकी है। यह मामला सिर्फ जमीन विवाद नहीं, बल्कि सिस्टम की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल है। रांची एयरपोर्ट के सामने सबसे बड़ी चुनौती अब टेक्नोलॉजी या फंड नहीं, बल्कि जमीन पर कब्जा और कागजी प्रक्रिया है। जब तक यह नहीं सुलझेगा, तब तक 'उड़ान' सिर्फ योजना में ही रहेगी।अभी लगभग 2700 मीटर रनवे उपयोग में है, जबकि 900 मीटर विस्तार जरूरी है। लेकिन जमीन के बिना यह सब 'पेपर प्लान' ही है। जिसका असर बड़े विमानों की लैंडिंग, लंबी दूरी की उड़ानों पर रोक, अंतरराष्ट्रीय आपरेशन आदि पर देखने को मिल रहा है।पर्याप्त जमीन नहीं होने की वजह से पीटीटी का निर्माण कार्य अधर में लटक गया है। पैरेलल टैक्सी ट्रैक (पीटीटी) के अभाव में विमान रनवे से ही टैक्सी करते हैं। इस वजह से प्रति उड़ान में 5–10 मिनट की देरी होती है। पीक टाइम में आपरेशन प्रभावित होता है। यानी समस्या दिखती कम है, असर हर उड़ान में है।

कांग्रेस के नए जिला अध्यक्षों को चाईबासा में मिलेगा 10 दिवसीय प्रशिक्षण

रांची, एजेंसी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने चयनित जिला अध्यक्षों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में राहुल गांधी के मौजूद रहने की सूचना है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा 'संगठन सृजन' अभियान के तहत देशभर में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों का चयन किया गया है। इसी क्रम में संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से चयनित जिला अध्यक्षों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उक्त क्रम में झारखंड एवं ओडिशा के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के लिए 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन झारखंड के चाईबासा (पश्चिम सिंहभूम) स्थित ट्राइबल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर (टीआरटीसी) में किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिविर 22 मार्च से 31 मार्च 2026 तक संचालित होगा। कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पाल मुंजनी ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना है। जिला स्तर पर नेतृत्व क्षमता का विकास करना तथा कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। शिविर में जनसंपर्क, संगठन विस्तार, राजनीतिक रणनीति एवं जनहित के मुद्दों पर प्रभावी कार्यशैली जैसे विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की विशेषता यह है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शिविर के दौरान एक दिन के लिए उपस्थित होकर जिला अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सभी संबंधित जिला अध्यक्षों से निर्धारित समय के भीतर प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील की गई है।यह प्रशिक्षण शिविर संगठन को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ करने एवं आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

प्रदेश में पीएचडी छात्र कराएंगे ग्रामीण नवाचार इंटर्नशिप,

सरकार सैलरी के साथ देगी सर्टिफिकेट

रांची, एजेंसी। विभिन्न विश्वविद्यालयों व कालेजों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे छात्रों द्वारा ग्रामीण पारंपरिक ज्ञान तथा इनोवेशन की पहचान में पीएचडी छात्र गाइड की भूमिका निभाएंगे। इसे लेकर उन्हें मेंटर ऑफ मेंटर्स के रूप में चुना जाएगा।

उच्च एवं तकनीक शिक्षा परिषद ने ग्रासरूट्स इनोवेशन इंटर्नशिप के लिए मेंटर ऑफ मेंटर्स के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए योग्य व इच्छुक पीएचडी छात्रों से सात अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। झारखंड के किसी भी संस्थान से फुल टाइम या पार्ट टाइम पीएचडी कर रहे छात्र इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

झारखंड ग्रासरूट्स इनोवेशन इंटर्नशिप स्कीम के तहत राज्य के सरकारी एवं गैर सरकारी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में नामांकित स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों को दो महीने की क्रेडिट-बेस्ड पेड इंटर्नशिप दी जाती है।

हर इंटर्नशिप टीम में चार छात्रों और एक फैकल्टी मेंबर होते हैं। यह इंटर्नशिप गर्मियों की छुट्टियों के दौरान आमतौर पर जून से अगस्त के महीनों के बीच कराई जाती है। इस दौरान टीमें झारखंड की पंचायतों में जाकर लोकल पारंपरिक ज्ञान और ग्रामीण इनोवेशन की पहचान करती हैं।

नतीजों को सिस्टमैटिक तरीके से इकट्ठा किया जाता है और छात्रों द्वारा डिटेल्ड इंटर्नशिप रिपोर्ट के रूप में जमा किया जाता है। इस योजना के तहत विभाग ने पार्ट टाइम बेसिस पर चार महीने के लिए कुल 87 पीएचडी छात्रों को मेंटर ऑफ मेंटर्स के रूप में लगाने का निर्णय लिया है।

हर मेंटर ऑफ मेंटर को स्कीम के तहत अधिक से अधिक 50 इंटर्नशिप टीमें दी जाएंगी। हालांकि, दी जानेवाली टीमों की असली संख्या इंटर्नशिप के लिए रजिस्टर करने वाली टीमों की संख्या पर आधारित होगी।

मेंटर ऑफ मेंटर्स इंटर्नशिप टीमों (छात्र और फैकल्टी) के लिए गाइड के तौर पर और झारखंड काउंसिल ऑफ साइंस, टेक्नोलाजी एंड इनोवेशन, नालेज पार्टनर्स और इंटर्नशिप टीमों के बीच संपर्क का काम करेंगे।

चयन होने के बाद शुरुआत में उनकी दो-तीन दिन का प्रशिक्षण के लिए रांची आना होगा। मेंटर आफ मेंटर्स को दिए गए बाकी काम वर्क फार होम किए जा सकेंगे। कामों की स्थिति का समय-समय पर ऑनलाइन रिव्यू किया जाएगा।

चुने गए उम्मीदवारों को इंटर्नशिप के दौरान हर महीने 10 हजार रुपये का मानदेय मिलेगा, जो पूरे चार महीने के समय के लिए कुल मिलाकर चार हजार रुपये होगा।

हालांकि विभाग से इस मानदेय को बढ़ाकर 20 हजार रुपये करने की तैयारी कर रहा है। उनके दिए गए काम पूरे होने पर एक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट और मेंटरशिप सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा।

प्रदेश में मानक पूरे नहीं करने वाले सभी नर्सिंग कॉलेज होंगे बंद, नामांकन पर रोक के आदेश

रांची, एजेंसी। राज्य के वैसे नर्सिंग कालेज, जो तीन वर्ष से नामांकन तो ले रहे हैं, लेकिन अभी तक निर्धारित मानकों को पूरा नहीं किया है, उन्हें बंद किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे संस्थानों के निलंबन पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने ऐसे कालेजों को शो-काज नोटिस जारी करने तथा फिलहाल नामांकन पर रोक लगाने का निर्देश दिया। अपर मुख्य सचिव ने सोमवार को नर्सिंग कालेजों को मान्यता प्रदान करने को लेकर आयोजित निष्पादन समिति की बैठक में ये निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वाले कालेजों पर अधिकतम जुर्माना लगाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने विभिन्न कमियों के आधार पर जुर्माने की राशि तय की गई है। बैठक में राज्य के 61 नर्सिंग कालेजों द्वारा एनओसी के लिए दिए गए आवेदनों की समीक्षा की गई। इन आवेदनों पर सरकार के अनुमोदन के बाद योग्य पाये जानेवाले संस्थानों को एनओसी प्रदान किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव ने काउंसिल की बैठक 15 दिनों के भीतर आयोजित करने का निर्देश दिया। इस क्रम में उन्होंने कालेजों की आधारभूत सुविधाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से पूछा कि संबंधित संस्थान अपनी जमीन पर संचालित हैं या लीज पर, कितनी जमीन उपलब्ध है, कितने कमरे हैं तथा कालेज नया है या पहले से संचालित है।

उन्होंने निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कालेजों के लिए जमीन की रसीद और शहरी क्षेत्रों में होल्डिंग टैक्स की स्थिति की भी जांच की जाए। यदि किसी कालेज को पहले से मौका दिया गया है तो उसे अब तक अपना भवन निर्माण कर लेना चाहिए था।

ऐसे मामलों में लीज या किराये की व्यवस्था की नवीनीकरण स्थिति की भी समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि किसी भी कालेज को एनओसी देने से पहले अनिवार्य रूप से निरीक्षण किया जाए।निरीक्षण के दौरान चार अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी, जिनमें संबंधित जिले के सिविल सर्जन, रजिस्ट्रार, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर और अपर समाहर्ता सम्मिलित होंगे।

70 रुपये की वेज थाली, 15 रुपये की चाय; गैस की कमी बताकर रांची सदर अस्पताल की कैंटीन में बढ़ा दिए गए दाम

रांची, एजेंसी। राजधानी के सदर अस्पताल स्थित कैंटीन में भोजन के दर में मनमाने तरीके से बढ़ोतरी का मामला सामने आया है। इस कारण मरीजों के स्वजनों और अस्पताल में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। अस्पताल में जहां कम दर पर भोजन उपलब्ध कराने का प्रावधान है, वहीं इसके विपरीत अधिक कीमत वसूली की जा रही है। जानकारी के अनुसार, कैंटीन में पहले 50 रुपये में मिलने वाली वेज थाली अब 70 रुपये में दिया जा रहा है। वहीं, 10 रुपये का समोसा 15 रुपये में बेचा जा रहा है। इसी तरह अन्य मेनू में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी गई है। अचानक बढ़ी कीमतों ने खासकर दूर-दराज से आने वाले मरीजों के परिजनों की परेशानी और बढ़ा दी है, जो पहले से ही इलाज के खर्च का दबाव झेल रहे हैं। कैंटीन संचालक द्वारा एलपीजी गैस की कथित कमी का हवाला देकर दर बढ़ाने की बात कही जा रही है।

हालांकि, व्यवसायिक सिलिंडर के दाम में हाल के दिनों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। ऐसे में बिना स्पष्ट कारण के दर बढ़ाना सवालों के घेरे में है। इस बीच बढ़े दर को लेकर हो-हल्ला होने के बाद कैंटीन में लगे नए दर को मंगलवार की देर रात हटाने का काम शुरू किया गया। सबसे गंभीर बात यह है कि कैंटीन में दर बढ़ाने की जानकारी अस्पताल प्रबंधन को भी नहीं दी गई। बिना अनुमति के ही नए दर लागू कर दिए गए और लोगों से बढ़ी कीमत पर भोजन लिया जाने लगा। मामले की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल प्रशासन हरकत में आया है। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. बिमलेश सिंह ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि किचन संचालक को छह गैस सिलिंडर उपलब्ध कराए गए हैं। जांच में यह भी देखा जाएगा कि इन सिलिंडरों का उपयोग मरीजों के भोजन के लिए हो रहा है या कैंटीन के अन्य संचालन में। उपाधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जांच में अनियमितता या नियमों का उल्लंघन सामने आने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रिम्स में जल्द शुरू होगा 'वीआईपी क्लीनिक, एक ही जगह पर जांच और विशेषज्ञ डॉक्टर करेंगे इलाज

रांची, एजेंसी। राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में मरीजों को बेहतर और तुरंत इलाज की सुविधा देने के लिए जल्द 'वीआईपी क्लीनिक' शुरू की जाएगी। यह देश के प्रमुख संस्थानों एम्स, सीएमसी और सीजीपीजीआई की तर्ज पर संचालित होगा।

यहां सामान्य ओपीडी से अलग मरीजों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श और जांच की सुविधा मिलेगी। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य अस्पताल में बढ़ते दबाव को संतुलित करना व मरीजों को विकल्प देना है। शुरुआत में फिजिशियन, कार्डियोलॉजिस्ट, न्यूरोलॉजिस्ट और ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ की सेवाएं यहां उपलब्ध रहेंगी। रोजाना 10 से 15 मरीजों को ही देखा जाएगा। रिस्पॉन्स के आधार पर आगे मरीजों की संख्या व सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

नाम वीआईपी, लेकिन सुविधा सभी श्रेणी के मरीजों के लिए...नाम भले ही वीआईपी क्लीनिक हो, लेकिन यह केवल वीआईपी मरीजों के लिए नहीं होगा। कोई भी सामान्य मरीज निर्धारित शुल्क देकर यहां इलाज करा सकेगा। रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार ने कहा कि अस्पताल में अक्सर वीआईपी मरीजों का दबाव रहता है, जिससे सामान्य मरीज प्रभावित होते हैं। नई व्यवस्था से दोनों के बीच संतुलन बनाया जा सकेगा और सभी को बेहतर सुविधा मिलेगी।

एक ही जगह पर एक्स-रे, ईसीजी और अन्य जांच... इस क्लीनिक की खास बात यह होगी कि मरीजों को जांच के लिए इधर-उधर नहीं जाना पड़ेगा। परिसर में ही एक्स-रे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड और ब्लड जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। डॉक्टर की सलाह के बाद तुरंत जांच और जल्दी रिपोर्ट मिलने से इलाज में तेजी आएगी और मरीजों का समय बचेगा।

पेइंग वार्ड के ग्राउंड फ्लोर में होगा क्लीनिक...वीआईपी क्लीनिक का संचालन रिम्स के पेइंग वार्ड के ग्राउंड फ्लोर में किया जाएगा। इसके लिए उस जगह का चयन किया गया है, जहां पहले कैंटीन चलती थी। क्लीनिक के लिए आवश्यक मेडिकल उपकरण कोल इंडिया के सीएसआर फंड से उपलब्ध कराए जाएंगे। मशीनों के आने और इंस्टॉलेशन के बाद सेवा शुरू कर दी जाएगी।

रिम्स के निदेशक डॉ राजकुमार ने बताया कि फिलहाल वीआईपी ओपीडी का शुल्क तय नहीं हुआ है, लेकिन इसके 100 से 150 रुपए के बीच होने की संभावना है। यह सामान्य ओपीडी के 5 रुपए से ज्यादा होगा, लेकिन इसके बदले मरीजों को जल्द, बेहतर और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सुविधा मिलेगी।

कोडरमा में आंगनबाड़ी केंद्र व स्कूल में चोरी, विद्यालय के दरवाजे भी तोड़े

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत रायडीह गांव में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में दो सरकारी संस्थानों को निशाना बनाकर दहशत फैला दी। चोरों ने जहां आंगनबाड़ी केंद्र का ताला तोड़कर बच्चों के लिए रखी खाद्य सामग्री और बर्तन उड़ा लिए, वहीं उत्क्रमित मध्य विद्यालय में घुसकर कक्षाओं के दरवाजे तोड़ दिए। लगातार बढ़ रही इस तरह की घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल है। सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका रंजू देवी ने बताया कि गुरुवार सुबह उन्हें ग्रामीणों से चोरी की सूचना मिली। केंद्र पहुंचने पर उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजा टूटा हुआ था और अंदर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। बच्चों के लिए रखा करीब एक महीने का खाद्य सामग्री और बर्तन गायब थे। वहीं दवाइयां जमीन पर बिखरी मिलीं। इस घटना से बच्चों के पोषण कार्यक्रम पर असर पड़ने की आशंका है। सेविका ने बताया कि इससे केंद्र संचालन में भी परेशानी होगी।

इसी गांव के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में भी बुधवार रात चोरों ने घुसकर जमकर उत्पात मचाया। प्रभारी प्राचार्य निरंजन कुमार सिन्हा ने बताया कि गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने टहलने के दौरान टूटे दरवाजे देखे और सूचना दी। जांच में पाया गया कि सभी कक्षाओं के दरवाजे क्षतिग्रस्त कर दिए गए थे।

कार्यालय में रखे सामान बिखरे पड़े थे। हालांकि चोर कंप्यूटर कक्ष का दरवाजा तोड़ने में सफल नहीं हो सके, जिससे वहां रखे कंप्यूटर सिस्टम और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित बच गए। विद्यालय से किसी सामान की चोरी नहीं हुई है। दोनों घटनाओं को लेकर आंगनबाड़ी सेविका और विद्यालय प्रबंधन ने नवलशाही थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। अज्ञात चोरों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित करने की गुहार लगाई गई है।

इधर विद्यालय प्रबंधन समिति ने जिला प्रशासन से जल्द नए दरवाजे उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि स्कूल की संपत्ति और महत्वपूर्ण कागजात सुरक्षित रह सकें।

पानी की तलाश में गांव पहुंचा हिरण : चतरा में कटीले तार में फंसकर मौत

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के कान्हाचट्टी प्रखंड से एक मार्मिक घटना सामने आई है, जहां प्यास बुझाने जंगल से गांव की ओर आए एक हिरण की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना सिमरडीह गांव की है, जहां खेतों में लगाए गए कटीले तारों में फंसकर हिरण ने दम तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि इन दिनों भीषण गर्मी के कारण जंगलों के जलस्त्रोत पूरी तरह सूख चुके हैं। ऐसे में जंगली जानवर पानी की तलाश में आबादी वाले इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं। इसी क्रम में यह हिरण भी पानी की तलाश में जंगल से निकलकर गांव के खेतों तक पहुंच गया, लेकिन वहां पहले से लगी कंटीले तारों की बाड़ उसके लिए जानलेवा साबित हुई।

ग्रामीणों के अनुसार, हिरण खेत में लगे कटीले तारों में बुरी तरह फंस गया था और काफी देर तक छटपटाता रहा। लेकिन उसे समय पर बचाया नहीं जा सका और अंततः उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश देखने को मिला।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि वन विभाग ने जंगल के अंदर पानी की समुचित व्यवस्था की होती, तो जंगली जानवरों को गांव की ओर आने की नौबत ही नहीं आती। उन्होंने वन विभाग की लापरवाही को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। लोगों ने कहा कि हर साल गर्मी के मौसम में इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस पहल नहीं की जाती।

घटना की सूचना मिलते ही कोलहिया राजपुर वन प्रक्षेत्र की टीम मौके पर पहुंची और हिरण के शव को कब्जे में लेकर वन कार्यालय ले गई। वनरक्षी अवधेश कुमार, आशीष लाल, कृष्णमोहन कुमार दास और प्रदीप पासवान ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की।

वन क्षेत्र पदाधिकारी अजीत राम ने बताया कि हिरण के शव का मेडिकल परीक्षण और पोस्टमॉर्टम चिकित्सकों की निगरानी में कराया जा रहा है।

व्रत में बीपी-शुगर मरीजों के लिए सावधानी जरूरी

रांची, एजेंसी। चैत्र नवरात्र में बड़ी संख्या में लोग व्रत रखते हैं, लेकिन उच्च रक्तचाप (बीपी) और मधुमेह के मरीजों के लिए यह समय विशेष सावधानी का होता है। गर्मी के मौसम में लंबे समय तक उपवास रखने से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट की कमी हो सकती है, जिससे स्वास्थ्य बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में विशेषज्ञ संतुलित आहार और नियमित दवा लेने की सलाह देते हैं।

रिम्स की डायटीशियन मीनाक्षी कुमारी बताती है कि नवरात्र पूजा में आस्था के साथ-साथ अपने खानपान पर भी ध्यान देना जरूरी है। खासकर के बीपी और मधुमेह रोगियों की पूरी दिनचर्या रूटीन आधारित होनी चाहिए, यानि की समय पर दवा लेना ही है और खानपान में जो पहले से वर्जित है उसे सख्ती से पालन करना चाहिए।

बीपी के मरीजों को व्रत के दौरान दवा नियमित रूप से लेते रहना चाहिए। शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए नारियल पानी, नींबू पानी और फलों के जूस का सेवन करना जरूरी है। अत्यधिक नमक या तले खाद्य पदार्थों से बचें और हल्का आहार लें।

मधुमेह रोगियों को व्रत के दौरान खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। वे रामदाना, कुट्टू और सिंघाड़े के आटे की रोटी, मखाना, साबूदाने की खिचड़ी सीमित मात्रा में ले सकते हैं। फलों में संतरा, केला और पपीता तथा ड्राई फ्रूट में बादाम और अखरोट फायदेमंद हैं, जबकि किशमिश से परहेज करें। नारियल पानी का सेवन भी लाभकारी है, लेकिन दवा समय पर लेना अनिवार्य है।

लंबे समय तक खाली पेट न रहें। अगर पूजा-पाठ अधिक समय तक करना हो तो पहले हल्का आहार लेकर ही करें। दवा के समय में बदलाव न करें और नियमित जांच करते रहें। मधुमेह मरीज शकरकंद या साबूदाना में से किसी एक का ही सेवन करें, क्योंकि दोनों में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है। गर्मी के कारण डिहाइड्रेशन से बचने के लिए पर्याप्त तरल पदार्थ लें। धूप में निकलने से बचें और आराम को प्राथमिकता दें।

चतरा में एसएसबी जवान ने की आत्महत्या:शिला पिकेट पर थी ड्यूटी

चतरा, एजेंसी। झारखंड के चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र स्थित शिला ओपी पिकेट में तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवान प्रह्लाद कुमार सिंह ने मंगलवार रात करीब 10 बजे अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनते ही कैंप में तैनात अन्य जवान मौके पर पहुंचे, जहां प्रह्लाद खून से लथपथ पड़े थे।

पास में उनकी सर्विस राइफल पड़ी थी। प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला बताया जा रहा है, हालांकि घटना के बाद पूरे कैंप में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एसएसबी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया।

मृतक जवान की पहचान देवघर जिले के महतोडीह गांव निवासी प्रह्लाद कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह एसएसबी की 35वीं बटालियन में तैनात थे और वर्तमान में शिला पिकेट पर उनकी ड्यूटी लगी थी। परिजनों के अनुसार, घटना से कुछ घंटे पहले तक प्रह्लाद पूरी तरह सामान्य थे। उनके छोटे भाई रोहित कुमार ने बताया कि शाम में उनसे बात हुई थी। वह क्रिकेट खेलने जा रहे थे। सुबह उन्होंने अपने बच्चों से भी बातचीत की थी। ऐसे में अचानक इस तरह का कदम उठाना परिवार और साथियों के लिए भी हैरान करने वाला है।

घटना की सूचना मिलते ही चतरा एसपी और एसएसबी कमांडेंट दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और पिकेट में तैनात जवानों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। मानसिक तनाव, पारिवारिक कारण या अन्य किसी पहलू को लेकर जांच की जा रही है।

चतरा में बीते एक वर्ष के दौरान सुरक्षा बलों के जवानों द्वारा आत्महत्या के कई मामले सामने आ चुके हैं। मार्च 2024 में वशिष्ठ नगर जोरी में सीआरपीएफ जवान ने गोली मारकर जान दे दी थी, जबकि फरवरी 2024 में एक अन्य जवान ने फांसी लगाई थी। अब प्रह्लाद सिंह की संदिग्ध मौत ने एक बार फिर जवानों के मानसिक स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

साहिबगंजः "पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है, शांति का संदेश हम ही देंगे" - आरएसएस के कार्यक्रम में गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर

सोन वर्षा वाणी

साहिबगंज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के तत्वावधान में साहिबगंज में 'आद्य सरसंघचालक प्रणाम' कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, अनुशासन और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस गौरवशाली अवसर पर संघ के स्वयंसेवकों और प्रबुद्ध नागरिकों ने भारी संख्या में शिरकत की और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ संघ के संस्थापक और आद्य सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के चित्र पर पुष्प

अर्पित कर किया गया। इस दौरान वातावरण राष्ट्रभक्ति के गीतों और गौरवशाली स्मृतियों से ओत-प्रोत नजर आया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विभाग प्रचारक अजय कुमार ने स्वयंसेवकों और स्थानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए भारत की सांस्कृतिक और वैश्विक शक्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "वर्तमान में संपूर्ण विश्व में अराजकता और अशांति का माहौल है। ऐसे कठिन समय में पूरी दुनिया की निगाहें भारत की ओर टिकी हैं। यदि विश्व को शांति और भाईचारे का संदेश कोई दे सकता है, तो वह एकमात्र देश भारत ही है।" अजय कुमार ने संघ की विकास यात्रा पर चर्चा करते हुए बताया कि आरएसएस दुनिया का एकमात्र ऐसा संगठन है जो सफलतापूर्वक अपने 100 वर्ष पूरे करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों के विदेशी आक्रमणों के बावजूद भारत की सनातन संस्कृति आज भी अक्षुण्ण बनी हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संघ की शाखाएं केवल शारीरिक व्यायाम का केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे एक अनुशासित जीवन शैली और समाज सेवा का संस्कार सिखाती हैं। युवाओं और नागरिकों को प्रेरित करते हुए विभाग प्रचारक ने कहा कि भगवान श्री राम का जीवन हम सभी के लिए मर्यादा और कर्तव्य का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने अपील की, "प्रभु राम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और अपने परिवार, समाज तथा राष्ट्र को एक नई दिशा प्रदान करें। जब प्रत्येक नागरिक राष्ट्रहित में आगे आएगा, तभी भारत पुनः 'विश्व गुरु' के पद पर आसीन होगा।" कार्यक्रम में वक्ताओं ने सामाजिक समरसता, निस्वार्थ सेवा और अखंड राष्ट्रभक्ति को जीवन का मूल मंत्र बनाने का संदेश दिया। अंत में, सभी स्वयंसेवकों ने राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण के भाव के साथ 'संघ प्रार्थना' की और देश की सेवा का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिले के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रबुद्ध नागरिक और सैकड़ों की संख्या में गणवेशधारी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

साहिबगंजः रमजान के बीच लालबथानी में 8 दिनों का अंधेरा दूर, युवा कांग्रेस नेता कौसर आलम की पहल से लगा नया ट्रांसफार्मर

सोन वर्षा वाणी

साहिबगंज। सदर प्रखंड अंतर्गत लालबथानी तीनघारिया मंसूर टोला में पिछले 8 दिनों से व्याप्त गंभीर बिजली संकट आखिरकार समाप्त हो गया है। राजमहल विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष कौसर आलम की त्वरित पहल और सक्रियता के बाद गांव में 25 केवी (KVA) का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया, जिससे पूरे टोले में एक बार फिर रोशनी लौट आई है। उल्लेखनीय है कि लालबथानी तीनघारिया टोला का ट्रांसफार्मर पिछले 8 दिनों से जला हुआ था। वर्तमान में इस्लाम धर्म का पवित्र महीना 'माहे रमजान' चल रहा है, साथ ही क्षेत्र में भीषण गर्मी का प्रकोप भी है। बिजली न होने के कारण ग्रामीणों, विशेषकर रोजेदारों

को सेहरी, इफ्तार और इबादत के वक्त रोशनी और पानी के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। बिजली के अभाव में पेयजल आपूर्ति ठप होने से रोजेदारों की चिंता काफी बढ़ गई थी। संकट गहराने पर ग्रामीणों ने अपनी समस्या राजमहल विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष कौसर आलम के समक्ष रखी। मामले की संवेदनशीलता और रमजान के महत्व को देखते हुए कौसर आलम ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया था कि वे जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराएंगे। अपने वादे के अनुरूप, उन्होंने बिजली विभाग के वरीय अधिकारियों से संपर्क साधा और निरंतर समन्वय बनाकर महज कुछ ही समय में 25 केवी का नया ट्रांसफार्मर गांव भिजवाया। जैसे ही गांव में नया ट्रांसफार्मर लगा और बिजली बहाल हुई, अंधेरे में डूबे तीनघारिया टोला के ग्रामीणों के चेहरे खुशी से खिल उठे। ग्रामीणों ने कौसर आलम की इस जनहितैषी पहल और त्वरित कार्रवाई के लिए उनका तहे दिल से आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि रमजान के इस पाक महीने में बिजली मिलना उनके लिए बड़ी राहत की बात है। ट्रांसफार्मर स्थापना और बिजली बहाली के इस अवसर पर मुख्य रूप से जियाउल हक, मो० अब्दुल्ला, सादेक अली, मुस्तफा, अबदूर रहमान, सैफुद्दीन, मोजम्मील हक, नैमुल हक़, सजाहान अली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आस्था का महापर्वः साहिबगंज के भारतीय कला मंदिर में कलश स्थापना के साथ चैती नवरात्रि का भव्य शुभारंभ

सोन वर्षा वाणी

साहिबगंज। जिले में चैत्र नवरात्रि (बसंत नवरात्रि) का उल्लास गुरुवार से शुरू हो गया है। इसी क्रम में, साहिबगंज स्थित भारतीय कला मंदिर में 'श्री श्री 108 चैती दुर्गा पूजा समिति' के तत्वाधान में सुबह 8:00 बजे विधि-विधान के साथ कलश स्थापना की गई। मंदिर परिसर में प्रतिपदा की प्रथम पूजा के अवसर पर कलश संकल्प, कलश स्थापना और ध्वजारोहण पूजन के साथ नौ दिवसीय अनुष्ठान का श्रीगणेश हुआ। चैती दुर्गा पूजा को लेकर मंदिर और पूरे परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। आयोजन से पहले पूरे परिसर का रंग-रोगन कर इसे बिजली की रंग-बिरंगी लाइटों से जगमग किया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक सुचिता को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रांगण की विशेष साफ-सफाई कर उसे स्वच्छ बनाया गया है। पूजा के सफल शुभारंभ पर समिति के अध्यक्ष नवल किशोर मंडल ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने

कहा कि मां दुर्गा के आशीर्वाद से आगामी नौ दिनों तक भक्ति और सेवा का यह सिलसिला जारी रहेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से अध्यक्ष नवल किशोर मंडल के साथ संरक्षक ओम जायसवाल, हेमंत तांती, प्रबंधक सुनील झा, सचिव विजय सिंह, लाइसेंसी देवव्रत सिंह, उपसचिव मुन्ना तांती, लेखापाल ऋषि कुमार, कोषाध्यक्ष कुणाल कुमार, पूजा प्रभारी ऋतिक कुमार, डब्लू तांती, पूजा प्रभारी पन्ना, प्रेम कुमार, अमन ठाकुर सहित पूजा समिति के अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरा मंदिर परिसर 'जय माता दी' के जयकारों से गूंज उठा है और भक्तों में मां दुर्गा की आराधना को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

मंडरोः नकली कीटनाशक बनाने के बड़े काले कारोबार का पर्दाफाश, 21 लाख की नकली दवाएं बरामद

सोन वर्षा वाणी

साहिबगंज/मिर्जाचौकी। जिले के मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवरण गांव में बुधवार को प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली कीटनाशक दवा बनाने के अवैध धंधे का भंडाफोड़ किया है। इस छापेमारी में नामी कंपनी 'इंडोफिल' के नाम पर बनाई जा रही लाखों रुपये की नकली कीटनाशक दवाएं और पैकेजिंग सामग्री जब्त की गई है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में प्रशासनिक और पुलिस विभाग के आला अधिकारी शामिल थे। टीम का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (SDPO) किशोर तिर्की, एसडीओ (SDO) अमर जान आइंद, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, सदर सीओ बासकी नाथ टुडू और मिर्जाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव ने संयुक्त रूप से किया।

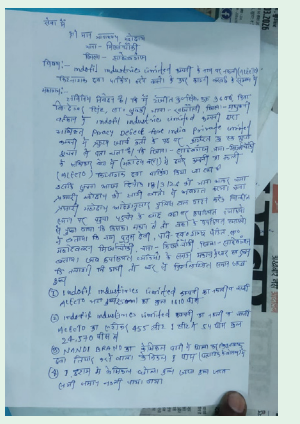

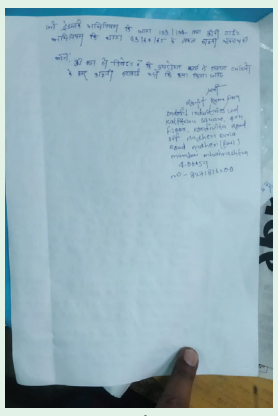

पुलिस ने मौके से इंडोफिल कंपनी की 'इलेक्टो' (Electo) नामक कीटनाशक दवा की भारी खेप बरामद की है। बरामद सामानों का विवरण इस प्रकार हैः

नकली कीटनाशकः 50 मिलीलीटर के कुल 1610 डिब्बे।

बाजार मूल्यः जब्त की गई दवाओं की अनुमानित कीमत लगभग 21 लाख रुपये आंकी गई है।

पैकेजिंग सामग्रीः मौके से इंडोफिल कंपनी के 24,000 जाली स्टीकर और अन्य पैकेजिंग सामग्री भी बरामद की गई है।

मामले की जानकारी देते हुए प्रमुख जांचकर्ता रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि इंडोफिल कंपनी को यह सूचना मिली थी कि महादेवरण गांव में उनके ब्रांड के नाम का दुरुपयोग कर खेती में इस्तेमाल होने वाली नकली कीटनाशक दवाओं की पैकेजिंग की जा रही है। इस इनपुट को साझा करने के बाद प्रशासन ने त्वरित टीम गठित कर छापेमारी की, जिसमें यह बड़ी सफलता हाथ लगी। नकली कीटनाशक का यह कारोबार न केवल कंपनी के राजस्व को नुकसान पहुँचा रहा था, बल्कि अनभिज्ञ किसानों की फसलों और मिट्टी की उर्वरता के लिए भी बड़ा खतरा पैदा कर रहा था। प्रशासन अब इस मामले के मुख्य सरगना की तलाश में जुट गया है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह खेप कहाँ-कहाँ सप्लाई की जानी थी। इस बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

साहिबगंजः होल्डिंग टैक्स बकायेदारों पर नगर परिषद का शिकंजा, बड़े डिफाल्टरों को 24 घंटे का अल्टीमेटम

सोन वर्षा वाणी

साहिबगंज। नगर परिषद इन दिनों बकाया राजस्व वसूली को लेकर पूरी तरह सख्त नजर आ रही है। नगर परिषद द्वारा शनिवार को लगातार चौथे दिन भी सघन होल्डिंग टैक्स वसूली अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस बल और मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में वार्ड नंबर 17, 19, 20 और 28 में चलाया गया, जिससे बकायेदारों के बीच हड़कंप मच गया है। अभियान के दौरान नगर परिषद की टीम ने विशेष रूप से उन बड़े डिफाल्टरों को चिन्हित किया, जिनका लंबे समय से होल्डिंग टैक्स बकाया है। प्रशासन की ओर से उन्हें सख्त हिदायत दी गई है कि वे अगले 24 घंटों के भीतर अपने बकाया टैक्स का भुगतान सुनिश्चित करें। निर्धारित समय सीमा के भीतर भुगतान नहीं करने की स्थिति में 'झारखंड नगरपालिका अधिनियम' की प्रासंगिक धाराओं के तहत उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर परिषद ने आम नागरिकों को जागरूक करते हुए

अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई और आर्थिक नुकसान से बचने के लिए 31 मार्च से पहले अपना होल्डिंग टैक्स जमा कर दें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि 31 मार्च तक भुगतान नहीं किया गया, तो मूल राशि पर 12% की दर से अतिरिक्त ब्याज देय होगा। इस व्यापक वसूली अभियान का नेतृत्व नगर प्रबंधक रवि कुमार और सोनू कुमार यादव ने किया। मौके पर राजस्व निरीक्षक (रेवेन्यू इंस्पेक्टर) अमरजीत सिंह, सौरभ कुमार और विजय कुमार झा सक्रिय दिखे। साथ ही, टीम में तहसीलदार सोनू मंडल, पवन कुमार, विक्की, राकेश रंजन, एरिया मैनेजर सौरभ कुमार, टीम लीडर रविकांत पासवान, नीरज पासवान, विनोद मंडल, तपस कुमार दास और विकास कुमार साह सहित अन्य कर्मी शामिल थे। नगर परिषद के इस कड़े रुख से यह स्पष्ट है कि राजस्व चोरी करने वालों और बकायेदारों को अब राहत मिलने वाली नहीं है। प्रशासन ने आने वाले दिनों में अन्य वार्डों में भी इसी तरह की छापेमारी और वसूली अभियान चलाने के संकेत दिए हैं।

साहिबगंजः रमन विज्ञान भवन में शोध की गूंज; रसायन शास्त्र के छात्रों ने औषधीय गुणों और जल शुद्धता पर पेश किए शानदार प्रोजेक्ट

सोन वर्षा वाणी

साहिबगंज। जिले के प्रतिष्ठित शैक्षणिक केंद्र रमन विज्ञान भवन स्थित रसायन शास्त्र स्नातकोत्तर विभाग में गुरुवार को स्नातक सेमेस्टर-5 (सत्र 2022-26) के छात्र-छात्राओं की 'प्रोजेक्ट इंटर्नशिप मौखिक परीक्षा' (Viva-Voce) सफलतापूर्वक संपन्न हुई। विभागाध्यक्ष सह एकेडमिक डीन इंचार्ज डॉ. अनिल कुमार के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस परीक्षा में छात्रों ने अपने वैज्ञानिक शोध और नवाचार का प्रदर्शन किया। इस शैक्षणिक सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर प्रयोगात्मक विषयों पर गहन शोध किया। छात्रों ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन (PPT) के माध्यम से अपने प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए। शोध के मुख्य विषय एलोवेरा (ड्राइड एलोवेरा पाउडर), चिरौंता, नीम जैसे औषधीय पौधे और स्थानीय वॉटर सैंपल (जल के नमूनों) के विश्लेषण पर आधारित रहे। मौखिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक (External Examiner)

के रूप में साहिबगंज महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. पारस नाथ राय उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा किए गए शोध की सूक्ष्मता से जांच की और उनकी वैचारिक स्पष्टता की सराहना की। छात्रों का उत्साहवर्धन करने के लिए महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष भी मौजूद रहे। इनमें डॉ. अवस्थी (इतिहास विभाग), डॉ. संजीव (अर्थशास्त्र विभाग), डॉ. सद्दाम सिंह मुंडा एवं डॉ. चंद्रशेखर (मनोविज्ञान विभाग), डॉ. धर्मेंद्र (रसायन शास्त्र विभाग), डॉ. मिथिलेश (अंग्रेजी विभाग) और डॉ. मीरा चौधरी (वनस्पति विज्ञान विभाग) शामिल थे। सभी वरिष्ठ शिक्षकों ने छात्रों के शोधपरक दृष्टिकोण को सराहा। प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले मुख्य विद्यार्थियों में अंकित कुमार तांती, खुशी कुमारी, लाजोर मुर्मू, मोहम्मद अब्दुल, मोहम्मद गुलाम अशरफ, प्रियंका कुमारी, राजकुमार महतो, रवि कुमार सुमन, रिचा भारती और ऋषभ राज शामिल रहे। इन सभी ने अपने संबंधित विषयों पर विस्तृत डेटा और विश्लेषण प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने परीक्षा के सफल समापन पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाला समय 'अनुसंधान और विकास' (R&D) का है। उन्होंने जोर देकर कहा, "भारत में औषधीय गुणों वाले पौधों पर शोध की अपार संभावनाएं हैं। छात्रों द्वारा नीम, एलोवेरा और चिरौंता जैसे पारंपरिक विषयों पर किया गया यह वैज्ञानिक शोध भविष्य में असाध्य रोगों के उपचार के लिए नई राहें खोलेगा।" इस आयोजन से न केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रतिभा निखरी, बल्कि विभाग में शोध और नवाचार के प्रति एक नया उत्साह भी देखने को मिला।

शांतिनिकेतन के शोधार्थी अमन कुमार होली ने जयशंकर प्रसाद के कथा-साहित्य पर प्रस्तुत किया नवीन शोध-आलेख

सोन वर्षा वाणी

साहिबगंज। महाकवि जयशंकर प्रसाद ट्रस्ट (लखनऊ), केंद्रीय हिंदी संस्थान (आगरा) और विश्व भारती विश्वविद्यालय (शांतिनिकेतन) के हिंदी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "महाकवि जयशंकर प्रसाद साहित्य-संस्कृति महोत्सव 2026" में साहिबगंज के लाल और विश्व-भारती के शोधार्थी अमन कुमार होली ने अपने प्रखर शोध के माध्यम से विद्वत समाज का ध्यान आकर्षित किया है। अमन ने 'जयशंकर प्रसाद की कहानियों में सामाजिक यथार्थ के विविध आयामों' पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जिसकी सराहना राष्ट्रीय स्तर के विद्वानों ने की। साहिबगंज की माटी से अपनी प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण करने वाले अमन कुमार होली ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) से होते हुए विश्व-भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन तक का लंबा सफर तय किया है। उनके इस शोध ने न केवल उनके जिले का नाम रोशन किया है, बल्कि प्रसाद साहित्य को देखने की एक नई दृष्टि भी प्रदान की है। अमन ने अपने शोध के माध्यम से छायावाद के स्तंभ जयशंकर प्रसाद और कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद के यथार्थवाद के बीच एक सूक्ष्म अंतर रेखांकित किया। उन्होंने तर्क दिया कि जहाँ प्रेमचंद का यथार्थ 'स्थूल' और सामाजिक विद्रूपताओं पर सीधा प्रहार करता है, वहीं प्रसाद का यथार्थ 'सूक्ष्म और मनोवैज्ञानिक' है। उनके पात्र सामाजिक परिस्थितियों से अधिक अपनी आंतरिक नैतिकता और सांस्कृतिक पहचान के लिए संघर्ष करते हैं। अमन का यह शोध उन्हें प्रेमचंद के समानांतर एक सशक्त सामाजिक कथाकार के रूप में स्थापित करता है। संगोष्ठी के दौरान स्वयं महाकवि जयशंकर प्रसाद की प्रपौत्री ने अमन के शोध की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल–04–26, दिनांक 18.03.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस है एवं निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैः **निविदा सूचना सं. : ईएल–04–26, कार्य का नाम एवं इसका स्थानः** दो (02) वर्षों के लिए आसनसोल मंडल में एसी कोचों (एलएचबी और आईसीएफ) में आरएमपीयू (रूफ माउंटेड पैकेज यूनिट) (प्रस्तुतकारक–लॉयड्स/सिडवाल/इंटेक/अमित /दौलतराम/एसएसके/लील इलेक्ट.) का वार्षिक सुधारात्मक रखरखाव अनुबंध (एसीएमसी)। **निविदा मूल्य :** रु.71,12,113.16, **बयाना राशि :** रु. 1,42,300/–, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **बंद होने एवं खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 10.04.2026 को 11.00 बजे। **कार्य के लिए समापन अवधि :** 24 माह। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।
ASN-398/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

सं. ओ–एसी–टी–154 से 155–25–26 (खुली), दिनांक 19.03.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैंः **क्रम सं. 1, केस सं. ओ–एसी–टी–154–25–26, कार्य का नामः** आसनसोल मंडल में दुर्गापुर यार्ड रिमॉडलिंग के संबंध में, मौजूदा आर्च आरओबी संख्या 396ए (गैमॉन ब्रिज, दुर्गापुर के पास) को हटाने/तोड़ने के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 2,41,90,000/–, **बयाना राशि :** रु. 4,83,800/–, **कार्य की समापन अवधिः** 03 माह । **क्रम सं. 2, केस सं. ओ–एसी–टी–155–25–26, कार्य का नामः** वरिष्ठ डीईएन/1/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में एटी वेल्डिंग पोर्शन की आपूर्ति और एटी वेल्ड के निष्पादन के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 1,44,83,997.90, **बयाना राशि :** रु. 2,89,700/–, **कार्य की समापन अवधिः** 12 माह। **बंद होने की तिथि और समयः** दिनांक 10.04.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।
ASN-400/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

रामनवमी को लेकर निकली गई भव्य कलश यात्रा

हिरणपुर (पाकुड़)। रामनवमी सह चैती दुर्गा पूजा के उपलब्ध में चैत्र नवरात्र को लेकर भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई।इसमें भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए ,हिरणपुर मवेशी हटिया स्थित बजरंगबली मंदिर परिसर से कलश यात्रा की शुरुआत हुई श्रद्धालु कलश लेकर पूरे नगर का भ्रमण करते हुए विभूति पोखर पहुंचे जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भरा गया। इसके बाद सभी श्रद्धालु पुनः बजरंगबली मंदिर परिसर लौटे। जहां विधि-विधान के साथ पुरोहित द्वारा कलश स्थापना की गई। इस भव्य यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और कुंवारी कन्याएं शामिल हुई।भक्ति गीतों और गाजे-बाजे के साथ निकली इस शोभा यात्रा ने पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बीडीओ , सीओ और थाना प्रभारी का सराहनीय योगदान रहा।सुरक्षा के मद्देनज़र हिरणपुर थाना प्रभारी विनय कुमार गुप्ता के नेतृत्व में जगह-जगह अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी।वहीं, बजरंगबली समिति द्वारा 20 से 26 मार्च तक शिव महापुराण कथा का भी आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही मेले सहित कई अन्य धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया है।

ईद और रामनवमी को लेकर निकाली गई फ्लैग मार्च

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। सिंघलोम ओपी में ईद और रामनवमी के मद्देनज़र गुरुवार को सिमलौंग ओपी प्रभारी बलवंत दुबे के नेतृत्व में क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया।यह फ्लैग मार्च सिमलौंग, बंगला और धरमपुर होते हुए पुनः थाना पहुंचा। ओपी प्रभारी बलवंत दुबे ने बताया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य आगामी पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराना था। पुलिस प्रशासन ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की है।मौके पर एएस आई, मुन्ना प्रसाद,एएसआई नरेश मरांडी, मुद्रिका प्रसाद , सत्येंद्र कुमार सहित पुलिस के जवान मौजूद थे।

डीसी और एसपी ने चार अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

पाकुड़। जिला मुख्यालय में बुधवार को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम में डीसी मनीष कुमार और एसपी निधि द्विवेदी ने संयुक्त रूप से चार अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र सौपा इस दौरान तीन प्रखड़ के समन्यवक अमिय कुमार भगत, मिथुन कुमार एवं जटन टुडु तथा एक लेखापाल सह प्रखंड कंप्यूटर ऑपरेटर-सूरज हेंब्रम को औपचारिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि यह नियुक्ति केवल चयनित अभ्यर्थियों के लिए अवसर नहीं, बल्कि जिला में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने नव नियुक्त कर्मियों को ईमानदारी, लगन और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया, ताकि योजना का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंच सके। वहीं पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने कहा कि प्रशासन चयनित अभ्यर्थियों को हर संभव सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी कर्मी अनुशासन, नैतिकता एवं विधि का पालन करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे, जिससे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी रूप से आमजन तक पहुंच सके। कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थियों ने भी उत्साह के साथ अपने दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता जतायी और योजना के सफल क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

शांति और सोहद्रपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने को लेकर निकला गया फ्लैगमार्च

पाकुड़। ईद और रामनवमी मद्देनजर जिले भर में शांति और सोहद्रपूर्ण और उत्साह पूर्ण माहौल में पर्व संपन्न कराने को लेकर जिला मुख्यालय सहित प्रखंडों एवं ग्रामीण इलाकों में पुलिस वाहन एवं मोटरसाइकिल से फ्लैग मार्च निकाला गया। पाकुड़ शहरी क्षेत्र में एसडीपीओ डीएन आजाद नेतृत्व में मालपहाड़ी, मुफस्सिल एवं नगर थाना के संयुक्त नेतृत्व में शहरी क्षेत्र के विभिन्न मुहल्लो सहित, मालपहाड़ी ओपी, एवं मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में फ्लैग मार्च निकाल कर शांति और सद्भावना का संदेश दिया गया। प्रखंड मुख्यालय लिट्टीपाड़ा सिंघलोम ओपी में ईद और रामनवमी के मद्देनज़र गुरुवार को सिमलौंग ओपी प्रभारी बलवंत दुबे के नेतृत्व में क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया।यह फ्लैग मार्च सिमलौंग, बंगला और धरमपुर होते हुए पुनः थाना पहुंचा। ओपी प्रभारी बलवंत दुबे ने बताया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य आगामी पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराना था। पुलिस प्रशासन ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की है।मौके पर एएस आई, मुन्ना प्रसाद,एएसआई नरेश मरांडी, मुद्रिका प्रसाद , सत्येंद्र कुमार सहित पुलिस के जवान मौजूद थे। वहीं अमड़ापाड़ा, महेशपुर ,पाकुड़िया में भी फ्लैग मार्च निकाला गया।

अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्त बना एक्शन प्लान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी सहित टास्क फोर्स के सदस्य, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, माइनिंग इंस्पेक्टर, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित में की गई। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी ने बताया की कोयला से प्राप्त राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में लक्ष्य के अनुरूप 99.01 प्रतिशत खनन राजस्व की वसूली की गई, वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्धारित लक्ष्य 1770.12 करोड़ रुपये के विरुद्ध दिनांक 17.03.2026 तक 2024.37 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहित किया गया, जो लक्ष्य का 114.36 प्रतिशत है।उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकुड़ एवं महेशपुर को निर्देश दिया कि सभी चेकनाका पर चौकीदार के स्थान पर पुलिस बल की तैनाती तीन पालियों में तत्काल सुनिश्चित की जाए। चेकनाका पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों की नियमित जांच हो, आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें सुव्यवस्थित रखा जाए। बैठक में अवैध खनन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रखने, सतत निगरानी बढ़ाने एवं सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध खनन के प्रति "जीरो टॉलरेंस" की नीति अपनाई जाएगी और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

6 लीटर विदेशी व 5.20 लीटर अवैध वियर जप्त आरोपी फरार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़ । बुधवार को अवैध शराब के विरुद्ध अभियान चलाकर देर रात छापामारी कर उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक विक्रम कुमार शाह के नेतृत्व में रद्दीपुर थाना क्षेत्र के श्रीरामगड़िया गांव निवासी भुवन शाह और हुलियापाथर गांव निवासी हावित हांसदा की दुकानों में छापेमारी कर 6 लीटर अवैध विदेशी शराब और 5.20 लीटर बियर बरामद की गयी। छापेमारी की भनक लगते ही दोनों आरोपी मौके से फरार हो गये। इस संबंध में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक विक्रम कुमार शाह ने बताया कि पर्व-त्योहारों के मौके पर अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अब शराब खरीद बिक्री के से संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ विधि संवत करवाई की जाएगी।

ईद पर्व के लेकर आनंद और उत्साह का माहौल, बाजार में बढ़ी रौनक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। सच्चाई- समानता और भाईचारा का पर्व "ईद "को लेकर जिला मुख्यालय पाकुड़ सहित प्रखंडो के बाजारों में जबरदस्त उत्साह और चहल-पहल का माहौल देखा जा रहा है। पाकुड़ का दिल कहे जाने वाले गांधी चौक समेत विभिन्न चौक-चौराहों और प्रमुख बाजारों में सुबह से देर शाम तक खरीदारो की झुंड देखे जा रहे हैं। नए परिधान , वस्त्र, सेवइयों, ड्राई फूट्स, इत्र, टोपियों, और महिलाओं की दुकानों में ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखी जा रही है। ईदगाह एवं मस्जिदों में नमाज अदा करने की पूरी तैयारी है। बाजार में बनारसी सेवइयों के साथ-साथ हाथ से बनी स्थानीय सेवइयां भी उपलब्ध हैं। जिन्हें लोग काफी पसंद कर रहे हैं। बाजार में कोलकाता, दिल्ली और लखनऊ से मंगाए गए विभिन्न प्रकार वस्त्र, के खुशबूदार इत्र और माथे की टोपियां की बिक्री भी खूब हो रही है। सफेद और रंग-बिरंगी डिजाइनर टोपियां 50 रुपये से लेकर 200 रुपए में उपलब्ध है।कपड़ों की दुकानों में भी खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। कुर्ता-पायजामा, सलवार-सूट, बच्चों के परिधान और अन्य कपड़ों की अच्छी खासी बिक्री देखी जा रही है। उधर हिरणपुर, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़िया, महेशपुर व अमड़ापाड़ा बाजार पूरी तरह गुलजार है और चारों ओर ईद त्योहार को लेकर उमंग उत्साह का माहौल व्याप्त है।

जल संकट को लेकर लिट्टीपाड़ा विधायक ने विधानसभा में उठाया बुलंद आवाज

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। झारखंड राज्य के अस्तित्व में आने के बावजूद लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र में व्याप्त पेयजल संकट आज भी बरकरार है। क्षेत्र की जल समस्या जब भाजपा की सरकार थी तब भी निदान नहीं हुई अब जब झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार है तब भी इसका उचित समाधान नहीं किया गया। जनता की समस्याओं को देखते हुए विधायक हेमलाल मुर्मू ने बुधवार को विधानसभा में जोरदार बहस कर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया ।क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुर्मू ने इस गंभीर समस्या को सदन में उठाते हुए विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो के समक्ष प्रस्ताव रखा। विधायक हेमलाल मुर्मू ने सदन में कहा कि लिट्टीपाड़ा पूरी तरह ड्राई जोन क्षेत्र है। क्षेत्र में जल का घोर अभाव है। पहाड़ी क्षेत्रों में लोग या तो दूषित जल पीते हैं या एक-दो किलोमीटर पैदल चलकर जल की व्यवस्था करते हैं। वर्षों से पानी की किल्लत है। वर्ष 2017 में 217 करोड़ 51 लाख रुपये की लागत से एक बहु-ग्रामीण जलापूर्ति योजना स्वीकृत की गई थी। योजना के तहत वर्ष 2020 तक कार्य पूरा होना था ।और चार बड़े जलमीनार बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन अब तक केवल एक ही जलमीनार का निर्माण हो सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाइप बिछाने का काम भी ठप पड़ा है । इतने वर्षों में न तो किसी पदाधिकारी पर कार्रवाई हुई और न ही संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कोई कदम उठाया गया। विधायक ने इस पूरे मामले में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की आशंका जताते हुए जांच कमेटी गठित कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

इस पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने जवाब देते हुए कहा कि योजना का कार्य जून 2020 तक पूरा होना था, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण लगभग दो वर्षों तक काम प्रभावित रहा। उन्होंने बताया कि वन विभाग, एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी से एनओसी लेने की प्रक्रिया में भी विलंब हुआ। जिसके चलते कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सभी प्रक्रियाएं जारी हैं और दिसंबर 2026 तक योजना को पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि, विधायक हेमलाल मुर्मू मंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं दिखे। उन्होंने कहा कि अब तक केवल 40 प्रतिशत कार्य ही पूरा हुआ है, जबकि 60 प्रतिशत कार्य बाकी है, जिसे दिसंबर तक पूरा करना संभव नहीं है। उन्होंने पुनः जोर देते हुए कहा कि बिना जांच के सच्चाई सामने नहीं आएगी और योजना में हुए कथित घपले का खुलासा नहीं हो सकेगा। मंत्री ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर जांच भी कराई जाएगी और यदि निर्धारित समय तक कार्य पूरा नहीं होता है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।लंबी बहस और आश्वासनों के बावजूद अंततः विधायक हेमलाल मुर्मू ने निराशा जताते हुए कहा कि अब उन्हें उम्मीद नहीं है कि लिट्टीपाड़ा वासियों को समय पर पानी मिल पाएगा। इसके बाद उन्होंने अपना प्रस्ताव वापस ले लिया।

पाकुड़ शहर में दंगा फसाद के आरोप में आजसू नेता आलोक जय पॉल गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। गैरकानूनी ढंग से मजमा लगाने, सरकारी एवं पब्लिक संपत्ति को नुकसान करने, आगजनी आदि के मामले में पुलिस ने आजसू नेता बाबू पॉल को बुधवार देर रात को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में गुरुवार को एसडीपीओ डीएन आजाद प्रेस वार्ता कर बताया कि बीते 27 जनवरी 2026 को पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधी चौक के पास दिल्ली पब्लिक स्कूल के बस से दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। घटनास्थल पर उपस्थित लोगों द्वारा मृतक के शव को खकर नाजायज मजमा लगाते हुए सुनियोजित ढंग से जानबुझकर सड़क जाम कर यातायात को बाधित किया था।एवं कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा लाठी-डंडा, हरवे हथियार लेकर पुलिस एवं प्रशासन के विरुद्ध आपत्तिजनक नारेबाजी, मारपीट एवं पत्थरबाजी किया गया था। जिसमें कई पुलिस कर्मी जख्मी हुए। पुलिस एवं प्रशासन को विधिसम्मत कार्रवाई करने से रोका गया तथा शहर के विभिन्न जगहों एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल के मुख्य द्वार पर उपद्रव एवं आगजनी कर सरकारी तथा मानव संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया था। एसडीपीओ ने बताया कि भीड़ को एकत्रित कर उकसाने और असमाजिक तत्वों को उग्र करने ,दंगा फसाद करने और करने में आलोक जय पॉल उर्फ बाबू पॉल की अहम भूमिका थी।प्राप्त सूचना एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर बुधवार को आलोक जॉय पॉल को गिरफ्तार किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि आलोक जय पॉल का पूर्व में भीअपराधिक इतिहास रहा है।छापामारी दल में नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता एसआई सन्नी सुप्रभात, संजय कुमार पाल,तथा सशस्त्र बल शामिल थे।इसके अलावा रोहित कुमार साहा तकनीकी रूप से मदद की है।

नो हेलमेट, नो फ्यूल नो राइड" सख्ती से लागू

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

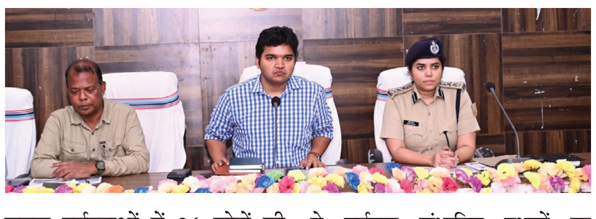

पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजितकर कर सड़क सुरक्षा से संबंधित विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं नियमों की अनदेखी, तेज गति एवं जागरूकता की कमी के कारण हो रही हैं। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट अनिवार्य बताते हुए कहा कि चालक एवं सहचालक दोनों के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है। "नो हेलमेट, नो फ्यूल" अभियान को सख्ती से लागू करने तथा सभी पेट्रोल पंपों पर इसका पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि जिले के सभी दोपहिया शोरूम बिना रजिस्ट्रेशन, बिना नंबर प्लेट के किसी भी वाहन को सड़क पर नहीं उतारेंगे। उन्होंने बताया गया कि वर्ष 2025 के जनवरी से मार्च तक 24 सड़क दुर्घटनाओं में 26 लोगों की मृत्यु हुई, जबकि वर्ष 2026 की इसी अवधि में 16 दुर्घटनाओं में 13 लोगों की मृत्यु हुई है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जाए।तीनपहिया वाहनों की जांच प्रतिदिन सुनिश्चित की जाए।जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक कुल 1989 वाहनों पर 99,19,554 रुपये का चालान किया गया, जिसमें से 80,49,878 रुपये की वसूली की गई है। वहीं फरवरी एवं मार्च 2026 में 250 वाहनों पर 11,33,150 रुपये का चालान किया गया, जिसमें 8,38,600 रुपये की वसूली की गई है। उपायुक्त ने दुर्घटना संभावित स्थलों पर बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टिव टेप, साइनेज, कॉन्वेक्स मिरर एवं स्पीड ब्रेकर लगाने तथा कोयला ढुलाई में लगे वाहनों की फिटनेस, नंबर प्लेट, रिफ्लेक्टिव टेप एवं अन्य सुरक्षा मानकों की नियमित जांच के निर्देश दिए ।पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित वाहन जांच अभियान चलाते हुए हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें।

अतिक्रमण हटाने की मांग पर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

महेशपुर (पाकुड़)। महेशपुर-पाकुड़िया मुख्य सड़क को हाथीमारा हाटपाड़ा में अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर ग्रामीणों ने घंटो सड़क जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार महेशपुर हाथीमारा खाता संख्या- 63 के दाग संख्या 896 एवं दाग संख्या 584 की भूमि पर अतिक्रमण कराने को लेकर सैकड़ो ग्रामीणों ने विगत वर्ष 19 फरवरी 2025 को महेशपुर अंचलाधिकारी को दी गई थी।इसके बाद अतिक्रमण मुक्त नहीं होने को लेकर स्थानीय ग्रामीण विकास मुर्मू, बेंजामिन मुर्मू, माइकल हेंब्रम, नरेश मुर्मू, बबाई बेसरा, अरविन मुर्मू, बाबूलाल मरांडी, मैन्युअल हेम्ब्रम सहित सैकड़ो ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटाने को लेकर महेशपुर -पाकुड़िया मुख्य पथ को घण्टो जाम कर दिया। जाम की सूचना मिलते ही महेशपुर एसडीपीओ विजय कुमार ने जाम स्थल पहुंचकर ग्रामीणों से वार्ता कर जाम को सड़क जाम हटाने केके लिए काफी समझाया। लेकिन ग्रामीणों ने लिखित तौर पर आश्वासन देने की मांग की गई।जिसके बाद महेशपुर एसडीपीओ विजय कुमार ने लिखित आश्वासन देते हुए आगामी 23 मार्च को अतिक्रमण मुक्त करने की बात कही इसके बाद ग्रामीणों ने लिखित आश्वासन मिलने के बाद ही सड़क जाम को ढाई घंटे के बाद हटाया गया।सड़क जाम से सड़क की दोनों और वाहनों की लंबी कतारे लग गई थी ,जिसे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी देखी गयी।

पाकुड़ व्यवहार न्यायालय में अधिवक्ता एवं लिपिक के लिए एक दिवसीय ई-कोर्ट्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में गुरुवार को ई-कोर्ट्स कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडे के निर्देश पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य न्यायिक प्रक्रियाओं को डिजिटल माध्यम से सुदृढ़ करना तथा अधिवक्ताओं और न्यायिक कर्मियों को ई-फाइलिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं के उपयोग में दक्ष बनाना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत सुबह ओरिएंटेशन सत्र से हुई, जिसमें ई-कोर्ट्स परियोजना का परिचय दिया गया तथा दस्तावेज स्कैनिंग के महत्व को विस्तार से समझाया गया। इसके बाद विभिन्न सत्रों में ई-फाइलिंग की प्रक्रिया, पोर्टल के फीचर्स, राज्य-विशिष्ट फाइलिंग प्रणाली, पंजीकरण एवं केस फाइलिंग की जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर के रूप में अधिवक्ता कौसरआलम अंसारी एवं अधिवक्ता दीनानाथ गोस्वामी ने प्रशिक्षण का नेतृत्व करते हुए अधिवक्ताओं को व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की।मास्टर ट्रेनर के अलावा अन्य संसाधन व्यक्तियों में सिस्टम असिस्टेंट नगमा प्रवीण एवं सिविल कोर्ट के ट्रेनर चमन आलोक की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नगमा प्रवीण ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली, ई-कोर्ट्स के तकनीकी संचालन एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया, वहीं चमन आलोक ने अन्य इलेक्ट्रॉनिक केस मैनेजमेंट सेवाओं, अधिवक्ताओं के लिए उपयोगी डिजिटल टूल्स तथा न्यायालयीन कार्यों में तकनीक के प्रभावी उपयोग पर प्रशिक्षण प्रदान किया।इसके बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, इलेक्ट्रॉनिक केस मैनेजमेंट सेवाएं एवं अन्य डिजिटल सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान करते हुए संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर न्यायालय के अधिकारी, अधिवक्ता एवं न्यायिक कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न्यायिक कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

जामताड़ाः नगर निगम चुनाव में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला कृषि पदाधिकारी लव कुमार सम्मानित

सोन वर्षा वाणी

जामताड़ा। नगर निगम निर्वाचन को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया है। इसी कड़ी में, बुधवार को शहर के दुलाडीह स्थित नगर भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में जिला कृषि पदाधिकारी लव कुमार को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जामताड़ा के उपायुक्त (DC) रवि आनंद और पुलिस अधीक्षक (SP) राज कुमार मेहता ने संयुक्त रूप से लव कुमार को सम्मानित किया।

जिला प्रशासन की ओर से यह सम्मान चुनाव प्रक्रिया के दौरान उनके द्वारा दिखाए गए समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के लिए दिया गया है। इस अवसर पर उपायुक्त रवि आनंद ने संबोधित करते हुए कहा कि नगर निगम चुनाव जैसे बड़े और चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में जिले के प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी की अहम भूमिका रही है। उन्होंने विशेष रूप से जिला कृषि पदाधिकारी लव कुमार की सराहना करते हुए कहा, "चुनाव को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। लव कुमार ने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और लगन के साथ किया, जो काबिले तारीफ है।" पुलिस अधीक्षक राज कुमार मेहता ने भी चुनाव की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान प्रशासन और पुलिस के बीच बेहतर तालमेल होना अनिवार्य है। सभी अधिकारियों ने एक टीम की तरह कार्य किया, जिसके परिणामस्वरूप पूरा चुनाव शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सका। सम्मान प्राप्त करने के बाद जिला कृषि पदाधिकारी लव कुमार ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी विनम्रता दर्शाते हुए कहा, "यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि मेरी पूरी टीम का है। सभी के सामूहिक सहयोग से ही हम अपनी जिम्मेदारियों को सही ढंग से पूरा कर पाए।" उन्होंने आगे भी इसी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ सरकारी दायित्वों को निभाने का संकल्प दोहराया। इस गरिमामयी समारोह में जिला प्रशासन के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी, चुनाव सेल के कर्मी और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जामताड़ाः गंभीर बीमारी और आर्थिक तंगी से जूझ रहे पीड़ित परिवार से मिले सुरेश मुर्मू, नेताओं की बेरुखी पर जताया कड़ा रोष

सोन वर्षा वाणी

जामताड़ा/फतेहपुर। जिले के फतेहपुर प्रखंड अंतर्गत चापुड़िया पंचायत के पहाड़गोड़ा गांव से एक हृदयविदारक मामला सामने आया है, जहाँ एक आदिवासी परिवार लंबे समय से गंभीर बीमारी और भीषण आर्थिक तंगी की दोहरी मार झेल रहा है। इस परिवार की सुध लेने के लिए 'भारतदिशोम आदिवासी संघ' के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेश मुर्मू अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे और पीड़ित पति-पत्नी का हाल जाना। पीड़ित परिवार की दयनीय स्थिति देखकर सुरेश मुर्मू ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और राजनेताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने भारी मन से कहा, "यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है कि चुनाव के समय नेता इन्हीं ग्रामीणों को टेंपो में बिठाकर वोट दिलाने ले जाते हैं, लेकिन आज जब यही जनता मौत और मुफलिसी के बीच संघर्ष कर रही है, तो न कोई विधायक सुनने आ रहा है और न ही कोई मंत्री हाल-चाल जानने पहुँच रहा है।"

सुरेश मुर्मू ने न केवल सांत्वना दी, बल्कि अपनी ओर से निजी सहयोग राशि प्रदान कर परिवार को तात्कालिक राहत पहुँचाई। उन्होंने जिला प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए निम्नलिखित माँगें रखी हैंः

1. बेहतर इलाजः पीड़ित पति-पत्नी को जल्द से जल्द उन्नत चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए ताकि उनकी जान बचाई जा सके।
2. शिक्षा की बहालीः आर्थिक तंगी के कारण परिवार की बच्चियों की पढ़ाई छूट गई है, उन्हें तत्काल स्कूल से जोड़कर उनकी शिक्षा सुनिश्चित की जाए।
3. राशन और आवासः परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत जर्जर है, अतः उन्हें सरकारी राशन और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी मूलभूत योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर दिया जाए।

इस दौरे के दौरान सुरेश मुर्मू के साथ आदिवासी समाज के कई सक्रिय सदस्य मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से सुदन मुर्मू, देबीश्वर हेम्ब्रम और बीरेन्दर मुर्मू शामिल थे। सभी ने एक स्वर में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और उनके पुनर्वास के लिए संघर्ष करने की बात कही।

पहाड़गोड़ा गांव के इस परिवार की स्थिति ने एक बार फिर विकास के दावों और धरातल की हकीकत के बीच की खाई को उजागर कर दिया है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस मामले पर कितनी जल्दी संज्ञान लेता है।

जामताड़ाः पीएम श्री योजना के तहत जिला स्तरीय एफ.एल.एन. मेला और विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

सोन वर्षा वाणी

जामताड़ा। झारखंड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा के तत्वावधान में शुक्रवार को पीएम श्री योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय एफ.एल.एन. (Foundational Literacy and Numeracy) मेला, विज्ञान प्रदर्शनी एवं क्विज प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जामताड़ा स्थित सी एम एस ओ ई जे बी सी प्लस टू विद्यालय के प्रांगण में संपन्न हुआ, जिसमें जिले भर के नन्हे वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि आई टी डी ए के परियोजना निदेशक जुगनू मिंज, जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) चार्ल्स हेम्ब्रम और जिला शिक्षा अधीक्षक (DSE) विकेश कुणाल प्रजापति ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधा, गरिमा का प्रतीक शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जुगनू मिंज ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए शिक्षा के बुनियादी महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की मजबूत नींव ही उनके उज्ज्वल भविष्य की असली आधारशिला होती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि बच्चों का सर्वांगीण विकास—जिसमें शारीरिक और मानसिक विकास शामिल हो—अत्यंत आवश्यक है।"

मेले के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मकता का परिचय देते हुए कई आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। अतिथियों ने विभिन्न स्टालों का निरीक्षण किया, जहाँ बच्चों नेः

शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM)ः कठिन विषयों को आसानी से समझने के लिए बनाए गए मॉडल्स दिखाए।

एफ.एल.एन. गतिविधियाँः बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान से जुड़ी रोचक प्रस्तुतियाँ दीं।

विज्ञान प्रदर्शनीः विज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित नवाचारी मॉडल्स और प्रयोग प्रदर्शित किए।

प्रदर्शनी के साथ-साथ विद्यार्थियों के बीच एक जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रखंडों से आए बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी तार्किक क्षमता व सामान्य ज्ञान का लोहा मनवाया। इस कार्यक्रम ने न केवल बच्चों के भीतर वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया, बल्कि उन्हें एक मंच प्रदान किया जहाँ वे अपनी प्रतिभा को निखार सकें। मौके पर शिक्षा विभाग के कई अधिकारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

राजमहलः पहचान छिपाकर प्रेम विवाह और फिर धर्मांतरण का दबाव, आरोपी शाहिद अनवर गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

सोन वर्षा वाणी

साहिबगंज/राजमहल। जिले के राजमहल थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ एक महिला ने दूसरे समुदाय के युवक पर अपनी धार्मिक पहचान छिपाकर प्रेम जाल में फंसाने और जबरन धर्मांतरण का दबाव बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़िता के अनुसार, राधानगर थाना क्षेत्र के पहाड़ गांव निवासी शाहिद अनवर (पिता- जैनुल शेख) ने खुद को हिंदू बताकर उसे अपने प्रेम जाल में फंसाया। आरोपी ने अपनी असली पहचान गुप्त रखते हुए एक मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज के साथ पीड़िता से विवाह किया। पीड़िता को इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि जिसे वह अपना जीवनसाथी मान रही है, वह अपनी पहचान छिपाकर उससे छल कर रहा है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि विवाह के कुछ समय बाद ही शाहिद अनवर ने अपना असली चेहरा दिखाया। उसने पीड़िता पर मौलवी के समक्ष धर्म परिवर्तन करने के लिए शारीरिक और मानसिक दबाव बनाना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, उसे प्रतिबंधित मांस खाने के लिए विवश किया गया। आरोपी के परिवार वाले भी पीड़िता को बुरखा पहनने, रोजा रखने और नमाज पढ़ने के लिए प्रताड़ित करने लगे। ससुराल में बढ़ते उत्पीड़न से तंग आकर पीड़िता 16 मार्च 2026 को किसी तरह वहां से भागकर अपनी माँ के घर पहुँची। लेकिन आरोपी ने वहां भी उसका पीछा नहीं छोड़ा। 17 मार्च 2026 की शाम करीब 7 बजे शाहिद अनवर राजमहल स्थित पीड़िता के घर पहुँचा और उसकी माँ के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की। पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे जबरन ले जाने के लिए बेहोश करने की कोशिश कर रहा था और इनकार करने पर उसे व उसकी माँ को जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद पीड़िता ने राजमहल थाने में न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए थाना कांड संख्या 83/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की। राजमहल थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शाहिद अनवर (अनवर शेख) को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है और लोग इस तरह के पहचान छिपाकर किए जा रहे कृत्यों की कड़ी निंदा कर रहे हैं। पुलिस अब मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

जामताड़ाः दावत-ए-इफ्तार में उमड़ा उलेमाओं का सैलाब, अमन-चैन की दुआओं के साथ बंटा भाईचारे का संदेश

सोन वर्षा वाणी

जामताड़ा। पवित्र रमजान माह के अंतिम चरण में जामताड़ा के नामुपाड़ा स्थित समाजसेवी हाफिज एहतेशामुल मिर्जा के आवास पर एक भव्य 'दावत-ए-इफ्तार' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना, बल्कि इसने सामाजिक एकता, आपसी सौहार्द और मानवता की सेवा की एक अनुपम मिसाल पेश की। इस भव्य आयोजन में जामताड़ा जिले के अलावा दुमका, पाकुड़, साहिबगंज, गिरिडीह और धनबाद जैसे विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में उलेमा (धार्मिक विद्वान), रोजेदार और प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए। इफ्तार के निर्धारित समय पर सभी ने एक साथ बैठकर खजूर और पारंपरिक व्यंजनों के साथ रोजा खोला। सामूहिक इफ्तार के बाद मौलानाओं के नेतृत्व में मुल्क की तरक्की, खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआएँ मांगी गईं। आयोजन की एक विशेष कड़ी समाजसेवा से जुड़ी रही। आगामी ईद के त्योहार की खुशियों को साझा करने के उद्देश्य से हाफिज एहतेशामुल मिर्जा द्वारा जरूरतमंद महिलाओं के बीच सेवई (लच्छा), सूट और साड़ियों का वितरण किया गया। महिलाओं की इस सक्रिय भागीदारी और मदद की पहल को उपस्थित जनसमूह ने 'प्रेरणादायक' बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जमीयत उलेमा-ए-हिंद (जामताड़ा) के जिला अध्यक्ष मुफ्ती मोहम्मद सिद्दीक मजाहिरी ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेम और भाईचारे की जड़ों को मजबूत करते हैं। उन्होंने रमजान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह महीना हमें संयम, त्याग और दीन-दुखियों की मदद करने की सीख देता है।" मुफ्ती मजाहिरी ने यह भी जानकारी दी कि हाफिज एहतेशामुल मिर्जा द्वारा न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि पलामू क्षेत्र के मदरसों को भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है, ताकि गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। दावत-ए-इफ्तार के दौरान पूरा माहौल आध्यात्मिक और शांतिपूर्ण रहा। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में ऐसे कार्यक्रमों की बहुत आवश्यकता है जो लोगों को मजहब से ऊपर उठकर एक-दूसरे के करीब ला सकें। अंत में, सभी ने एक स्वर में देश में अमन-चैन कायम रहने की कामना की। यह आयोजन जामताड़ा में सामाजिक सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत करने वाला एक यादगार कार्यक्रम साबित हुआ।

जामताड़ाः 'सनातन' पर टिप्पणी को लेकर भाजपा का आक्रोश, टावर चौक पर फूँका मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला

सोन वर्षा वाणी

जामताड़ । झारखंड विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा सनातन संस्कृति और पूजा पद्धति को लेकर की गई कथित विवादित टिप्पणी के विरोध में गुरुवार को जामताड़ा की सियासत गरमा गई। जामताड़ा शहर के टावर चौक पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और उनका पुतला दहन कर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। जिलाध्यक्ष सुमित शरण के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि विधानसभा जैसे गरिमामयी सदन में सनातन संस्कृति और पूजा पद्धति पर सवाल उठाना देश के करोड़ों हिंदुओं की आस्था का सीधा अपमान है। उन्होंने मुख्यमंत्री के व्यवहार को 'दोहरा चरित्र' करार देते हुए कहा, "यदि पूजा पद्धति गलत है, तो चुनाव के समय मुख्यमंत्री और उनके गठबंधन के नेता मंदिरों में जाकर माथा क्यों टेकते हैं? यह केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए किया जाने वाला दिखावा है।" इस दौरान उन्होंने जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि कुछ नेता तुष्टिकरण की राजनीति के तहत बार-बार धार्मिक भावनाओं को आहत करते हैं। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष बबीता झा ने कहा कि नवरात्र के पवित्र समय में देवी-देवताओं और आस्था पर टिप्पणी करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। मुख्यमंत्री को अपने इस कृत्य के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। वहीं, भाजपा नेता सुनील हांसदा ने इसे एक 'सुनियोजित साजिश' बताते हुए कहा कि एक विशेष वोट बैंक को खुश करने के लिए बार-बार सनातन विरोधी बयान दिए जा रहे हैं, जिसे भाजपा कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। प्रदर्शन के दौरान टावर चौक पर कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। अंत में भाजपा नेताओं ने एक स्वर में मांग की कि मुख्यमंत्री अपने बयान पर स्थिति स्पष्ट करें और हिंदू समाज से सार्वजनिक माफी मांगें। इस विरोध प्रदर्शन में किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री कमलेश मंडल, जिला उपाध्यक्ष सुकुमार सरखेल, भाजपा नेता राजेंद्र राउत, नगर अध्यक्ष प्रदीप राउत, जिला कार्यालय मंत्री प्रवीण मिश्रा, पूर्व नगर अध्यक्ष पिंटू गुप्ता, नगर महामंत्री लखिन्द्र सिंह, ब्रजेश राउत, जीत दुबे, चंदन राउत, संतोष सिंह, रथु दास, विनोद चौबे, राजेश सिंह, टिंकू नायक और सुप्रकाश चौधरी सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे।

कुण्डहितः बिरसा मुंडा आम बागवानी में लगी भीषण आग, झुलसे सैकड़ों पौधे; किसानों की दो साल की मेहनत राख

सोन वर्षा वाणी

जामताड़ा/कुण्डहित। जिले के कुण्डहित प्रखंड अंतर्गत कुण्डहित पंचायत के बरमसिया मोड़ स्थित एक आम बागवानी में गुरुवार को भीषण आग लग गई। इस अगलगी में मनरेगा योजना के तहत लगाए गए आम के सैकड़ों पौधे जलकर बुरी तरह झुलस गए हैं। इस घटना से प्रभावित किसानों की पिछले दो वर्षों की कड़ी मेहनत और उम्मीदें पल भर में राख के ढेर में तब्दील हो गईं। मिली जानकारी के अनुसार, बरमसिया गांव के निवासी विष्णुप्रिया मंडल, आनंद मरांडी और गोवर्धन मुर्मू ने अपनी जमीन पर आम की बागवानी लगाई थी। गुरुवार को किसी अज्ञात व्यक्ति ने बागवानी के पास मौजूद सूखी घास में आग लगा दी थी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और सूखी घास के सहारे पूरी बागवानी में फैल गई। जब तक लाभुक और स्थानीय लोग मौके पर पहुँचकर आग बुझाने का प्रयास करते, तब तक आग ने अधिकांश पौधों को अपनी चपेट में ले लिया था। लाभुक विष्णुप्रिया मंडल ने भर्राई आंखों से बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में चन्द्रडीह गांव की दो एकड़ जमीन पर मनरेगा के तहत 'बिरसा मुंडा आम बागवानी' लगाई गई थी। इस विस्तृत परियोजना के अंतर्गत लगभग 2000 आम के पौधे रोपे गए थे। सुरक्षा और अतिरिक्त लाभ के लिए बागवानी के चारों ओर जामुन और अमरूद के पौधे भी लगाए गए थे। उन्होंने बताया, "हमने दो साल तक बच्चों की तरह इन पौधों की देखभाल की थी। इस साल पहली बार अधिकांश पौधों पर 'मंजर' (फूल) आए थे और हमें अच्छी फसल की उम्मीद थी। लेकिन इस आग ने हमारी पूरी मेहनत और सपनों पर पानी फेर दिया।" पौधों के झुलसने के बावजूद किसान हार मानने को तैयार नहीं हैं। वे इस उम्मीद में पौधों का 'पटवन' (सिंचाई) कर रहे हैं कि शायद पानी मिलने से पौधों में नई कलियां निकल आएं और कुछ पेड़ बच सकें। पीड़ित किसानों ने प्रखंड प्रशासन और जिला प्रशासन से इस घटना की जांच करने और उन्हें उचित क्षतिपूर्ति (मुआवजा) प्रदान करने की गुहार लगाई है। किसानों का कहना है कि वे गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं और यह बागवानी ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन थी। यह घटना न केवल किसानों का व्यक्तिगत नुकसान है, बल्कि सरकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए भी एक चुनौती है। ग्रामीण इलाकों में इस तरह की अगलगी को रोकने के लिए जागरूकता और सुरक्षा के इंतजामों की कमी एक बार फिर उजागर हुई है।

जामताड़ाः नगर निकायों में नए युग की शुरुआत; नवनिर्वाचित अध्यक्षों व पार्षदों ने ली शपथ, उपाध्यक्षों का भी हुआ चयन

सोन वर्षा वाणी

जामताड़ा । नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 की प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए गुरुवार, 19 मार्च 2026 को जामताड़ा जिले के दो प्रमुख नगर निकायों में शपथ ग्रहण और उपाध्यक्ष पद के लिए अप्रत्यक्ष निर्वाचन का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त श्री रवि आनंद (भा.प्र.से.) ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित भव्य कार्यक्रम में उपायुक्त ने सबसे पहले 10-मिहिजाम नगर परिषद (वर्ग ख) की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती जयश्री देवी और सभी 20 वार्डों के पार्षदों को शपथ दिलाई। इसके पश्चात, एसजीएसवाई प्रशिक्षण भवन में आयोजित समारोह में 15-जामताड़ा नगर पंचायत की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती आशा गुप्ता एवं सभी 16 वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण संपन्न हुआ।

शपश ग्रहण के उपरांत दोनों निकायों के उपाध्यक्ष पद के चयन हेतु कड़ी सुरक्षा और पारदर्शिता के बीच अप्रत्यक्ष मतदान की प्रक्रिया शुरू हुईः

मिहिजाम नगर परिषदः उपाध्यक्ष पद के लिए कुल 04 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया था। मतदान के पश्चात श्री महाबीर राय ने सर्वाधिक 08 मत प्राप्त किए और उन्हें मिहिजाम नगर परिषद का नया उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया।

जामताड़ा नगर पंचायतः यहाँ उपाध्यक्ष पद के लिए केवल एक अभ्यर्थी ने नामांकन भरा। इसके परिणामस्वरूप श्रीमती ज्योत्सना देवी को निर्विरोध (Unopposed) उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचित होने के बाद संबंधित निर्वाची पदाधिकारियों ने उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा, जिसके बाद निकायों की अध्यक्षों ने अपने-अपने उपाध्यक्षों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर उपायुक्त श्री रवि आनंद ने सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए अपील की कि वे आपसी समन्वय के साथ नगर क्षेत्र के विकास कार्यों को गति दें। उन्होंने कहा कि जनता ने जिन उम्मीदों के साथ उन्हें चुना है, उन पर खरा उतरना ही उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान परियोजना निदेशक आईटीडीए श्री जुगनू मिंज, जामताड़ा नगर पंचायत की निर्वाची पदाधिकारी श्रीमती पूनम कच्छप, मिहिजाम नगर परिषद के निर्वाची पदाधिकारी श्री विजय कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्री पंकज कुमार रवि, अंचल अधिकारी जामताड़ा श्री अविश्वर मुर्मू और बीडीओ नाला श्रीमती आकांक्षा कुमारी सहित जिला प्रशासन के कई अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इस शपथ ग्रहण के साथ ही अब दोनों नगर निकायों में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रशासनिक कार्यों का विधिवत संचालन शुरू हो जाएगा।

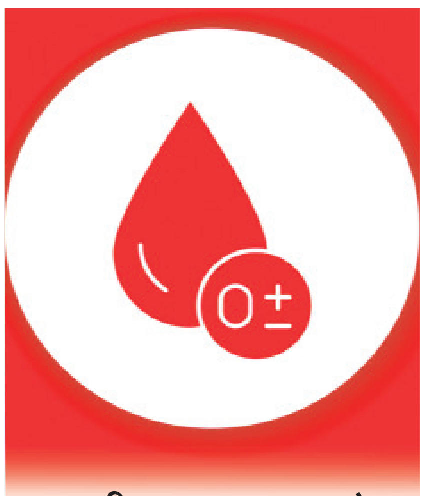

सबकी जान बचाता है
ओ निगेटिव ब्लड ग्रुप

शरीर को सुचारू रूप से चलाने का काम खून करता है। इंसान के खून का रंग बेशक लाल है लेकिन इसके कई ग्रुप हैं और हर सभी लोगों के शरीर में अलग-अलग ग्रुप का खून पाया जा सकता है। वास्तव में आपका ब्लड टाइप क्या है, यह आपको विरासत में मिले जीनों द्वारा निर्धारित होता है। आपके खून का प्रकार कोई भी हो, आपके द्वारा डोनेट किये ब्लड किसी की जिंदगी बचाने का काम कर सकता है। जब बात यह होती है कि सबसे बढ़िया खून कौन सा होता है, तो ओ निगेटिव ब्लड ग्रुप को सबसे बेहतर माना जाता है। इसकी वजह यह है कि इस ग्रुप के लोग किसी को अपना खून दे सकते हैं। थोड़ी गड़बड़ी यह है कि इस समूह के लोग सिर्फ इसी ग्रुप का ब्लड ले सकते हैं। ओ निगेटिव ब्लड ग्रुप के लोगों को यूनिवर्सल डोनर कहा जाता है, यह खास तरह का खून है, जो किसी की भी जिंदगी बचा सकता है इसलिए इस समूह के लोगों को इसकी हिफाजत करना जरूरी है। इसके लिए आपको खाने-पीने का ध्यान रखना चाहिए। आपको अपनी डाइट में नीचे बताए खाद्य पदार्थों को जरूरी शामिल करना चाहिए।

नट्स
नट्स प्रोटीन और हेल्दी फैट का एक बड़ा स्रोत हैं। ब्लड हेल्थ को बढ़ावा देने के लिए आपको नट्स का खूब सेवन करना चाहिए। आपको रोजाना अखरोट, हेज़लनट्स और बादाम सहित कद्दू के बीज आदि का सेवन करना चाहिए।

एनिमल प्रोटीन
इस समूह के लोगों को अपनी डाइट में एनिमल प्रोटीन जरूरी शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप मांस और मछली का खूब सेवन करना चाहिए। यह चीजें आपके खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकती हैं।

डेयरी उत्पाद
ओ ब्लड ग्रुप टाइप वाले लोगो को अपने खाने में मक्खन, पनीर और सोय दूध जैसे डेयरी उत्पादों को शामिल करना चाहिए। यह चीजें न सिर्फ खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं बल्कि शरीर के लिए बढ़िया काम करती हैं।

बीन्स
टाइप ओ ब्लड वाले लोगों को बीन्स का सेवन करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि बीन्स उनकी सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। आपको ओनी डाइट में लाल फलियां, पिंटो बीन्स और ब्लैक बीन्स आदि को शामिल करना चाहिए।

साबुत अनाज
आपका ब्लड टाइप ओ पॉजिटिव हो या निगेटिव, आपको साबुत अनाज का सेवन जरूर करना चाहिए। आपको अपने खाने में चौलाई, अनाज, चावल और बाजरा को जरूर शामिल करना चाहिए।

फल-सब्जियों का सेवन करें
ओ ब्लड ग्रुप वाले लोगों को टमाटर, लहसुन, गोभी, भिन्डी, प्याज, अजमोद, लाल मिर्च, शकरकंद और शलजम जैसी सब्जियों का खूब सेवन करना। इनमें वो सभी पोषक तत्व होते हैं, जो खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। अगर बात करें फलों की तो आप प्लम, ड्राई प्लम, अंजीर, चकोतरा और सभी तरह की बेरीज खा सकते हैं।

शरीर को बंजर बना देगी आयरन की कमी

विटामिन, कैल्शियम आदि पोषक तत्व की तरह आयरन शरीर के लिए जरूरी है। इसकी कमी से शरीर में भारी कमजोरी आती है और खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। आयरन बढ़ाने के लिए 6 चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए।

जिस जमीन में नमी, पोषण और ताकत नहीं होती, उसे बंजर कहते हैं। इसी तरह आयरन की कमी शरीर को बंजर बना देती है। यह बॉडी का खून, रेड ब्लड सेल्स और ऑक्सीजन कम कर देती है। आयरन डेफिशिएंसी को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाते रहने चाहिए। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा ने जानकारी दी है।

आयरन की कमी से होने वाले रोग
आयरन की कमी के कारण हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स कम हो जाती हैं। जिस वजह से एनीमिया यानी खून की कमी का खतरा बढ़ जाता है। यह दिक्कत महिलाओं को सबसे ज्यादा होती है। इसलिए सरकारी स्कूलों में बचपन से ही लड़कियों को आयरन की गोली खिलाई जाती है। शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए 6 उपाय हैं। इन 6 खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। जो कि आयरन की गोली खाने की नौबत नहीं आने देंगे। आइए पहले आयरन कम होने के लक्षण जानते हैं।

ये लक्षण कर देंगे बुरा हाल
ऑस्ट्रेलिया की सरकारी हेल्थ बेवसाइट के अनुसार आयरन की कमी शरीर के लिए खतरनाक हो सकती है। जिसकी वजह से निम्नलिखित लक्षण व संकेत दिख सकते हैं।

- हमेशा थकावट रहना
- सांस फूलना
- सिर घूमना
- खून की कमी
- रंग पीला पड़ना
- हाथ-पैर ठंडे होना
- जीभ में सूजन आना
- बार-बार इंफेक्शन होना
- इम्यून सिस्टम की कमजोरी
- बच्चों का विकास रुकना
- भूख ना लगना
- कमजोर नाखून, आदि

आयरन बढ़ाने के उपाय
इन 6 फूड्स को आयरन का भंडार बताया है। इन वेज फूड को डाइट में शामिल करने के बाद आयरन कम होने का खतरा काफी कम हो जाता है।

इसके लिए आप राजगिरा (चौलाई), रागी, किशमिश, दाल, सोयाबीन, करी पत्ता का सेवन बढ़ाएं।

किसमें कितना आयरन?
- 25 ग्राम राजगिरा में 2.8 मिलीग्राम आयरन
- 20 ग्राम रागी में 1.2 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम किशमिश में 0.7 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम दाल में 6.6 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम सोयाबीन में 2.4 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम करी पत्ता में 0.87 मिलीग्राम आयरन

इस वजह से भी कम हो सकता है आयरन
खून बहना, पर्याप्त पोषण ना मिलना आदि कारणों से आयरन डेफिशिएंसी होती है। लेकिन कई बार इसके पीछे आयरन का खराब अवशोषण भी होता है। मतलब आप आयरन देने वाली चीजें खा तो रहे हैं, लेकिन शरीर उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है।

आयरन का इस्तेमाल बढ़ाने के तरीके
- आयरन फूड के साथ विटामिन-सी देने वाले फूड भी खाएं
- खाने के बाद कॉफी और चाय पीने से बचें
- अनाज को खाने से पहले पानी में भिगोएं, अंकुरित और फर्मेंट करें
- लोहे की कढ़ाई या पैन में खाना बनाएं
- लाइसीन अमिनो एसिड और आयरन देने वाला क्विनोआ और फलियां खाएं

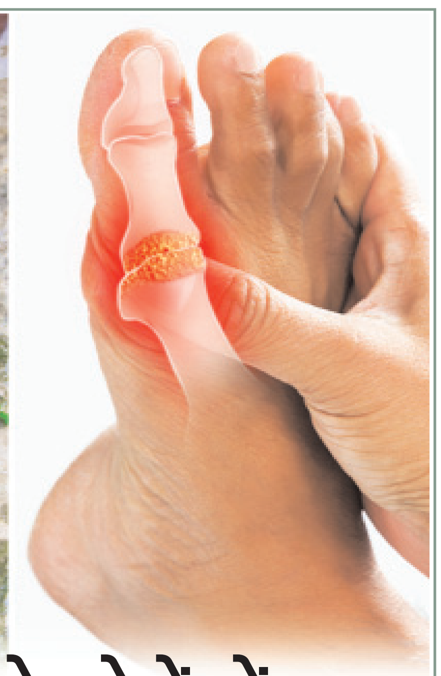

यूरिक एसिड को जोड़ों में गला देंगी ये आयुर्वेदिक जड़ी बूटी

शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने से आपको गाउट या किडनी की पथरी की समस्या हो सकती है, इस अपशिष्ट पदार्थ को बाहर निकालने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक तरीके आजमा सकते हैं, जो असरदार हैं।

यूरिक एसिड बढ़ना एक आम समस्या बनती जा रही है. शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक होने से हाइपरयुरिसीमिया या गाउट की बीमारी हो सकती है। बढ़ा हुआ यूरिक एसिड जोड़ों में गंभीर सूजन और दर्द पैदा कर सकता है। यह किडनी की पथरी का भी कारण बन सकता है। प्यूरीन नामक रसायन के टूटने से यूरिक एसिड निकलता है। प्यूरीन मानव शरीर में पहले से मौजूद होता है। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में भी यह रसायन होता है। वैसे तो यूरिक एसिड किडनी द्वारा फिल्टर होकर पेशाब के जरिए बाहर निकल जाता है लेकिन जब इसका लेवल ज्यादा हो जाता है, तो यह जोड़ों में इकट्ठा हो जाता है और परेशानी पैदा करता है।

यूरिक एसिड कैसे कम करें?
यूरिक एसिड कम करने के लिए कई दवाएं और मेडिकल ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं लेकिन आप कुछ गाउट या यूरिक एसिड के लिए आयुर्वेदिक उपचार भी आजमा सकते हैं।

यूरिक एसिड का आयुर्वेदिक उपचार त्रिफला
आयुर्वेद की तीन शक्तिशाली जड़ी बूटियों भीभीतकी, हरीतकी और आंवला से मिलकर बना त्रिफला यूरिक एसिड का बढ़िया उपचार है। इसके एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण इसे मजबूत औषधि बनाते हैं। इसके लिए आप सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी के साथ एक चम्मच त्रिफला पाउडर ले सकते हैं।

गाउट का आयुर्वेदिक उपचार- हल्दी
लगभग सभी आयुर्वेद दवाओं में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें करक्यूमिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। हल्दी गठिया का असरदार इलाज है। सूजन और दर्द को कम करने के लिए प्रभावित हिस्से में हल्दी का पेस्ट लगाया जा सकता है, फायदा मिलेगा।

यूरिक एसिड की रामबाण दवा है अदरक
गाउट या गठिया के रोगियों के लिए निर्धारित हर्बल दवाओं में अदरक मिलाया जाता है। इसमें हाई यूरिक एसिड को कम करने के ताकत होती है। यूरिक एसिड कम करने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आपको अपने खाने और चाय में अदरक का इस्तेमाल करना चाहिए।

यूरिक एसिड का घरेलू इलाज है गिलोय जड़ी बूटी
गिलोय को मूल रूप से एक ज्वरनाशक जड़ी बूटी कहा जाता है। इसे शरीर में एक्स्ट्रा यूरिक एसिड को बेअसर करने के लिए जाना जाता है। यूरिक एसिड लेवल कम करने के लिए आप एक्सपर्ट की सलाह पर गिलोय जूस ले सकते हैं या इसका पाउडर इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूरिक एसिड की आयुर्वेदिक दवा है नीम
नीम को सदियों से औषधीय पौधा माना जाता रहा है। नीम में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो इसे गाउट के उपचार के लिए एक बढ़िया जड़ी बूटी बनाते हैं। अगर आप यूरिक एसिड के मरीज हैं, तो दर्द और सूजन कम करने के लिए प्रभावित हिस्से पर नीम का पेस्ट लगाएं।

ब्रेन स्ट्रोक में दिमाग की नस फट जाती है। लेकिन इससे काफी पहले छोटा अटैक दिख सकता है। जिसके लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

दिमाग की नस फटने से काफी पहले पड़ता है छोटा अटैक

जब दिमाग की कोई नस ब्लॉक हो जाती है तो ब्रेन स्ट्रोक आता है। यह एक जानलेवा स्थिति है, जिसमें समय पर इलाज ना मिलने पर मौत हो सकती है। लेकिन क्या आप मिनी ब्रेन स्ट्रोक के बारे में जानते हैं। जो कि बड़े अटैक से काफी वक्त पहले दिख सकता है। इसके लक्षण हल्के होते हैं, जिन्हें वक्त पर पहचानकर बड़े अटैक से बच सकते हैं। इसे मिनी ब्रेन स्ट्रोक या ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक भी कहते हैं।

दिमाग का छोटा अटैक कब आता है?
ब्रेन स्ट्रोक की तरह छोटा अटैक भी दिमाग की नस ब्लॉक होने से आता है। इसकी वजह से दिमाग को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाती है। लेकिन ये डैमेज परमानेंट नहीं होती है और 24 घंटे में खुद ही ठीक हो जाती है। मगर इसके लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

पैरालिसिस या स्ट्रोक से कैसे बचें?
- शरीर के एक तरफ पर चेहरे, हाथ या पैर में सुन्नपन या कमजोरी
- अचानक कंफ्यूजन आना
- अचानक बोलने में दिक्कत आना
- अचानक देखने में दिक्कत
- अचानक शारीरिक संतुलन खो जाना
- अचानक चलने में दिक्कत आना
- चक्कर आना
- अकारण तेज और गंभीर सिरदर्द
- निगलने में कठिनाई
- चेहरे की मांसपेशियां गिरना

24 घंटे में गायब हो जाते हैं लक्षण
नसों में ब्लड क्लॉट जमने से मिनी स्ट्रोक पड़ता है। जिससे खून पूरी आजादी के साथ घूम नहीं पाता है। लेकिन ये ब्लड क्लॉट छोटे और अस्थाई होते हैं और कुछ ही देर में वापस घुल जाते हैं। लेकिन इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

मिनी स्ट्रोक से बचने के टिप्स
- धूम्रपान और शराब का सेवन बंद कर दें।
- ताजे फल, सब्जी और साबुत अनाज का सेवन करें।
- शरीर का वजन कंट्रोल रखें।
- नियमित एक्सरसाइज करें।
- फैट का सेवन कम कर दें।
- टाइप 2 डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई बीपी जैसी बीमारियों की दवा लेते रहें।

स्ट्रोक से बचाने वाली डाइट
ब्रेन स्ट्रोक से बचने के लिए लो फैट, कम नमक के साथ हाई फाइबर डाइट लेनी चाहिए। जिसके लिए आप इन फूड्स को खा सकते हैं। नाशपाती, स्ट्रॉबेरी, एवोकाडो, सेब, केला, गाजर, चुकंदर, ब्रोकली, पालक, टमाटर, दालें, राजमा, छोले, क्विनोआ, ओट्स, बादाम, चिया सीड्स, शकरकंद

संक्षिप्त समाचार

गया जी का मां मंगला गौरी मंदिर: 600 साल से जल रही अखंड ज्योति

गया, एजेंसी। बिहार के गया जी स्थित मां मंगला गौरी मंदिर शक्तिपीठों में प्रमुख है। यहां 600 वर्षों से अखंड ज्योति जल रही है, गर्भगृह में बिजली नहीं है। मान्यता है कि यहां माता सती का वक्षस्थल गिरा था, जिससे इसकी आस्था और बढ़ती है। गया जी जिले में स्थित मां मंगला गौरी मंदिर आस्था, परंपरा और चमत्कारी मान्यताओं का अद्भुत संगम है। भस्मकूट पर्वत की चोटी पर स्थित यह प्राचीन मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, जिससे इसकी धार्मिक महत्ता और भी बढ़ जाती है। मंदिर की सबसे विशेष पहचान इसका गर्भगृह है, जहां सदियों से अखंड ज्योति प्रज्वलित है। मान्यता है कि यह ज्योति लगभग 600 वर्षों से निरंतर जल रही है। खास बात यह है कि आज भी गर्भगृह में बिजली का उपयोग नहीं किया जाता और श्रद्धालु इसी दिव्य ज्योति के प्रकाश में माता के दर्शन करते हैं। यह परंपरा मंदिर को रहस्यमय और आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान करती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह वही पवित्र स्थल है जहां माता सती का वक्ष स्थल गिरा था, इसलिए इसे 'पालनपीठ' भी कहा जाता है। वायु पुराण और पद्म पुराण जैसे प्राचीन ग्रंथों में भी इस स्थान का उल्लेख मिलता है, जो इसकी ऐतिहासिक और धार्मिक प्रामाणिकता को दर्शाता है। कथा के अनुसार, जब राजा दक्ष के यज्ञ में अपमानित होकर माता सती ने आत्मदाह किया, तो भगवान शिव उनके शरीर को लेकर तांडव करने लगे। तब भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से उनके शरीर के टुकड़े किए। जहां-जहां उनके अंग गिरे, वहां शक्तिपीठों की स्थापना हुई। गया जी में गिरा माता का वक्ष स्थल आज मां मंगला गौरी मंदिर के रूप में पूजित है। मंदिर के पुजारी परिवार के अनुसार, अखंड ज्योति की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और आज भी उसी नियम और श्रद्धा के साथ इसका पालन किया जा रहा है। गर्भगृह में आधुनिक रोशनी का प्रयोग पूरी तरह वर्जित है, जो इस मंदिर की अनूठी पहचान बन चुका है।सामान्य दिनों में भी यहां हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं, लेकिन चैत्र नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। देश-विदेश से आने वाले भक्त यहां पूजा-अर्चना कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना करते हैं। मान्यता है कि मां मंगला गौरी अपने भक्तों के दुख दूर कर उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। यही कारण है कि यह मंदिर अटूट विश्वास, भक्ति और आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

बॉयफ्रेंड से मिलने प्रयागराज से समस्तीपुर पहुंची तलाकशुदा महिला

समस्तीपुर, एजेंसी। अपने बॉयफ्रेंड से मिलने के लिए प्रयागराज से 500 किमी दूर गर्लफ्रेंड समस्तीपुर पहुंची। महिला तलाकशुदा है और एक बच्चे की मां है। इंस्टग्राम से महिला संजू कुमारी का अफेयर समस्तीपुर के बॉबी से हुआ था।समस्तीपुर में जब संजू (32) आई तब बॉबी (26) उसे अपनी बहन के घर ले गया और वहीं उसकी मांग में सिंदूर भरी। इस बीच बॉबी के पिता को अफेयर के बारे में पता लग गया। उन्हें ये रिश्ता मंजूर नहीं था। बॉबी के पिता ने संजू पर दबाल बनाया कि जहां से आई हो वही चली जाओ।करीब 4 दिन तक संजू अनजान शहर में एक ग्रामीण के घर रही। जब ग्रामीणों ने पंचायती की। जिसमें संजू के पक्ष में सभी ने कहा, पर बॉबी के परिजन ने रिश्ते से इनकार कर दिया।शनिवार देर शाम ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। डायल-112 की पुलिस गांव पहुंची और युवती को अपने साथ लेकर हथौड़ी थाने ले गई। जहां समझौता हुआ। जिसके बाद लड़की को लड़का के घर पहुंचाया गया। अब लड़की लड़के के घर रह रही है। मामला शिवाजीनगर के बल्लीपुर गांव का है।संजू 7 मार्च को प्रयागराज से समस्तीपुर के लिए निकली थी। 8 को स्वतंत्री सेनानी एक्सप्रेस से पहुंची। उसने बॉबी को फोन किया। बॉबी उससे मिलने के लिए समस्तीपुर स्टेशन पहुंचा। 8 की रात दोनों समस्तीपुर स्टेशन के पास एक होटल में रुके।जिसके बाद बॉबी उसे अपने बहन के घर ले गया। जहां 12 मार्च तक रुका। इस दौरान दोनों पति-पत्नी की तरह रहते थे। महिला के अनुसार बॉबी के पिता ने उसे धमकाया और बॉबी को अपने साथ ले गए। बॉबी का मोबाइल भी छिन लिया था।संजू का पहले पति से तलाक हो चुका है। संजू की एक बेटी भी है, जो अपने पिता के साथ रहता है। संजू अपने जिंदगी में अकेली पड़ गई थी। इसी दौरान इंस्टाग्राम पर उसकी दोस्ती बॉबी से हुई। पहले दोनों के बीच इंस्टाग्राम पर खूब बात होती थी। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। पिछले 9 महीने में बॉबी 4 बार संजू से मिलने के लिए प्रयागराज गया। शारीरिक संबंध भी बनाया। बॉबी ने संजू का शादी का वादा किया था। संजू अब बॉबी के बच्चे की मां बनने वाली है।शिवाजीनगर थानाध्यक्ष मौसम कुमार ने कहा कि मामले की जानकारी के बाद दोनों पक्ष के लोगों को थाने पर बुलाकर पूछताछ की गई। लड़की लड़के के साथ रहना चाह रही है। जिस कारण सामाजिक स्तर पर समझौता के बाद लड़की को लड़के के घर भेजा गया।

नीतीश जा रहे दिल्ली, बिहार में बढ़ी हलचल

कई आईएएस अधिकारियों को सेंट्रल डेपुटेशन पर भेजने की तैयारी

पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीति में हो रहे बड़े बदलाव का असर अब प्रशासनिक महकमे में साफ दिखने लगा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के साथ ही उनके दिल्ली शिफ्ट होना तय है। ऐसे में अफसरशाही में भी बड़े स्तर पर बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक, राज्य के कई वरिष्ठ आईएएस और आईएफएस अधिकारियों को सेंट्रल डेपुटेशन पर भेजने की तैयारी तेज हो गई है। इसको लेकर राज्य सरकार स्तर पर सहमति बन चुकी है और प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

चर्चा में जिन अधिकारियों के नाम प्रमुख रूप से सामने आ रहे हैं, उनमें आईएएस अनुपम कुमार, बी. राजेंद्र, आईएफएस गोपाल सिंह और सीनियर आईएएस प्रतिमा एस. वर्मा शामिल हैं। ये सभी अधिकारी अपने-अपने विभागों में अहम जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

इस सूची की खास बात यह है कि इसमें मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं। अनुपम कुमार जहां मुख्यमंत्री के सचिव हैं, वहीं गोपाल सिंह ओएसडी के तौर पर काम कर रहे हैं। इससे इस बदलाव को सियासी रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, अब सिर्फ केंद्र सरकार की औपचारिक मंजूरी बाकी है।

जैसे ही हरी झंडी मिलेगी, इन अधिकारियों की तैनाती दिल्ली में हो जाएगी और वे नई जिम्मेदारी संभालेंगे। इन अधिकारियों के दिल्ली जाने के बाद बिहार में प्रशासनिक स्तर पर बड़े बदलाव निश्चित हैं। कई महत्वपूर्ण पद खाली होंगे, जिन पर नए अधिकारियों की नियुक्ति करनी पड़ेगी।

नीतीश कुमार के दिल्ली जाने के बाद राज्य में नई राजनीतिक व्यवस्था के अनुसार प्रशासनिक ढांचे को भी री-ऑर्गेनाइज किया जा रहा है। इसे सत्ता परिवर्तन के साथ तालमेल बैठाने की प्रक्रिया के रूप में देखा जा रहा है।

अब यह साफ है कि बिहार में सिर्फ राजनीतिक ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर भी बड़ा बदलाव होने जा रहा है। आने वाले दिनों में इसका असर शासन-प्रशासन की कार्यशैली पर भी देखने को मिलेगा।

रहमान के दांव में उलझी आरजेडी, तेजस्वी यादव की नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी पर संकट

राज्य ब्यूरो, पटना। राज्यसभा चुनाव में मतदान नहीं करने वाले ढाका विधायक फैजल रहमान के कदम ने राजद नेतृत्व को असमंजस में डाल दिया है। इस घटनाक्रम के बाद पार्टी के भीतर अनुशासन और सियासी मजबूरी के बीच टकराव साफ दिखने लगा है। राजद के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि वह रहमान के खिलाफ कार्रवाई करे या नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी बचाए। अगर कड़ी कार्रवाई होती है, तो पार्टी की संख्या घट सकती है, जिसका सीधा असर तेजस्वी यादव के पद पर पड़ेगा।

243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बने रहने के लिए कम से कम 25 विधायकों की जरूरत होती है। ऐसे में एक भी विधायक कम होना राजद के लिए भारी पड़ सकता है और यही सबसे बड़ी राजनीतिक बाध्यता बन गई है।

यही कारण है कि सार्वजनिक रूप से राजद इस पूरे मामले का ठीकरा एनडीए पर फोड़ रही है। लेकिन अंदरखाने पार्टी नेतृत्व स्थिति को लेकर काफी सतर्क और दबाव में नजर आ रहा है।

यह मामला अब सिर्फ एक विधायक की अनुशासनहीनता तक सीमित नहीं रह गया है। यह राजद के राजनीतिक अस्तित्व और विधानसभा में उसकी स्थिति से जुड़ा हुआ बड़ा मुद्दा बन गया है।

फैसल रहमान के इस कदम ने पार्टी की आंतरिक एकजुटता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर इस पर सख्त कार्रवाई नहीं होती है, तो भविष्य में ऐसे और मामले सामने आ सकते हैं।

राजद के लिए फिलहाल स्थिति 'करो या मरो' जैसी बन गई है। कोई भी फैसला लिया जाए, उसमें राजनीतिक नुकसान का खतरा है—या तो अनुशासन कमजोर होगा या सत्ता में स्थिति।

कुल मिलाकर, तेजस्वी यादव के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती संतुलन बनाए रखने की है। नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी बचाने और पार्टी अनुशासन कायम रखने के बीच फंसी राजद फिलहाल 'वेट एंड वॉच' की रणनीति अपनाए हुए है।

राजधानी पटना के बड़े अस्पताल पर कार्रवाई, हर्निया बताकर बच्चेदानी निकालने की मिली थी शिकायत

पटना, एजेंसी। बिहार के एक बड़े अस्पताल की करतूत सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने एक बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने उस अस्पताल पर कार्रवाई करते हुए अस्पताल के आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का निबंधन रद्द कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने राजधानी पटना के एक बड़े अस्पताल पर बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने अस्पताल के आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का निबंधन रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई महिलाओं को हर्निया बताकर बच्चेदानी निकालने की शिकायत पर की गई है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग ने अपने रिपोर्ट में बताया है कि पटना के एवर्स अस्पताल के बारे में महिलाओं को हर्निया बताकर बच्चेदानी निकालने की शिकायत मिली थी। बताया गया कि अस्पताल ने जाली रिपोर्ट के आधार पर महिला की बच्चेदानी निकाल ली है। शिकायत मिलने के बाद स्वास्थ्य ने त्वरित संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की। स्वास्थ्य विभाग ने यह कार्रवाई सिविल सर्जन द्वारा प्रस्तुत विस्तृत जांच प्रतिवेदन के आधार पर की है। साथ ही अस्पताल के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इस संबंध में सिविल सर्जन का कहना है कि इस बात की जानकारी मिलने के बाद विभाग ने इसकी जांच कराई, जिसमें कई तरह की गंभीर अनियमितताओं का भी खुलासा हुआ। जांच में यह भी बात सामने आई कि एवर्स अस्पताल ने आयुष्मान योजना का दुरुपयोग भी कर रहा था। अस्पताल ने महिला मरीज के इलाज के लिए हर्निया पैकेज के तहत बुकिंग की, जबकि वास्तव में अस्पताल ने गर्भाशय हटाने की सर्जरी कर दी।

पटना में बवाल, नारकोटिक्स टीम पर हमला, मदद के लिए बुलानी पड़ी पुलिस फोर्स

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह नारकोटिक्स टीम पर हमला करने का मामला सामने आया है. मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची टीम को स्थानीय लोगों के विरोध और पथराव का सामना करना पड़ा. इस दौरान अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई, हालांकि पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

नारकोटिक्स टीम पर हमलाः मिली जानकारी के अनुसार, नारकोटिक्स टीम को चिनाकोठी इलाके में मादक पदार्थों की तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी. इसी आधार पर टीम सुबह-सुबह छापेमारी के लिए पहुंची थी. बताया जाता है कि जैसे ही टीम ने कार्रवाई शुरू की, वैसे ही स्लम क्षेत्र में मौजूद कुछ शरारती तत्वों ने अचानक पथराव और रोड़ेबाजी शुरू कर दी. देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और टीम को मौके पर ही घेरने की कोशिश की गई.

मौके पर भेजना पड़ा अतिरिक्त फोर्सः हंगामे के बीच पुलिस टीम ने आकाश धाकड़ नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. हालांकि, भीड़ के उग्र रुख के कारण टीम कुछ समय के लिए मौके पर ही फंस गई. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बुद्धा कॉलोनी थाने की अतिरिक्त पुलिस बल को तत्काल मौके पर भेजा गया. अतिरिक्त बल के पहुंचने के बाद किसी तरह नारकोटिक्स टीम को सुरक्षित बाहर निकाला गया. घटना के बाद आरोपी की मां सुनीता देवी ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं. उनका आरोप है कि छापेमारी के दौरान पड़ोस के कुछ लोगों ने उनके बेटे के पास स्मैक का थैला फेंक दिया, जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया. 'नारकोटिक्स टीम की ओर से तीन से चार राउंड फायरिंग की गई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई. लोग अपने-अपने घरों में छिपने को मजबूर हो गए. '- **सुनीता देवी,** आरोपी की मां

स्मैक और नकदी छीनकर फेंकने का आरोपः वहीं, स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि हंगामे के दौरान कुछ शरारती तत्व मौके का फायदा उठाकर कथित रूप से स्मैक और नकदी छीनकर नाले में फेंककर फरार हो गए. हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है.

गिरफ्तार शख्स का आपराधिक इतिहासः पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी आकाश धाकड़ का आपराधिक इतिहास रहा है. वह पहले भी मादक पदार्थों की तस्करी के मामलों में जेल जा चुका है और इलाके में उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी. मामले को लेकर एएसपी लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि नारकोटिक्स टीम पर हमला गंभीर मामला है. 'पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है और हमले में शामिल सभी लोगों की पहचान की जा रही है. दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. '- **कृष्ण मुरारी प्रसाद,** एएसपी लॉ एंड ऑर्डर

पुलिस कर रही कैंपः फिलहाल इलाके में पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है. पुलिस प्रशासन का कहना है कि मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी तरह की बाधा या हमले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

मुख्यमंत्री ने 'समृद्धि यात्रा' के तहत 244 करोड़ की 21 योजनाओं का किया शिलान्यास

नवादा, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'समृद्धि यात्रा' के तहत बुधवार को नवादा जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 244 करोड़ रुपये की 21 योजनाओं का शिलान्यास किया और लगभग 55 करोड़ रुपये की 37 योजनाओं का उद्घाटन किया। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने मुख्यमंत्री के आगमन की जानकारी दी।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री ने बिहार गृह रक्षा वाहिनी, बुधौल (नवादा) में बिहार गृह रक्षा वाहिनी और बिहार अग्निशमन सेवा से संबंधित विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण करके की।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि गृह रक्षा वाहिनी का कार्यालय सह आवासीय भवन एक एकड़ भूमि पर 10 करोड़ 51 लाख 68 हजार 750 रुपए की लागत से निर्मित किया गया है। इस भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री ने 10 फरवरी 2025 को 'प्रगति यात्रा' के दौरान किया था। वर्तमान में यहां बक्सर और जहानाबाद जिलों के कुल 228 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसके बाद, मुख्यमंत्री ने अपनी 'प्रगति यात्रा' के क्रम में पहले शुरू की गई योजनाओं की प्रगति का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की और कार्यों को समयबद्ध तथा गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

तत्पश्चात, मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन संजीवनी वाटिका पार्क, बुधौल (नवादा) का निरीक्षण किया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि संजीवनी वाटिका का निर्माण पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 6.80 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है।

यहीं पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों की उपलब्धियों, योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी ली। इन योजनाओं से जिले में आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विकासात्मक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति सुनिश्चित होगी।

बेटे को थप्पड़ मारने पर पत्नी की पीट-पीटकर हत्या

हाजीपुर, एजेंसी। वैशाली जिले के सदर थाना क्षेत्र के बीरोपुर गांव में एक महिला की कथित तौर पर उसके पति ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोप है कि महिला ने अपने बेटे को थप्पड़ मारा था, जिससे नाराज होकर पति ने यह कदम उठाया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना के बाद आरोपी पति और अन्य ससुराल वाले मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना मृतका के मायके वालों को दी। जानकारी मिलने पर मायके वाले बीरोपुर गांव पहुंचे और उन्होंने सदर थाने की पुलिस को घटना से अवगत कराया।

पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की पड़ताल शुरू की। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। मृतका की पहचान बीरोपुर गांव निवासी राकेश कुमार की 27 वर्षीय पत्नी अनु कुमारी के रूप में हुई है।

मृतका के पिता सुबोध कुमार मिश्रा ने बताया कि उनकी बेटी अनु ने कल शाम अपने बेटे को थप्पड़ मारा था। इसके बाद पति और ससुराल वालों ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। अनु ने फोन पर अपने पिता को इस बारे में बताया था।

सुबह उन्हें स्थानीय लोगों से बेटी की मौत की सूचना मिली। जब वे बीरोपुर गांव पहुंचे, तो अनु का शव सोफे पर पड़ा था और ससुराल वाले फरार थे। उन्होंने यह भी बताया कि अनु की शादी पांच साल पहले हुई थी और उसका एक बेटा भी है।

सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि बीरोपुर गांव में ससुराल वालों द्वारा एक महिला की पीट-पीटकर हत्या करने की सूचना मिली थी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

मायके वाले ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। एसडीपीओ ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और मायके वालों से लिखित आवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में खनिज वाहनों की निगरानी होगी और सख्त, फर्जी लोकेशन पर लगेगी रोक

पटना, एजेंसी। खनिज परिवहन की निगरानी व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए सरकार अब तकनीकी स्तर पर सख्ती बढ़ाने की तैयारी में है। हाल ही में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में वाहन ट्रैकिंग सिस्टम में लोकेशन से छेड़छाड़ (फर्जी लोकेशन दिखाने) के मामलों को गंभीरता से लेते हुए कई अहम सुझाव सामने आए। खान एवं भू-तत्व विभाग के स्तर पर इस बैठक का आयोजन किया गया था।

बैठक में शामिल राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के प्रतिनिधि ने स्पष्ट किया कि वर्तमान व्यवस्था में समर्पित इंटरनेट रेंज नहीं होने के कारण वाहनों की वास्तविक लोकेशन छुपाने या बदलने की आशंका बनी रहती है। इस स्थिति में अवैध खनन और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण करना मुश्किल हो जाता है।

इसे देखते हुए एनआईसी ने परिवहन विभाग से आग्रह किया कि वाहन ट्रैकिंग डिवाइस बनाने वाली कंपनियों को मशीन-से-मशीन (एम 2 एम) के लिए अलग और सुरक्षित इंटरनेट रेंज अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया जाए।

बैठक में यह भी जोर दिया गया कि डेटा सुरक्षा के लिए ठोस और कड़े उपाय लागू किए जाएं। खनन से जुड़े सभी सॉफ्टवेयर और ऑनलाइन पोर्टल की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करने का सुझाव दिया गया, ताकि किसी भी तरह की तकनीकी खामी को समय रहते दूर किया जा सके।

साथ ही, सिस्टम में ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर बल दिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, संदिग्ध गतिविधि या नियमों के उल्लंघन की स्थिति में स्वतः अलर्ट जनरेट हो और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचना मिल सके।

कैमूर में अपराधियों का तांडव, घर से बुलाकर युवक की पीट-पीटकर हत्या

कैमूर, एजेंसी। बिहार के कैमूर में अपराधियों ने एक युवक को घर से बुलाकर पीट-पीटकर हत्या कर दी. मामला कुदरा थाना क्षेत्र के पुसौली स्टेशन रोड का है. मंगलवार और बुधवार की रात एक युवक राजा कुमार को अपराधियों ने पीट-पीटकर मार डाला. हत्या से आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और फांसी की सजा की मांग को लेकर सुबह प्रदर्शन किया. लोगों ने शव को हाइवे पर रखकर जाम कर दिया और डीएम-एसपी को मौके पर आने के लिए मांग करने लगे.

हत्या से आक्रोशित लोगों ने हाइवे किया जाम : मृतक की पहचान कुदरा थाना क्षेत्र के पुसौली का रहने वाला रामनिवास गुप्ता के पुत्र राजा कुमार गुप्ता के रूप में हुई. करीब 2 घंटे दिल्ली-कोलकाता हाईवे जाम कर ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और फांसी की सजा देने की मांग करने लगे. कैमूर पुलिस मुर्दाबाद के जमकर नारेबाजी की सूचना पर मोहनिया डीएसपी प्रदीप कुमार घटना स्थल पहुंचे जहां सर्किल इंस्पेक्टर सुनील कुमार निर्झर, मोहनिया थानाध्यक्ष, कुदरा थानाध्यक्ष के अलावा भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही.

''रात को डीजे का सामान और माइक मांगने के लिए फोन कर बुलाया और मारपीट की, मैने मना किया तो मुझे और मेरी पत्नी को भी मारा, साथ ही धमकी देने लगें कि चुप रहो नहीं तो तुम्हारी बहन बेटियों को उठवा लेंगे, 15 आरोपी थे.''

– राम निवास गुप्ता, मृतक के पिता

'हत्यारों को मिले फांसी' : बहेरा पंचायत के मुखिया विनोद कुमार सिंह ने बताया कि पुसौली का यह क्षेत्र काफी आपराधिक हो गया है. आए दिन हत्याए हो रहीं हैं, जो पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर रहा है. मुखिया विनोद कुमार ने कहा कि अगर अभी भी प्रशासन यहां के लिए कुछ व्यवस्था नहीं करता है, तो आए दिन अपराधियों का मनोबल और बढ़ जाएगा. मुखिया ने मांग किया है कि इस मामले में संलिप्त सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर फांसी की सजा दिया जाए.

''मैंने जनता दरबार में कैमूर एसपी हरिमोहन शुक्ला से मांग किया था कि यह एक सहायक थाना खोला जाय, जिसपर उनके द्वारा आश्वासन दिया गया कि सहायक थाना खोला जाएगा, लेकिन वह आश्वासन अभी तक पूरा नहीं हुआ.'' - विनोद कुमार, मुखिया, बहेरा पंचायत

4 आरोपियों की गिरफ्तारी : वहीं मोहनिया डीएसपी प्रदीप कुमार ने कहा कि परिजन के द्वारा बताया गया कि राजा को घर से बुलाकर ले गए और मारपीट कर हत्या कर दी गई. मुख्य अभियुक्त अभिषेक सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है. परिजनों द्वारा कहा गया कि 10 से 15 की संख्या में लोग इसमें शामिल थे. जल्द ही सभी की गिरफ्तारी की जाएगी. हत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं है, रोड जाम कर मांग रखे थे हम लोग फुलफिल कर रहे हैं.

विचार-मंथन

संपादकीय

हजारों करोड़ बहे, गंगा अब भी मैली

यह दुखद ही है कि गंगा कार्ययोजना की असफलता से नमामि गंगे से जुड़ी एजंसियों ने कोई सबक नहीं लिया। गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए वर्षों से प्रयास चल रहा है। इसके लिए भारी-भरकम बजट भी आबंटित किए गए। मगर सकारात्मक नतीजे कभी सामने नहीं आए। गंगा कार्ययोजना में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने पर करीब दशक भर पहले केंद्र सरकार ने बहुआयामी कार्यक्रम 'नमामि गंगे' की शुरुआत की थी। प्रारंभिक दौर में इसमें प्रगति भी दिखी थी और उम्मीद बंधी थी कि वर्षों से मैली हो रही गंगा धीरे-धीरे ही सही, लेकिन अब स्वच्छ हो जाएगी। निराशा की बात है कि 'नमामि गंगे' भी सही दिशा में नहीं बढ़ पाई।भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) की ताजा रपट से उन सभी लोगों को मायूसी हुई है जो गंगा के निर्मल होने का इंतजार कर रहे थे। उत्तराखंड के बजट सत्र में पेश की गई कैग की रपट बताती है कि 'नमामि गंगे' कार्यक्रम क्रियान्वयन एजंसियों की विफलता के कारण वांछित नतीजे नहीं दे पाया। गौरतलब है कि इसके लिए केंद्र ने एक हजार करोड़ की राशि मुहैया कराई थी।यह दुखद ही है कि गंगा कार्ययोजना की असफलता से नमामि गंगे से जुड़ी एजंसियों ने कोई सबक नहीं लिया। इस कार्यक्रम में खामियां ठीक वैसी ही थीं, जैसी पिछली योजना में थीं। 'नमामि गंगे' अपेक्षित परिणाम देने में क्यों विफल रही, इसे न केवल केंद्र को, बल्कि इस कार्यक्रम से जुड़े विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों को गंभीरता से लेना होगा।इस परियोजना में नाकामी न केवल बड़ा आर्थिक नुकसान है, बल्कि उन सभी संकल्पों पर भी आघात है, जिनमें लोगों की यह इच्छा शामिल थी कि गंगा स्वच्छ और अविरल हो। मगर ऐसा इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि इसमें कई स्तरों पर लापरवाही बरती गई।हैरत की बात है कि गंगा की छोटी जलधाराओं के पास कूड़ा फेंके जाने से लेकर स्थानीय जरूरतों का आकलन किए बगैर कई तटों पर श्मशान घाट बना दिए गए। कैग ने जो खामियां उजागर की हैं, वह उन अधिकारियों को क्यों नहीं दिखा जो इस कार्यक्रम के अमल के लिए जिम्मेदार थे। अवजल शोधन संयंत्र के दोषपूर्ण डिजाइन में लापरवाही क्यों और किस स्तर पर हुई? मानदंडों का उल्लंघन करने वालों की अब जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

बदायूं डबल मर्डर ने खोली सुरक्षा तंत्र की पोल

उत्तर प्रदेश सरकार लगातार दावे करती रही है कि राज्य में कानून व्यवस्था नियंत्रण में है। मगर पिछले कुछ समय से लगातार अपराध, लूटपाट और हत्या के बढ़ते मामलों ने दावों की कलई खोल दी है। अपराधी बेशक बाद में पकड़ लिए जाते हों, लेकिन सच है कि वे वारदात को अंजाम देने से नहीं चूक रहे।सवाल है उनके भीतर पुलिस का खौफ क्यों नहीं दिखता। पिछले दिनों संभल में कुछ लोग एक युवक को घर से खींच कर ले गए और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। इस घटना को लोग अभी भूले भी नहीं थे कि बदायूं में गुरुवार को हिंदुस्तान पेट्रोलियम के इथेनाल संयंत्र के दफ्तर में घुस कर दो वरिष्ठ अधिकारियों की गोली मार कर हत्या कर दी गई।बताया जा रहा है कि काली सूची में डाले गए एक विक्रेता ने इस वारदात को अंजाम दिया। आरोपी पहले भी महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी की कार पर हमला कर चुका था। जब इस मामले की पुलिस और जिला प्रशासन स्तर पर शिकायत दर्ज करा दी गई थी, तो आरोपी पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की गई?सवाल यह भी है कि उच्च सुरक्षा वाले संयंत्र में हथियार लेकर वह कैसे घुसा? कानून व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों के पास इसका क्या जवाब है? उत्तर प्रदेश में अपराधियों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है, तो स्पष्ट है कि राज्य के पूरे पुलिस तंत्र में समन्वय का अभाव है। आए दिन हो रहीं हत्या की घटनाओं से समझा जा सकता है कि राज्य में अपराध पर लगाम लगने के दावे में दम नहीं है।जमीनी सच्चाई यही है कि अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। पुलिस की तमाम कथित सख्ती और सक्रियता के बावजूद आपराधिक मानसिकता के लोगों में कानून और सजा का कोई डर नहीं है। ऐसा लगता है कि अपराध नियंत्रण में कहीं न कहीं कमजोर कड़ी रह गई है, जिसकी शिनाख्त नहीं की जा रही है।आज स्थिति यह है कि लोग खुद को घरों से लेकर दफ्तरों तक सुरक्षित नहीं पा रहे हैं। आए दिन जघन्य अपराधों के मद्देनजर उनकी चिंताएं नाहक नहीं हैं।

आने वाले वर्षों में यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा कि मधुमक्खी गलियारे की पहल कितनी व्यापक रूप से लागू होती है और इसके परिणाम कितने सकारात्मक और प्रभावी होते हैं। अगर इसे वैज्ञानिक योजना, स्थानीय ज्ञान और सामुदायिक भागीदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह भारत में हरित बुनियादी ढांचे का एक उदाहरण बन सकता है। इस पहल का असली मूल्य पर्यावरणीय आंकड़ों से आगे उस दृष्टि में है।

जैव विविधता और टिकाऊ विकास- राजमार्गों पर अब दौड़ेंगी नहीं, भनभनाएंगी मधुमक्खियां

(विनीता परमार)

भारत में विकास की कहानी अक्सर सड़कों की लंबाई और गति से मापी जाती है। एक्सप्रेस-वे, चौड़ी होती राष्ट्रीय राजमार्गों की पट्टियां और तेज रफ्तार यातायात- ये सब मिलकर आधुनिक भारत के बुनियादी ढांचे की पहचान बन चुके हैं। हजारों किलोमीटर लंबे राजमार्गों ने व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय संपर्क को नई गति दी है, लेकिन इसके साथ ही प्राकृतिक आवासों की क्षति, पेड़ों की कटाई और जैव-विविधता पर दबाव भी बढ़ा है। परागणकर्ता, विशेषकर मधुमक्खियां इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित जीवों में शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि अगर मधुमक्खियों की संख्या लगातार घटती रही, तो खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है, क्योंकि बड़ी संख्या में दुनिया की फसलें परागण पर निर्भर हैं। वैश्विक खाद्य उत्पादन का लगभग (एक-तिहाई) हिस्सा सीधे तौर पर मधुमक्खियों और अन्य परागणकों पर निर्भर करता है। एक अध्ययन के अनुसार, परागण करने वाले कीटों की आबादी में काफी गिरावट आई है। इस बात की गंभीरता को देखते हुए देश के राजमार्ग अब केवल तेज रफ्तार यातायात की रेखाओं के समांतर धीरे-धीरे जैव विविधता के जीवित गलियारों में बदलने की दिशा में बढ़ रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे 'मधुमक्खी गलियारे' (बी-कारिडोर) विकसित करने की पहल जैव विविधता के संरक्षण की सोच का संकेत है। इस महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत 2026-27 तक लगभग चालीस लाख पेड़ और फूलदार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसका उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं के लिए सुरक्षित आवास बनाकर पारिस्थितिकी संतुलन को मजबूत करना है। बी-कारिडोर का मतलब है राजमार्गों के किनारे पेड़ों और फूलों की ऐसी हरित पट्टी, जो मधुमक्खियों के लिए खाद्य और आवास मार्ग का काम करे। यह पहल नीतिगत सोच में एक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत है, जहां बुनियादी ढांचा केवल उपयोगिता नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन का हिस्सा भी माना जा रहा है। पहले जहां सड़क किनारे पौधरोपण का उद्देश्य मुख्य रूप से सजावटी या धूल नियंत्रण तक सीमित रहता था, वहीं अब ध्यान स्थानीय पारिस्थितिकी के अनुकूल प्रजातियों के चयन पर दिया जा रहा है। राजमार्गों के किनारे सतत् हरित पट्टियां कई पर्यावरणीय लाभ देती हैं। पेड़-पौधे तापमान को नियंत्रित करते हैं, धूल और प्रदूषण को कम करते हैं तथा मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े पैमाने पर हरित पट्टियां सड़क किनारे सूक्ष्म जलवायु को संतुलित करती हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में तापमान का प्रभाव कम होता है। दूसरी ओर, मधुमक्खी गलियारे का प्रभाव वास्तव में एक बहुस्तरीय परिवर्तन की संभावना को जन्म देता है, क्योंकि भारत में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग कृषि परिदृश्य से होकर गुजरते हैं। जब इन सड़कों के किनारे परागणकर्ता के अनुकूल पौधों और वृक्षों का रोपण किया जाता है, तो यह केवल हरियाली बढ़ाने का कार्य नहीं करता, बल्कि एक जीवित पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करता है, जो आसपास के खेतों से सीधे जुड़ जाता है। सबसे पहला प्रभाव कृषि उत्पादकता पर दिखाई देता है। मधुमक्खियां और अन्य परागणकर्ता पौधों के प्रजनन की प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाते हैं, जिससे फसलों में दानों का भराव, फल का आकार, बीज की गुणवत्ता और कुल उपज बढ़ती है। सरसों, सूरजमुखी, सेब, आम, टमाटर, कद्दू वर्गीय सब्जियां और कई तिलहन फसलें ऐसी हैं, जिनकी उत्पादकता परागण की उपलब्धता से सीधे प्रभावित होती है। जब परागणकर्ता लगातार उपलब्ध रहते हैं, तो किसानों को रासायनिक खाद और कीटनाशकों को बढ़ाने की आवश्यकता कम पड़ती है और प्राकृतिक उत्पादकता चक्र मजबूत होता है। दूसरा महत्त्वपूर्ण पहलू गुणवत्ता का है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि पर्याप्त परागण होने पर फलों का आकार अधिक समान होता है, उनका पोषण मूल्य बेहतर होता है और बाजार में उनकी कीमत भी अधिक मिलती है। इस तरह मधुमक्खी गलियारा अप्रत्यक्ष रूप से किसानों की आय बढ़ाने में मदद कर सकता है। तीसरा आयाम ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। अगर इस पहल को योजनाबद्ध तरीके से मधुमक्खी-पालन से जोड़ा जाए, तो यह दोहरी आय का ढांचा बन सकता है। राजमार्ग के किनारे विकसित पुष्प संसाधन मधुमक्खियों के लिए निरंतर भोजन उपलब्ध कराते हैं, जिससे शहद उत्पादन बढ़ सकता है। स्थानीय किसान या स्वयं सहायता समूह शहद, मधुमोम और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के माध्यम से अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकते हैं। इसके अलावा, यह पहल पारिस्थितिकी की स्थिरता को भी मजबूत करती है। परागणकर्ताओं की संख्या बढ़ने से जैव विविधता में वृद्धि होती है, क्योंकि इनके साथ-साथ पक्षी, तितलियां और अन्य कीट भी आकर्षित होते हैं। इससे खेतों और आसपास के परिदृश्य में प्राकृतिक संतुलन बेहतर होता है और कीट प्रबंधन में भी अप्रत्यक्ष लाभ मिलता है। व्यापक सामाजिक-आर्थिक महत्त्व के लिहाज से देखें तो मधुमक्खी गलियारा पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ कृषि, ग्रामीण रोजगार और जैव विविधता- इन चारों को जोड़ने वाला एक समेकित ढांचा बन सकता है, जो भविष्य की हरित अवसंरचना की दिशा भी तय करता है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं को निरंतर भोजन और आश्रय उपलब्ध कराना है। इसके लिए राजमार्गों के किनारे ऐसी वनस्पति लगाई जाएगी जिसमें साल भर फूल आते रहें। इस योजना में नीम, पलाश, जामुन और अन्य स्थानीय फूलदार पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें फूलदार पौधों को लगभग पांच सौ मीटर से एक किलोमीटर की दूरी पर लगाया जाएगा, ताकि मधुमक्खियों की उड़ान दूरी के भीतर लगातार भोजन स्रोत उपलब्ध रहे। हालांकि, मधुमक्खी गलियारे की सफलता केवल पौधे लगाने से तय नहीं होगी। इसकी असली चुनौती दीर्घकालिक रखरखाव में है। सड़क किनारे पौधों की नियमित देखभाल, सिंचाई, चराई से संरक्षण और कीटनाशकों के सीमित उपयोग जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी। इसके अलावा, स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी महत्त्वपूर्ण है। अगर ग्रामीणों, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय प्रशासन को इस पहल से जोड़ा जाए, तो इसकी स्थिरता और प्रभाव दोनों बढ़ सकते हैं। यह पहल दरअसल एक महत्त्वपूर्ण विचार की ओर संकेत करती है। ऐसा विकास प्रारूप, जिसमें प्रकृति और बुनियादी ढांचा, आपस में विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी हों। तेज रफ्तार वाहनों के बीच अगर सड़क किनारे फूलों पर मंडराती मधुमक्खियां दिखाई दें, तो वह दृश्य केवल सुंदर नहीं होगा। वह इस बात का संकेत होगा।

शक्ति का रहस्य और नवरात्रि पर्व

(श्रीराम माहेश्वरी)

भारतीय संस्कृति में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक यह पर्व मनाया जाता है । एक संवत्सर में चार नवरात्र होते हैं। आश्विन का नवरात्र शारदीय नवरात्र तथा चैत्र का नवरात्र वासंतिक नवरात्र कहा जाता है । दो गुप्त नवरात्रि होती है । इस पर्व में मां दुर्गा की आराधना करने का विधान है। आध्यात्मिक दृष्टि से शक्ति का स्वरूप विशेष दिव्य और उदात्त है। शक्ति ही सृष्टि का सृजन करती है। मां जगत जननी ही सृष्टि का आदि कारण है। यह शक्ति ही पराशक्ति है । इसके अनेक स्वरूप हैं। मां दुर्गा, काली, गायत्री, तारा, भुवनेश्वरी, बगला, षोडशी, धूमावती, त्रिपुरा, कमला, मातंगी तथा पद्मावती इन्हीं के रूप हैं। नवरात्रि के इन दिनों में श्री महालक्ष्मी, श्री मां सरस्वती, महिषासुरमर्दिनी, मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कुष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी तथा मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है । साधक को पहले दिन स्नान आदि से पवित्र होकर पूजा का स्थान स्वच्छ कर लेना चाहिए। शुभ मुहूर्त में घट स्थापना करना चाहिए। नवरात्र व्रत स्त्री पुरुष दोनों करते हैं । कई श्रद्धालु श्रद्धा अनुसार एक समय फलाहार करके व्रत रखते हैं। कुछ लोग पहले और अष्टमी के दिन व्रत रखते हैं। भारत के अलग-अलग राज्यों में स्थानीय मान्यताओं के अनुसार साधक पूजा आराधना कर पर्व मनाते हैं। नवरात्रि पूजा में कुमारी कन्याओं का पूजन प्रत्यक्ष मां दुर्गा का विग्रह माना गया है। अंतिम दिन पूज्य पंडित से हवन कराते हैं । कन्या भोज कराते हैं। इन नौ दिनों में प्रतिदिन मां दुर्गा जी को नैवेद्य अर्पित करते हैं। अंतिम दिन हलवे का प्रसाद माताएं बहने बनाती हैं । माता को अर्पित करती हैं। कन्याओं को वस्त्र दक्षिणा देते हैं । नवरात्रि बीतने पर दसवें दिन विसर्जन करते हैं। श्री रामनवमी के दिन भगवान श्रीराम माता जानकी की पूजा करने का भी विधान है । यह दिन भगवान के प्रकट दिवस के रूप में मनाते हैं। श्री रामायण पाठ घर-घर में होता है। श्रद्धालु यह दिन उत्सव के रूप में मनाते हैं । यह दिन विशेष रूप से भगवान के चरित्र और गुण का स्मरण करने तथा जप करने का है। ऐसा करने से भगवान श्रीराम की कृपा प्राप्त होती है। साधक की मनोकामना पूर्ण होती है। दुर्गा शक्तिस्वरुपा हैं। प्रकृति के तीन लक्षण हैं। प्र, क्र और ति। प्र का अर्थ प्रकृष्ट और कृति का अर्थ सृष्टि है, जो सृष्टि रचने की सामर्थ्य रखती है, वह प्रकृति है। प्र सत्व अक्षर, क्र रज तथा ति तम का प्रतीक है । इन तीन गुणों के कारण त्रिदेव सृष्टि की रचना करते हैं। मां भगवती जगत की उत्पत्ति, पालन तथा लय करती है। उपनिषद में उल्लेख है कि सृष्टि के आरंभ में एक ही देवी थी । उसने ही ब्रहमांड उत्पन्न किया। यही देवी पराशक्ति है। प्राधानिक रहस्य में लिखा है कि ब्रह्मा विष्णु और महेश अपनी तीनों शक्ति सरस्वती, लक्ष्मी और गौरी की सहायता से इस जगत का निर्माण, पालन और लय करते हैं। देवी भागवत में लिखा है कि बिना शक्ति के आत्मदेव सृष्टि की रचना नहीं कर सकते । इस कथन से स्पष्ट है की शक्ति ही विश्व का संचालन करती है। पालन और लय करती है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि भगवान की स्वरूपा शक्ति ही पराशक्ति है। क्षेत्रज्ञ (जीव) नाम की अपराशक्ति है। कर्म नाम की अविद्या - माया तीसरी शक्ति है । गीता में जीव को पराशक्ति और माया को अपराशक्ति बताया गया है। भगवान द्वारा यह जड़ जगत जीव शक्ति की सहायता से ही धारण किया गया है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6036

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6035

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 6036

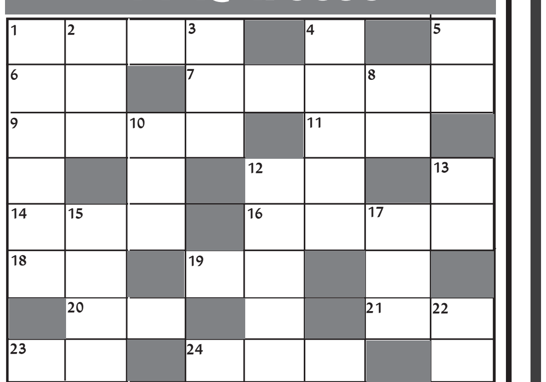

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1870 को इस देश में पहली अंतरदेशीय रेल सेवा की शुरूआत हुई (4)
6. मछली, मत्स्य (2)
7. अहिरावण का एक द्वारपाल जो पुराणानुसार हनुमान का पुत्र माना जाता है (5)
9. अस्वीकार करना, वचन तोड़ना (4)
11. बहुत थका, उत्साह भंग होने का भाव, साहस टूटना (2)
12. नारी का अपभ्रंश, मोटा रस्सा (2)
14. भिक्षा मांगने वाला, भिक्षुक (3)
16. अलमस्त, बिंदास, मनमस्त (4)
18. यह संसार की सबसे लंबी नदी है, श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
19. गर्व, घमंड, फख्र (2)
20. व्यंग्य, आक्षेप वाक्य, कटाक्ष (2)
21. साहसी पुरूष, बहादुर, पराक्रमी (2)
23. ताया, जेठा चाचा (2) (2)
24. जमींदारी, इलाका (3)

ऊपर से नीचे

1. भारत के एक लोकप्रिय पूर्व रेडियों उद्घोषक (6)
2. प्रसिद्ध अप्सरा जिसे विश्वामित्र की कठोर तपस्या से डरकर इंद्र ने उनके तप-भंग करने के लिए भेजा था (3)
3. हसरत, आरजू, तमन्ना (3)
4. अभिभावक, संरक्षक, संरक्षण देने वाला (5)
5. प्रतिदिन, नित्य (2)
8. नष्ट, बर्बाद, ध्वंस (2)
10. काव्य मर्मज्ञ, जो रस पान करें, रस लेने वाला (3)
12. किसी कार्य के लिए किसी का नाम निश्चित करने की क्रिया (5)
13. कंठहार, पर्वत श्रेणी, तारतम्य, सूत्राली (2)
15. प्रचलित, काम चलाऊ (4)
17. इस्लाम धर्म का विद्वान, बच्चों का पढ़ाने वाला, धर्म दीक्षक (3)
22. हानि, आक्रमण, आपत्ति, हानि आदि से बचाव (2)

वर्ग पहेली 6035 का हल

चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द
द्र		खी	ल		का	न	न
शे	र		ना	लि	श		द
ख	त	रा			गं	था	ना
र	ज	ज		आ	गा		ना
	गा	रा		क्र		चु	
चि		जा	ज	म		ना	ना
ली	मा		ग	ण	दे	व	ता

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन आपके लिए कामकाज के लिहाज से थोड़ा व्यस्त रहने वाला है। काम का दबाव अधिक रहेगा और कुछ विरोधी आपके कार्यों में बाधा डालने की कोशिश भी कर सकते हैं, लेकिन समझदारी से आप स्थितियों को संभाल लेंगे। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का अवसर भी मिल सकता है।

वृष

आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। परिवार में किसी नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे घर का माहौल और भी आनंदमय हो जाएगा। किसी पुरानी गलती से आपको एक महत्वपूर्ण सीख मिलेगी। समाज में आपके अच्छे कार्यों की सराहना होगी और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आप अपने काम को समय पर पूरा करने के लिए पूरा प्रयास करेंगे।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहेगा। हालांकि पार्टनरशिप में नया व्यवसाय शुरू करने से फिलहाल बचना ही बेहतर रहेगा। यदि आप किसी सरकारी योजना में निवेश करने का विचार कर रहे हैं, तो वह आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

तुला

आज का दिन आपकी आय में वृद्धि कराने वाला रहेगा। आय बढ़ने से मन प्रसन्न रहेगा और आप अपने भविष्य की योजनाओं पर भी ध्यान देंगे। विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं और सफलता के लिए प्रयास करेंगे। मौसम का असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, इसलिए सावधानी रखें। कुछ नए लोगों से आपकी जान-पहचान बढ़ेगी।

वृश्चिक

आज का दिन स्वास्थ्य के लिहाज से थोड़ा कमजोर रह सकता है, इसलिए अपने खानपान और दिनचर्या पर विशेष ध्यान दें। यदि किसी समस्या को लेकर आप लंबे समय से परेशान थे, तो उसका समाधान मिलने की संभावना है। मन में चल रही उलझनों को दूर करने के लिए किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सलाह लेना लाभदायक रहेगा। आप किसी मनोरंजन कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

धनु

आज का दिन लेन-देन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतने का संकेत दे रहा है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी, लेकिन किसी भी प्रकार का जोखिम लेने से बचें। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना ही आपके लिए फायदेमंद रहेगा। नई नौकरी मिलने की संभावना भी बन रही है। आप अपने बॉस से किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

कर्क

आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी, जिससे कार्यक्षेत्र में आपको लाभ मिल सकता है। जो लोग नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे हैं, उन्हें अच्छी सफलता मिलने की संभावना है। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके मिलने के भी संकेत हैं।

सिंह

आज का दिन आपके लिए अचानक लाभ लेकर आ सकता है। लंबे समय से चली आ रही परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होंगी। आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा और यदि आपने किसी से कोई वादा किया है, तो उसे समय रहते पूरा करने का प्रयास करें। तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होती नजर आएंगी। संतान पढ़ाई के लिए किसी नए कोर्स में दाखिला ले सकती है।

कन्या

आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आप अपने मित्रों के साथ समय बिताएंगे और स्वादिष्ट भोजन का आनंद भी लेंगे। राजनीति या किसी सामाजिक मामले से जुड़ी उलझन आज सुलझ सकती है। अपने कामों को धैर्य और संयम के साथ पूरा करने की कोशिश करें।

मकर

आज पारिवारिक जीवन में खुशियां बनी रहेंगी। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का अवसर मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आपकी कोई मनोकामना भी पूरी हो सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई पर पूरा ध्यान देंगे, जिससे उन्हें परीक्षा में सफलता मिल सकती है। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा।

कुंभ

आज आपको अपनी जरूरतों के अनुसार ही खर्च करने की सलाह दी जाती है। दिखावे और अनावश्यक खर्चों से दूर रहें। आप संतान के करियर को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। ससुराल पक्ष से किसी प्रकार का आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक मामलों को आपसी बातचीत से सुलझाने की कोशिश करें। पैतृक संपत्ति को लेकर कोई विवाद खड़ा हो सकता है। मित्रों के साथ समय बिताकर आपको सुकून मिलेगा।

मीन

आज का दिन आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी और घर का माहौल भी आनंदमय रहेगा। एक के बाद एक अच्छी खबर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। किसी कानूनी मामले में आपको जीत मिल सकती है। किसी नए कार्य में आपकी रुचि जागृत होगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और धन से जुड़ी समस्याएं भी दूर हो सकती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

राजकुमार राव की अगली फिल्म 'रफ्तार' में कीर्ति सुरेश होंगी फीमेल लीड

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म 'मालिक' में खूंखार लुक में नजर आए थे। अब उनकी आने वाली फिल्म अनाउंसमेंट हो गई है। एक्टर और मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी शेयर की।

राजकुमार राव अगली फिल्म 'रफ्तार' में नजर आएंगे। उनके साथ साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश लीड रोल में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य निंबालकर कर रहे हैं, जबकि इसे राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा अपने बैनर कम्पा फिल्म के तहत प्रोड्यूस कर रही हैं।

फिल्म की कहानी तेजी से बढ़ती स्टार्टअप की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें एक ऐसे लड़के और लड़की की कहानी दिखाई जाएगी जो सफलता पाने के लिए बहुत महत्वाकांक्षी हैं। जैसे-जैसे पैसा, ताकत और लालच बढ़ता है, वैसे-वैसे उनके रिश्ते की भी परीक्षा होने लगती है।

बताया जा रहा है कि फिल्म भारत के कॉमर्शियल एजुकेशन सिस्टम पर एक सटायर भी है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे कई बार ज्ञान से ज्यादा मुनाफे को अहमियत दी जाती है। कहानी यह सवाल भी उठाती है कि सफलता पाने की कीमत क्या होती है और क्या वह कीमत सच में सही है।

जैसे ही पोस्ट शेयर की गई, उसके बाद से ही फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है। फिल्म के नाम को देखकर लोग कयास लगा रहे हैं कि ये रैपर रफ्तार की बायोपिक है, और लोग बड़े उत्साह से कमेंट में रैपर रफ्तार की तारीफें कर रहे हैं। हालांकि अभी ऐसी कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है, जिसमें ऐसा जिक्र किया गया हो कि ये मूवी रैपर रफ्तार की जिंदगी पर आधारित होगी।

कब रिलीज होगी मूवी?

इस फिल्म में राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश के अलावा तान्या मानिकतला, रजत कपूर, अनुराग ठाकुर और रोहन वर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'सरके चुनर' विवाद से नोरा ने पल्ला झाड़ा

कन्नड़ फिल्म 'केडी' का गाना 'सरके चुनर' विवादों में है। इस गाने पर नोरा फतेही ने डांस किया है। दो दिन पहले ये गाना यूट्यूब पर रिलीज हुआ। रिलीज होते ही यह विवादों में आ गया। विवाद में आने के बाद गाने को मेकर्स ने सोशल मीडिया से हटा लिया है। नोरा फतेही ने इस विवाद से खुद को अलग कर लिया है।

नोरा की पोस्ट में क्या है?

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में नोरा फतेही ने अपना एक वीडियो शेयर करते हुए एक पोस्ट लिखी। इसमें उन्होंने लिखा 'मैं बिल्कुल नहीं चाहूंगी कि कोई यह सोचे कि मैं इस गाने का समर्थन करती हूं। आपकी कड़ी प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद, क्योंकि इसी दबाव की वजह से फिल्म बनाने वालों ने इसे हटा लिया है।' उन्होंने आगे कहा 'मैं आप सभी से यह भी गुजारिश करूंगी कि इस गाने को शेयर करना बंद कर दें, क्योंकि आप इसे बेवजह एक प्लेटफॉर्म दे रहे हैं। मैं देख रही हूं कि आप में से कुछ लोग इसे मेरे चरित्र पर हमला करने के एक मौके के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।'

गाने के बारे में नहीं थी जानकारी

उन्होंने आगे कहा 'मुझे इस हिंदी गाने के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। मैंने इस पर कोई परफॉर्मेंस नहीं दी। मेरी तस्वीर के साथ इसका इस्तेमाल करने के लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी।' यह गाना 3 साल पहले कन्नड़ भाषा में शूट किया गया था।

लेखक ने झाड़ा पल्ला

ख्याल रहे कि गाने पर विवाद होने के बाद इसके लेखक रकीब आलम ने भी विवाद से अपना पल्ला झाड़ लिया है। उन्होंने कहा कि वह इस गाने को नहीं लिखना चाहते थे, निर्देशक के कहने पर कन्नड़ में लिखे गाने को वर्ड टू वर्ड ट्रांस्लेट किया है।

पहला गाना विवादों में

इस गाने को सिंगर मंगली ने गाया है। वह साउथ की सिंगर हैं। उन्होंने इस गाने से हिंदी में डेब्यू किया था, हालांकि उनका पहला ही गाना विवादों में आ गया।

80 करोड़ में बिके अक्षय और सैफ की 'हैवान' के राइट्स

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म 'हैवान' 2026 की चर्चित रिलीज में शामिल है। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। हाल ही में खबर आई थी कि सोनी नेटवर्क ने फिल्म के सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स हासिल कर लिए हैं। नई जानकारी के मुताबिक इस फिल्म के नॉन-थिएट्रिकल राइट्स 80 करोड़ रुपए की बड़ी रकम में बेचे गए हैं। सूत्रों के अनुसार... 'फिल्म को लेकर बाजार में उत्साह था और कई प्लेटफॉर्म्स इसे खरीदने की होड़ में थे। हालांकि सबसे ऊंची बोली सोनी नेटवर्क की रही, जिसने 80 करोड़ रुपए में सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स अपने नाम किए। इस डील के साथ ही फिल्म की टीम अपनी लागत का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पहले ही वसूल कर चुकी है। फिल्म की रिलीज अगस्त महीने में हो सकती है। मेकर्स इसे किसी बड़ी टक्कर से बचाते हुए सोलो रिलीज देना चाहते हैं, ताकि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर साफ रन मिल सके।'

सलमान की 'बैटल ऑफ गलवां' का बदला नाम

सलमान खान की आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म का नाम ही बदल दिया है। अब सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' के नाम से रिलीज नहीं होगी। इसकी जानकारी देते हुए मेकर्स ने फिल्म के नए नाम की भी घोषणा कर दी है।

मेकर्स ने बताया नया नाम

फिल्म के लीड एक्टर और प्रोड्यूसर सलमान खान ने आज फिल्म के नए नाम के साथ एक नया पोस्टर साझा किया है। पोस्टर में सलमान खान सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। इंटेंस लुक में सलमान खान की आंखें दिख रही हैं, जिनमें गुस्सा और जोश नजर आ रहा है। उनके चेहरे पर खून लगा हुआ और वो मोटी जंजीर से बंधी एक लकड़ी को पकड़े दिख रहे हैं। उनके पीछे बैकग्राउंड में युद्ध के दौरान सैनिक नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को साझा करते ही मेकर्स ने फिल्म का नया नाम भी रिवील कर दिया है। अब यह फिल्म 'मातृभूमि : मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से रिलीज होगी।

क्या आगे बढ़ गई रिलीज डेट?

'बैटल ऑफ गलवां' 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि सलमान खान ने नाम बदलने वाली जो पोस्ट साझा की है, उसमें कहीं भी फिल्म की रिलीज डेट नजर नहीं आ रही है। न ही फिल्म के पोस्टर पर और न ही कैप्शन में कहीं भी 17 अप्रैल या कोई भी रिलीज डेट नहीं दिख रही है। इसके बाद अब सवाल ये भी उठता है कि क्या फिल्म की रिलीज डेट भी आगे बढ़ गई है?

अपूर्व लाखिया ने किया निर्देशन

'मातृभूमि' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। जबकि फिल्म को सलमान खान फिल्म्स द्वारा के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में गोविंदा के भी नजर आने की संभावना है। यह फिल्म 2020 के दौरान गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है।

मुश्किल वक्त को खुद पर हावी नहीं होने देता

मुश्किल दौर से हाल ही में निकले कमीडियन व अभिनेता राजपाल यादव ने मुश्किल समय में अपनी भावनात्मक मजबूती और सकारात्मक सोच के बारे में खुलकर बात की। पिछले कुछ महीनों से चल रहे कानूनी मामलों और निजी परेशानियों के बावजूद एक्टर ने हिम्मत नहीं हारी और काम पर पूरा फोकस रखा। आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर अपनी राय रखी। राजपाल यादव से पूछा गया कि क्या ये चुनौतियां उनके काम और मनोबल पर असर डालती हैं। तो उन्होंने बताया, 'हर दिन एक नई शुरुआत होती है। हर दिन काम का दिन होता है। हर दिन एक नया दिन होता है।'

एक्टर ने कहा कि वह मुश्किलों को खुद पर हावी नहीं होने देते, बल्कि हर सुबह नई उम्मीद के साथ उठते हैं और अपनी कला पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने बातचीत में सकारात्मकता के लिए ईश्वर का आभार भी जताया। राजपाल यादव ने कहा, 'भगवान सबका भला करे। आजादी से सब सांस लें।' इससे पहले एक्टर ने बताया था कि वह जज के सामने कभी नहीं रोए और न ही कोर्ट को कभी बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बताया। राजपाल ने बताया कि ऐसी खबरें फैलाने वाले ज्यादातर वे लोग हैं जिन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। वे बस इंटरनेट पर फैक्ट्स को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और अपनी दुकानें चला रहे हैं।

निकिता दत्ता ने ज़ुबीन नौटियाल से शादी की खबरों पर की बात

कई सेलेब्रिटीज के बाद अब अभिनेत्री निकिता दत्ता ने भी इंडस्ट्री में होने वाले पीआर गेम पर बात की। साथ ही उन्होंने सुर्खियां बटोरने के लिए फैलाई जाने वाली अफवाहों की खुलकर आलोचना की। इस दौरान एक्ट्रेस ने सिंगर ज़ुबीन नौटियाल के साथ अपने रिलेशनशिप और शादी की खबरों पर भी प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री का कहना है कि वह अनजाने में भी अफवाहों का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं।

बातचीत के दौरान निकिता ने ज़ुबीन नौटियाल के साथ अपनी शादी की अफवाहों पर कहा कि पीआर के बारे में मेरी समझ की बात करें, तो बेशक यह बहुत देर से आई। यह एक ऐसी बात है, जिसका मुझे अफसोस है और काश कबीर सिंह के रिलीज होने के समय मुझे इस बात की थोड़ी बेहतर जानकारी होती कि चीजें कैसे काम करती हैं। दूसरी बात अगर आप इन सभी वर्षों में मेरे करियर को देखें, तो मैंने व्यक्तिगत और निजी जीवन के बीच एक सीमा बनाए रखी है। इस सीमा को मैंने कभी पार नहीं किया है। आपने मेरे बारे में कभी भी मनगढ़ंत अफवाहें नहीं सुनी होंगी। मैं वैसी इंसान नहीं हूं। मैं न तो ऐसी अफवाहें फैलाना पसंद करती हूं और न ही उनका हिस्सा बनना, चाहे अनजाने में ही क्यों न हो। मैं ऐसी चीजों का समर्थन नहीं करती। मार्केटिंग स्ट्रेटजी के बारे में एक्ट्रेस ने कहा कि यह प्रोडक्शन हाउस का निर्णय होता है।

बीते दिनों निकिता को ज़ुबीन नौटियाल के साथ सिंगर के होम टाउन में देखा गया था। इसके बाद ही दोनों के रिलेशनशिप में होने की चर्चाएं सामने आई थीं। हालांकि, अब निकिता ने साफ तौर पर तो शादी के सवाल पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उन्होंने अफवाहों और पीआर गेम की बात करते हुए इशारों में इसे गप्प बता दिया।

डकैत के बाद 'जी2' पर जुटेंगे अदिवि शेष स्पाई ड्रामा 'जी3' भी हो सकती है अनाउंस

भारतीय सिनेमा में क्रॉस-इंडस्ट्री कोलैबोरेशन का ट्रेड तेजी से बढ़ रहा है। इस वक्त जिस जोड़ी पर सबसे ज्यादा नजरें टिकी हैं, वह है मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष की। दोनों की अपकमिंग फिल्म 'डकैत : ए लव स्टोरी' को लेकर चर्चाएं तेज हैं, लेकिन सूत्र बताते हैं कि यह कोलैबोरेशन केवल एक फिल्म तक सीमित नहीं रहने वाली बल्कि सूत्रों की मानें तो 'डकैत' की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से प्रभावित एक बड़े प्रोडक्शन हाउस ने मृणाल और अदिवि को 2027 की एक और फिल्म के लिए अप्रोच किया है। अगर सब कुछ तय योजना के मुताबिक चला, तो 'डकैत' से शुरू हुआ यह कोलैबोरेशन आने वाले वर्षों में पैन-इंडिया सिनेमा का बड़ा अध्याय साबित हो सकता है। फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम सामने नहीं आया है।

एनामॉर्फिक लेंस पर गोल्डन पैलेट में शूट हुई है फिल्म

फिल्म 'डकैत' की शूटिंग ग्रामीण लोकेशन्स और विशाल सेट्स पर की गई है, जो 70-80 के दशक के चंबल के बीहड़ों की याद दिलाते हैं। क्लाइमैक्स का एक बड़ा एक्शन सीन, जिसमें अदिवि घायल हुए थे, फिल्म का टर्निंग पॉइंट होगा। यह हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और देसी हथियारों वाला रॉ एक्शन सीन है। सिनेमैटोग्राफी शिनिएल देओ संभाल रहे हैं। वह इसे डस्टी और गोल्डन पैलेट के साथ एनामॉर्फिक लेंस पर शूट कर रहे हैं। 'डकैत' के संगीत के लिए अमित त्रिवेदी या हर्षवर्धन रामेश्वर के नाम पर चर्चा है। इसमें चंबल और बुंदेलखंड के कई स्थानीय थिएटर आर्टिस्ट्स को भी कास्ट किया गया है।

'मेजर 2' पर भी शुरू हो सकता है काम

'डकैत' के तुरंत बाद अदिवि शेष अपनी स्पाई फ्रेंचाइज 'जी2' (गुडाचारी 2) पर फोकस करेंगे। यह फिल्म उनकी चर्चित स्पाई फिल्म 'गुडाचारी' की सीक्वल है और 1 मई 2026 को रिलीज के लिए शेड्यूल बताई जा रही है। चर्चा है कि 2027 की शुरुआत में इसके तीसरे पार्ट या बड़े स्पिन-ऑफ की घोषणा भी हो सकती है। 'जी2' में अदिवि के साथ वमिका गब्बी नजर आएंगी। फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि इन दो बड़ी रिलीज के बाद अदिवि 2027 में किसी मेगा बजट प्रोजेक्ट संभवतः 'मेजर 2' पर भी काम शुरू कर सकते हैं।

बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर बुनी गई एक इमोशनल लव स्टोरी है 'डकैत'

'डकैत' को सिर्फ एक एक्शन-रोमांस कहना इसके साथ नाइंसाफी होगी। यह बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर बुनी गई एक इमोशनल लव स्टोरी है, जिसकी संभावित टैगलाइन 'प्यार और बारूद के बीच की कहानी' बताई जा रही है। फिल्म में अदिवि एक ऐसे शख्स की भूमिका में हैं जो हालातों के चलते हथियार उठाने पर मजबूर होता है। उनका लुक सूटेड-बूटेड स्पाई इमेज से बिल्कुल अलग बढ़ी दाढ़ी, बिखरे बाल और खादी के कुर्ते वाला रखा गया है। वहीं मृणाल पारंपरिक एथनिक अंदाज में नजर आएंगी, लेकिन उनका किरदार महज प्रेमिका का नहीं, बल्कि कहानी की मजबूत कोर का है।

संक्षिप्त समाचार

हैदराबाद में चचेरी बहन की हत्या

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद पुलिस ने बुधवार को बताया कि एक व्यक्ति ने संपत्ति के विवाद के चलते अपनी चचेरी बहन की हत्या कर दी और उसके शव के टुकड़े झील में फेंक दिए। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, 32 वर्षीय आरोपी ने पिछले महीने 40 वर्षीय महिला को संपत्ति विवाद के कारण लाठी से मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को पहले अपने घर के बाथरूम में रखा। अगले दिन आरोपी ने एक अन्य व्यक्ति की मदद से शव को झील तक ले गया, जहां उसने उसकी टांगों को आरी से काटकर शव के टुकड़े झील में फेंक दिए। पुलिस ने बताया कि आरोपी और मृतक महिला ने मिलकर एक संपत्ति खरीदी थी, लेकिन महिला ने अपनी हिस्सेदारी ट्रांसफर करने की मांग की, जिसे आरोपी स्वीकार नहीं कर सका। इसके अलावा, पुलिस ने आरोपी के हवाले से कहा कि मृतक, एक विधवा, और आरोपी के बीच उस समय विवाद भी हुआ जब महिला की किसी अन्य व्यक्ति के साथ निकटता को लेकर आरोपी ने आपत्ति जताई थी। महिला के लापता होने के बाद उसकी खोजबीन में शव के टुकड़े झील से बरामद किए गए।

ओडिशा में 16 अप्रैल से शुरू होगी जनगणना, हर घर जाकर पूछे जाएंगे सवाल

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में जनगणना हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन का पहला फेज राज्य के सभी 30 जिलों में 16 अप्रैल से शुरू होगा और 15 मई तक चलेगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, ओडिशा में जनगणना अभियान के निदेशक, निखिल पवन कल्याण ने कहा कि इस दौरान 1 लाख से ज्यादा प्रशिक्षित गणनाकार और 17,282 सुपरवाइजर घरों का दौरा करेंगे और डेटा इकट्ठा करेंगे। उन्होंने कहा कि वे हर घर के मुखिया से गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए 33 सवाल पूछेंगे, जिनमें आवासीय, गैर-आवासीय, जेल, मॉल आदि शामिल हैं। कल्याण ने आगे कहा, 'ओडिशा में किसी भी जगह रहने वाले लोग, चाहे वे इसी राज्य के हों या दूसरे राज्यों के, उनकी गिनती की जाएगी। जनगणना के दौरान एक भी घर नहीं छूटेगा।' उन्होंने बताया कि यह काम फील्ड विजिट के जरिए एक मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले, एक अप्रैल से 15 अप्रैल की आधी रात तक ऑनलाइन 'सेल्फ-एन्यूमरेशन' (खुद जानकारी देने) की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे नागरिक अपनी जानकारी खुद जमा कर सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि मशहूर रेत कलाकार और पद्म श्री से सम्मानित सुदर्शन पटनायक ने इस जनगणना कार्यक्रम के प्रचार और लोगों तक इसकी पहुंच बनाने के लिए ब्रांड एम्बेसडर बनने की सहमति दे दी है। जिला कलेक्टर और नगर आयुक्त मुख्य जनगणना अधिकारी के तौर पर काम करेंगे, जबकि अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जिला जनगणना अधिकारी होंगे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 400 किलो कुट्टू आटा जब्त

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। खाद्य सुरक्षा के मानकों को लेकर जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले के विभिन्न बाजारों में अभियान चलाकर संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए। इस दौरान विभाग की टीम ने करीब 400 किलो कुट्टू के आटे को सीज किया व सात नमूने संग्रहित किए। इन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि उनकी टीम ने बुधवार को कुलेसरा स्थित संतोष ट्रेडर्स पर छापा मारा। बिल वाउचर नहीं पाया गया। इस पर निर्माण तिथि का अंकन भी नहीं पाया गया। इसके अतिरिक्त 250 ग्राम के बिना निर्माण तिथि व बैच नंबर अंकन के कुट्टू आटा के 244 पैकेट पाए। इनके एक-एक नमूना लेकर शेष 238 किग्रा खुला व 240 पैकेट कुट्टू आटा सीज किया गया। कुलेसरा में ही मुस्कान ट्रेडर्स पर 70 किग्रा कुट्टू आटा खुला हुआ पाया गया, जिसका बिल बाउचर नहीं मिला। इस पर निर्माण तिथि का अंकन भी नहीं मिला। 250 ग्राम के बिना निर्माण तिथि व बैच नंबर के अंकन के कुट्टू आटा के 145 पैकेट पाए, जिनके एक-एक नमूने लेकर 70 किलो खुला व 141 पैकेट कुट्टू आटा सीज किया गया।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, दर्रों में पूरा दिन होता रहा हिमपात, मनाली सहित कई इलाकों में बारिश

शिमला, एजेंसी। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ फिर सक्रिय। बुधवार को प्रदेश में कांगड़ा, शिमला, सोलन, हमीरपुर, मंडी, कुल्लू सहित कई स्थानों में दिन भर रुक-रुक कर वर्षा होती रही। रोहतांग, शिंकुला, बारालाचा, कुंजुम दर्रों में सुबह से हिमपात होने का क्रम जारी रहा और आधा फीट से अधिक हिमपात होने की जानकारी है। गोंधला, कुकुमसेरी, केलंग व हंसा में भी 3 से 4 इंच हिमपात हुआ। मनाली में आज पूरा दिन हल्की वर्षा का क्रम चलता रहा। शिमला शहर में दोपहर बाद बूंदाबांदी होने से ठंड बढ़ गई। मौसम विभाग ने 18 से 21 मार्च तक हिमपात व वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है। चार दिन 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से हवा चल सकती है। वीरवार तक ओलावृष्टि का आरेंज अलर्ट। हिमपात के यलो अलर्ट के कारण अटल टनल रोहतांग पर्यटकों के लिए बंद। पर्यटक सोलंग नाला तक ही जा सकेंगे। मौसम विभाग ने चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। 21 मार्च को येलो अलर्ट रहेगा, जबकि 22 से 24 मार्च तक मौसम खराब बना रह सकता है। भारी बर्फबारी के चलते अटल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल, सिस्सू और आसपास के क्षेत्रों में हालात चुनौतीपूर्ण हो गए थे। यहां करीब 2000 वाहन फंस गए थे। पुलिस, प्रशासन और बार्डर रोड्स आर्गेनाइजेशन (बीआरओ) ने संयुक्त रूप से बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। 15 मार्च से शुरू हुआ यह अभियान 17 मार्च की शाम तक चला, जिसमें 10 हजार से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित निकालकर मनाली की ओर भेजा गया। राहत की बात यह रही कि पूरे अभियान में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। प्रशासन ने आगामी बर्फबारी को देखते हुए लोगों को गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है। यदि यात्रा आवश्यक हो तो 4×4 वाहन का उपयोग करें, स्नो चेन साथ रखें और पर्याप्त गर्म कपड़े व जरूरी सामान लेकर ही निकलें।

मौसम का यू-टर्न, गर्मी के बाद लौटी ठंड; लोगों ने फिर निकाले गर्म कपड़े

ऊधमपुर, एजेंसी। एक हफ्ते पहले तक जहां धूप ने गर्मी का एहसास कराना शुरू कर दिया था, वहीं अब मौसम ने अचानक करवट लेकर फिर से सर्दी का अहसास लौटा दिया है। ऊधमपुर में रुक-रुक कर हो रही बारिश और बादलों की घेराबंदी ने तापमान गिरा दिया है, जिससे लोगों को एक बार फिर गर्म कपड़े निकालने पड़े हैं। बीते कुछ दिनों से बदलते मिजाज के बीच बुधवार तड़के से मौसम ने अचानक रंग बदला। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुक कर कभी हल्की बूंदाबांदी तो कभी तेज बारिश होती रही। इससे पहले सोमवार को भी हल्की बारिश के बाद दिनभर बादलों का डेरा बना रहा था। लगातार बारिश और धूप के न निकलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिसका असर शाम होते-होते और अधिक महसूस हुआ। मौसम में आई इस ठंडक ने लोगों की दिनचर्या भी बदल दी है। कुछ दिन पहले तक जहां लोग पंखे चलाने लगे थे और कंबल-रजाइयां समेट दी गई थीं, वहीं अब फिर से जैकेट, स्वेटर और शाल निकालने पड़ रहे हैं। बाजारों और सड़कों पर भी लोग हल्के गर्म कपड़ों में नजर आने लगे हैं। दरअसल, पिछले सप्ताह तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण लोगों ने सर्दी से पूरी तरह राहत मान ली थी, लेकिन अचानक हुए इस बदलाव ने एक बार फिर सर्द मौसम की याद दिला दी है।

सजा में छूट, लेकिन जुर्माना बरकरार

नाबालिग लड़की को चार महीने तक किया फॉलो, बार-बार बोलता था 'आई लव यू'

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक ऐसे मामले में सख्त रुख अपनाया है, जिसमें एक पड़ोसी ने 16 साल की स्कूल जाने वाली लड़की को चार महीने तक रोजाना फॉलो किया और बार-बार 'आई लव यू' कहकर परेशान किया।

कोर्ट ने आरोपी की दोषसिद्धि बरकरार रखी है, लेकिन लंबे मुकदमे को देखते हुए सजा पहले से काटे गए समय तक सीमित कर दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की एकलपीठ ने 2016 के ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई की। ट्रायल कोर्ट ने आरोपी अजित राव को आईपीसी की धारा 354(डी) (स्टॉकिंग) और पास्को एक्ट की धारा 12 (यौन उत्पीड़न) के तहत दोषी ठहराया था। हाईकोर्ट ने कहा कि पीड़िता की गवाही साफ, सुसंगत और विश्वसनीय है।

पीड़िता ने साफ बताया कि आरोपी रोज स्कूल जाते समय उसके पीछे-पीछे आता था और बार-बार 'आई लव यू' बोलता था। इससे उसे बहुत परेशानी होती थी। उसकी मां और अन्य गवाहों ने भी इसी बात की पुष्टि की। कोर्ट ने माना कि आरोपी लड़की की अनिच्छा के बावजूद उसे फॉलो करता रहा और संपर्क करने की कोशिश करता रहा। यह व्यवहार आईपीसी की धारा 354(डी) के स्टॉकिंग के सभी जरूरी तत्वों को पूरा करता है। साथ ही नाबालिग के प्रति अनचाहे यौन टिप्पणियां एक्ट की धारा 12 के दायरे में आती हैं। बचाव पक्ष लड़की को झूठा फंसाने का कोई मकसद नहीं साबित कर सका है। हाईकोर्ट ने कहा कि गवाही में कोई बड़ी कमी या कानूनी गलती नहीं मिली जो ट्रायल कोर्ट के फैसले में दखल देने का आधार बने। पीड़िता की गवाही अगर भरोसेमंद हो तो उसे अलग से पुष्टि की जरूरत नहीं पड़ती। सबूत मजबूत और विरोधाभास मुक्त हैं। इसलिए आरोपी अजित राव को आईपीसी धारा 354(डी) और क्क्ष्टस्न्ह धारा 12 के तहत दोषी ठहराने के फैसले में कोई गलती नहीं है। कोर्ट ने दोषसिद्धि को पूरी तरह बरकरार रखा।

ट्रायल कोर्ट ने अजित राव को दोनों धाराओं में तीन-तीन साल की सख्त कैद और जुर्माना लगाया था। फैसला 1 अगस्त 2016 को रायपुर सेशंस कोर्ट ने सुनाया था। लगभग 10 साल की कानूनी लड़ाई के बाद हाईकोर्ट ने सजा को पहले से काटे गए समय तक घटा दिया।

भ्रष्टाचार में ऐक्शन, शिक्षा विभाग के डीसी को भेजा जेल, सीएमओ का ऑपरेटर गिरफ्तार

गोंडा, एजेंसी। गोंडा जिले के बेसिक शिक्षा विभाग में करोड़ों रुपये के टेंडर घोटाले और घूसखोरी के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। नगर कोतवाली पुलिस ने विभाग के जिला समन्वयक विद्याभूषण मिश्रा को धोखाधड़ी और रिश्वतखोरी के आरोपों में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस कार्रवाई के बाद से शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं सोनभद्र में सीएमओ कार्यालय में संविदा पर तैनात डाटा एंट्री ऑपरेटर को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

क्या है पूरा मामला?: भ्रष्टाचार का यह खेल डेस्क-बेंच की आपूर्ति के लिए जारी किए गए 15 करोड़ रुपये के टेंडर से जुड़ा है। नीमन सीटिंग सॉल्यूशन फर्म के मैनेजिंग डायरेक्टर ने आरोप लगाया था कि बेसिक शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों ने टेंडर दिलाने के नाम पर कुल राशि का 15 प्रतिशत कमीशन मांगा था। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने अधिकारियों को 26 लाख रुपये की रिश्वत एडवांस के तौर पर दी थी। इसके बावजूद, जब अधिकारियों की ओर से और अधिक रुपयों की मांग की गई और फर्म ने इसे देने से इनकार कर दिया, तो अधिकारियों ने प्रतिशोध की भावना से काम करते हुए फर्म को 'ब्लैक लिस्ट' कर दिया। इतना ही नहीं, फर्म के खिलाफ झूठी एफआईआर भी दर्ज कराई गई। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए भ्रष्टाचार निवारण अदालत (एंटी करप्शन कोर्ट), गोरखपुर ने कड़ा रुख अपनाया। कोर्ट के आदेश पर गोंडा के नगर कोतवाली में तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार तिवारी, डीसी (निर्माण) विद्याभूषण मिश्रा और डीसी (जीईएम) प्रेम शंकर मिश्रा के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। मंगलवार शाम को नगर कोतवाली पुलिस ने सिविल लाइन चौकी इंचार्ज और भारी पुलिस बल के साथ बीएसए कार्यालय पर छापेमारी की। पुलिस ने मौके से डीसी (निर्माण) विद्याभूषण मिश्रा को हिरासत में लिया। बुधवार को उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। नगर कोतवाल विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि मामले में दूसरे आरोपी डीसी (जीईएम) प्रेम शंकर मिश्रा फिलहाल वांछित हैं।

राजस्थान से 1.44 लाख करोड़ रुपये बकाया वसूलेगा पंजाब: सीएम भगवंत मान का एलान

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार द्वारा राजस्थान सरकार के पास दशकों से बिना भुगतान किए पानी के उपयोग के लिए 1.44 लाख करोड़ रुपये की वसूली का दावा पेश किया जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा कि राजस्थान को या तो पंजाब के जायज बकाए जारी करने चाहिए या पानी लेना बंद कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था को संचालित करने वाले वर्ष 1920 के ऐतिहासिक समझौते की समीक्षा करने की मांग की। मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'राजस्थान सरकार वर्ष 1960 से फिरोजपुर फीडर के जरिए निकाले गए पानी के लिए पंजाब को 1.44 लाख करोड़ रुपये की देनदार है, जिसके लिए एक पैसा भी अदा नहीं किया गया है। राजस्थान को या तो पंजाब का जायज बकाया जारी करना चाहिए या पानी लेना बंद करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि साल 1920 के दशक में बीकानेर रियासत, साझा पंजाब और ब्रिटिश राज के बीच हुए एक समझौते के अनुसार राजस्थान प्रति एकड़

के आधार पर पानी का भुगतान करने के लिए सहमत हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा, 'साल 1960 तक भुगतान किए जाते थे, लेकिन सिंधु जल समझौते के बाद राजस्थान ने लगातार 18,000 क्यूसेक पानी लेने के बावजूद भुगतान करना बंद कर दिया।' राजस्थान के रुख में विरोधाभास का जिक्र करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'आज भी, राजस्थान 1920 के समझौते के तहत पानी ले रहा है, लेकिन जब बकाए के भुगतान की बात आती है तो यह 1960 के समझौते का सहारा ले लेता है।' सरकारों ने 1960 में नई व्यवस्था में शामिल होते समय भुगतान का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने 1920 के समझौते को भी कभी रद्द नहीं किया।' इस मामले में पिछले समय की कार्रवाइयों पर गंभीर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'समझौते में स्पष्ट रूप से हर 25 साल बाद समीक्षा को अनिवार्य किया गया था, लेकिन पिछली सरकारों ने कभी भी इस मुद्दे को नहीं उठाया और न ही पंजाब के जायज दावे की पैरवी की।' ऐतिहासिक संदर्भ को दोहराते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'वर्ष 1920 में ब्रिटिश राज के दौरान बीकानेर के साथ हुए एक समझौते के तहत 1960 तक पंजाब का 18,000 क्यूसेक पानी लगातार सप्लाई किया जाता रहा।

कानपुर में बुजुर्ग महिला को छह दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, ठगे 21 लाख रुपये

कानपुर, एजेंसी। किदवई नगर में एक वृद्धा साइबर ठगी की शिकार हो गई। ठग ने खुद को मुंबई का पुलिस आयुक्त बताकर छह दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। आतंकी घटनाओं में शामिल होने की बात कह डराया और जेल भेजने के साथ घर को सील करने की धमकी देकर 21 लाख रुपये खाते में ट्रांसफर करवा लिए। किसी तरह से हिम्मत जुटाकर वृद्धा ने एक परिचित को आपबीती बताई तो उन्हें ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद पुलिस से शिकायत की। किदवईनगर एच ब्लाक में रहने वाली स्नेहलता ने बताया कि वह किराए के मकान में अकेले रहती हैं। बताया कि कुछ समय पहले उन्होंने कृष्णा नगर और दिल्ली के विकास सदन स्थित मकान बेचा है, जिसकी रकम उनके खाते में जमा है। दस मार्च की सुबह एक काल आई। कालर ने उन्हें आतंकी घटनाओं में उनका नाम आने की बात कहकर धमकाया। कुछ देर में पुलिस घर भेजने की बात कहकर वीडियो काल उठाने का दबाव बनाया। वीडियो काल उठाते ही सामने एक पुलिस अधिकारी अपने कार्यालय में बैठा दिखा। उसने खुद को मुंबई पुलिस आयुक्त बताया। इसके बाद अभद्रता करना शुरू कर दिया तो वह डर गईं। इसके बाद जेल भेजने की धमकी दी। कहा कि अगर खुद को बचाव करना है तो रुपये देने होंगे। दहशत में वह उनके झांसे में आ गईं। इसके बाद 13 मार्च को स्टेट बैंक आफ इंडिया खाते से

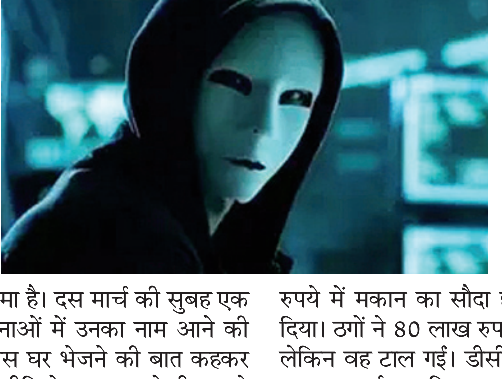

20 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। 16 मार्च को भी आरटीजीएस व अन्य माध्यमों से 50 हजार, 49 हजार और 1 हजार रुपये और ट्रांसफर करवाए। रुपये ट्रांसफर करवाने के बाद आरोपितों ने उन्हें काल नहीं की। स्नेहलता ने बताया कि उनका एक मकान शहर में और है, जिसको बेचने की बात चल रही है। इसी सिलसिले में उन्हें बाहर जाना था। आरोपित ने उन्हें घर के बाहर जाने या किसी के घर आने से रोक दिया था, लेकिन जब उन्हें 80 लाख रुपये में मकान का सौदा होने की जानकारी हुई तो उन्हें घर से जाने दिया। ठगों ने 80 लाख रुपये खाते में ट्रांसफर होने की जानकारी मांगी, लेकिन वह टाल गईं। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साइबर सेल की मदद से रुपये वापस कराने का प्रयास किया जाएगा।

साइलेंट किलर बना रेबीज: छत्तीसगढ़ में कुत्ते काटने के डेढ़ महीने बाद महिला की मौत

अंबिकापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में कुत्ते के काटने से जख्मी एक महिला की करीब डेढ़ माह बाद मृत्यु हो गई। कुत्ता काटने के बाद समय पर उपचार और एंटी रैबीज का टीका नहीं लगवाने के कारण यह घटना घटी। मृतका कमिला (34) बलरामपुर जिले की निवासी थी। पति बधेश्वर कोरवा ने बताया कि डेढ़ माह पहले वह जंगल में लकड़ी लेने गए थे, जहां कुत्ते ने उनकी पत्नी को काट लिया। महिला ने स्थानीय उपचार कराया, लेकिन अस्पताल नहीं गई। 16 मार्च को उनकी तबीयत बिगड़ने पर स्वजन उन्हें स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रिफर किया गया। 18 मार्च को उनकी मृत्यु हो गई। समय पर टीकाकरण न होने के कारण रेबीज संक्रमण को मौत का कारण माना जा रहा है। यह एक सप्ताह में कुत्ते के काटने से होने वाली दूसरी मौत है। इससे पहले सोमवार को एक युवक की मौत हो चुकी है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में 26 वर्ष पूर्व हुए गृह निर्माण ऋण गबन प्रकरण में ईओडब्ल्यू-एसीबी ने बुधवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। यह मामला वर्ष 2000 में दर्ज किया गया था। आरोपितों ने अपनी सहकारी समिति के 186 सदस्यों के नाम पर एक-एक लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कराया, जिससे कुल 1.86 करोड़ रुपये की राशि निकाली गई। भौतिक सत्यापन में उन स्थानों पर न तो कोई मकान मिला और न ही ऋण लेने वाले हितग्राही पाए गए। ईओडब्ल्यू की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि वर्ष 1995 से 1998 के बीच शासन की आवासीय योजना के तहत जरूरतमंदों को मकान निर्माण के लिए ऋण दिया जाना था। मध्य प्रदेश सहकारी आवास संघ के क्षेत्रीय कार्यालय के तत्कालीन अधिकारी दिवंगत एई ग्रेबियल द्वारा बिना उचित जांच के ऋण आवेदन स्वीकृत किए गए थे। इस प्रकरण में चार नामजद आरोपित थे, जिनमें से दो की मृत्यु हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपित थावरदास माधवानी और बसंत कुमार साहू को 25 मार्च तक रिमांड पर लिया गया है।

शिमला में यहां आदिकाल से विराजमान हैं मां शैलपुत्री

शिमला, एजेंसी। प्रथम नवदुर्गा मां शैलपुत्री एवं मां भीमाकाली को समर्पित श्री शाली माता मंदिर शिमला शहर से करीब 50 किलोमीटर दूर शाली नामक चोटी पर स्थित है। यहां पर माता शैलपुत्री और माता भीमाकाली दोनों विराजमान हैं। यह चोटी अर्थात टिब्बा शिवालिक एवं मध्य हिमालय की धौलाधार श्रृंखला के मध्य जिला शिमला की सुन्नी तहसील में ठीक शिमला शहर के सामने समुद्र तल से लगभग 9500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। पर्यटन नगरी शिमला के प्रसिद्ध ऐतिहासिक रिज मैदान तथा स्कैंडल प्वाइंट से भी इस चोटी के दीदार हो जाते हैं। रिज मैदान अथवा स्कैंडल प्वाइंट पर जब भी हम प्रकृति के मनोहारी दृश्यों का अवलोकन कर रहे होते हैं तो पूर्व की ओर हमारी नज़र एक विशाल नुकीली चोटी पर जा टिकती है। एकटक निहारते रहने के उपरांत इस चोटी पर एक चट्टान के रूप में दिखाई देता है। बस यही मां भीमाकाली का प्राचीन श्री शाली माता मंदिर है। माता शाली का यह मंदिर लगभग पांच सौ वर्ष प्राचीन बताया जाता है। हालांकि लिखित रूप

में इस मंदिर के इतिहास का कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है। मंदिर के पुजारी का कहना है कि माता शैलपुत्री यहां पर आदिकाल से विराजमान हैं। इतिहास के पन्नों पर नज़र डाली जाए तो यह निश्चित है कि पंडित बद्रीदत्त द्वारा मां भीमाकाली को सराहन से लगभग 500 वर्ष पूर्व लाया गया और इसकी स्थापना शाली टिब्बा पर की गई। हालांकि आदिशक्ति जगदंबा, मां शैलपुत्री अर्थात देवी सौर के रूप में आदिकाल से ही शाली टिब्बे पर निवास करती रही है। मां भगवती सौर शाली की मुख्य चोटी पर नहीं अपितु मुख्य चोटी से थोड़ा सा नीचे एक विशेष स्थान पर निवास करती रही हैं।

शाली मंदिर में माता शैलपुत्री एवं भीमाकाली से जुड़ी अलग अलग मान्यताएं है। माता शैलपुत्री यानि देवी सौर देवी सौर आदि काल से ही भज्जी रियासत के परगना चौथा की मुख्य आराध्य देवी हैं। पर्वत पर निवास करने के कारण इसे मां शैलपुत्री का रूप माना जाता है। आदिशक्ति जगदम्बा, मां शैलपुत्री अर्थात देवी सौर के रूप में आदिकाल से ही शाली टिब्बे पर निवास करती रही है। वहीं दूसरी ओर माता भीमाकाली को यहां लाए थे। बताया जाता है कि सराहन में भीमाकाली माता के मंदिर में नर बलि नहीं लेने के लिए माता को मनाने के बाद जब वह वापस अपने गांव दलाणा आए तो वहां पर माता भीमाकाली का मंदिर बनाया गया। कुछ समय बाद माता ने शाली की चोटी पर निवास करने की इच्छा जाहिर की। इसके बाद स्थानीय लोगों की ओर से वहां पर माता का मंदिर बनवाया गया।

गाजियाबाद के राजनगर में जीडीए की बड़ी कार्रवाई, नक्शे के हिसाब से नहीं बनाई गईं 7 इमारतें सील

गाजियाबाद, एजेंसी। प्राधिकरण ने अवैध निर्माण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की है। बुधवार को राजनगर क्षेत्र में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए जा रहे कई निर्माणाधीन भवनों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। बुधवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 राजीव रतन सिंह के नेतृत्व में राजनगर में नक्शा विपरीत किए जा रहे भवन निर्माण पर सीलिंग की कार्रवाई को अंजाम दकिया गया। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार इनमें भवन संख्या आर-6/112, आर-11/20, आर-9/179, आर-4/18, आर-6/180, आर-6/147 तथा आर-4/3 को अनाधिकृत निर्माण के चलते सील कर दिया गया। बताया गया कि इन भवनों के मालिकान को पूर्व में नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की धाराओं के तहत चालानी कार्रवाई के बावजूद शमन आवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उन्होंने शमन आवेदन प्रस्तुत नहीं किए। प्रवर्तन प्रभारी के अनुसार समय पर शमन आवेदन प्रस्तुत नहीं किए गए तो राजनगर समेत अन्य कालोनियों तथा मोरटा क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों के विरुद्ध भी सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। सीलिंग की कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता अनुज सिंह, अवर अभियंता सचिन अग्रवाल व समस्त सुपरवाइजर व मेट, स्थानीय पुलिस बल एवं प्राधिकरण पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन-3 के मेरठ रोड स्थित आइपीएस इंडस्ट्रियल एरिया फेस-1, फेस-2 और फेस-3 स्थित ग्राम मैनापुर तथा मेरठ रोड मुख्य मार्ग पर मानचित्र स्वीकृत कराए बिना फैक्ट्रियां और औद्योगिक प्रतिष्ठान संचालित हैं।

बाबर-फखर चोट के बावजूद वर्ल्डकप में चुने गए थे

पीसीबी मेडिकल पैनल ने बताया- सिलेक्शन के समय पूरी तरह फिट नहीं थे

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मेडिकल पैनल ने खुलासा किया है कि बाबर आजम और फखर जमान को टी-20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल किए जाने के समय उनकी फिटनेस पूरी तरह ठीक नहीं थी।

पैनल के मुताबिक, दोनों खिलाड़ी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए थे, इसके बावजूद उनका चयन किया गया। इस मामले को लेकर सीनियर सेलेक्टर आकिब जावेद ने भी पिछले हफ्ते प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवाल उठाए थे और चयन प्रक्रिया की जांच की मांग की थी।

● **वर्ल्ड कप की बाद के जांच में सामने आया-** पीसीबी से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, यूके के स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ डॉ जावेद मुगल ने वर्ल्ड कप के बाद दोनों खिलाड़ियों की जांच के बाद यह चिंता जताई। वे जनवरी से पाकिस्तान टीम के साथ हैं।

● **बाबर ने डोमेस्टिक टी-20 लीग खेलने से मना किया-** मामला तब सामने आया जब बाबर आजम ने वर्ल्ड कप से लौटने के बाद हैमस्ट्रिंग में परेशानी बताकर नेशनल टी-20 चैंपियनशिप में खेलने से मना कर दिया। वहीं फखर जमान भी लंबे समय से इसी तरह की दिक्कत से जूझ रहे थे। सूत्र ने बताया कि जांच में बाबर की चोट शुरुआती आकलन से ज्यादा गंभीर निकली, जबकि फखर भी महीनों से इसी समस्या से परेशान हैं।

● **हमने पहले ही क्लियरेंस ली थी- सिलेक्शन पैनल-** सिलेक्शन कमेटी ने मेडिकल पैनल को साफ किया कि दोनों खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने से पहले टीम के फिजियो क्लिफ डीकन से फिटनेस क्लियरेंस ली गई थी। हालांकि डीकन पर पहले भी आरोप लग चुके हैं कि उन्होंने खिलाड़ियों से करीबी रिश्तों के कारण हल्की चोट के बावजूद उन्हें खेलने की अनुमति दी।

बाबर अभी रिहैब कर रहे

फिलहाल बाबर आजम नेशनल क्रिकेट अकादमी में मेडिकल पैनल की निगरानी में रिहैब कर रहे हैं।
उनके पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर जाल्मी की कप्तानी करने की उम्मीद है, जिसकी शुरुआत 26 मार्च से हो रही है।

● **फखर वनडे सीरीज के लिए फिट नहीं थे-** फखर जमान हाल ही में नेशनल टी-20 कप के एक मैच में खेले। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर बताया कि बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में वे पूरी तरह फिट नहीं थे, लेकिन अब टी-20 टूर्नामेंट के लिए तैयार हैं।

● **बांग्लादेश दौरे में दोनों प्लेयर्स नहीं खेले-** दोनों खिलाड़ी बांग्लादेश दौरे से बाहर रहे थे, जिसमें पाकिस्तान को 1-2 से हार मिली। वहीं सूत्रों के मुताबिक, चोट की बात सामने आने से पहले ही चयनकर्ता वर्ल्ड कप में खराब फॉर्म के कारण बाबर को बाहर करने का फैसला कर चुके थे।

दिनेश कार्तिक फिर बने पिता, पत्नी दीपिका पल्लीकल ने तीसरे बच्चे को दिया जन्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक और स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल ने अपनी बेटी 'राहा पल्लीकल कार्तिक' के जन्म की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ यह खुशी की खबर साझा की। कार्तिक ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, दिल में आशीर्वाद और शब्दों से परे कृतज्ञता के साथ हम खुशी-खुशी अपनी प्यारी बेटी का इस दुनिया में स्वागत करते हैं। कबीर और जियान अपनी छोटी बहन राहा पल्लीकल कार्तिक से मिलवाकर बहुत उत्साहित हैं। प्यार, दीपिका और दिनेश। कार्तिक और दीपिका ने साल 2015 में शादी की थी और पहले से ही दो बेटों कबीर और जियान के माता-पिता हैं। कार्तिक और दीपिका दोनों ही अपने-अपने क्षेत्रों के जाने-माने एथलीट हैं। कार्तिक ने भारतीय क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जबकि दीपिका ने एक अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कार्तिक ने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था, उन्होंने अपना आखिरी मैच 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। 40 वर्षीय कार्तिक ने टेस्ट क्रिकेट में 26 मैचों और 42 पारियों में कुल 1025 रन बनाए। इस पूर्व भारतीय क्रिकेटर का औसत 25 रहा जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं।
वनडे क्रिकेट में इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने सितंबर 2004 में लॉर्ड्स के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ अपना डेब्यू किया था। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपना आखिरी वनडे मैच क्रिकेट विश्व कप 2019 के दौरान न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वनडे मैचों में कार्तिक ने 94 मैचों और 79 पारियों में कुल 1752 रन बनाए। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज का औसत 30.20 रहा जिसमें जिसमें 9 अर्धशतक शामिल हैं। कार्तिक ने टी-20 में 2006 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना डेब्यू किया और नवंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला। इस सबसे छोटे फॉर्मेट में कार्तिक ने 60 मैचों की 48 पारियों में 26.38 की औसत से 686 रन बनाए। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने एक अर्धशतक बनाया।

मेस्सी ने 900वां गोल किया, रोनाल्डो के क्लब में शामिल हुए

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका) (एजेंसी)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने अपने करियर का 900वां गोल करके अपनी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया। मेस्सी ने इंटर मियामी की तरफ से खेलते हुए बुधवार की रात को नैशविले के खिलाफ कॉनकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 मैच के शुरुआती मिनटों में गोल करके यह उपलब्धि हासिल की।

लगातार दो बार मेजर लीग सॉकर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, आठ बार बैलोन डीओर विजेता और विश्व कप चैंपियन मेस्सी ने हमेशा की तरह अपने बाएं पैर से यह गोल किया। उन्हें खेल के सातवें मिनट में बॉक्स के बीच में पास मिला, उन्होंने गेंद को नियंत्रित किया और डिफेंडरों के बीच से उसे गोल पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया।

आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार क्रिस्टियानो रोनाल्डो एकमात्र ऐसे पुरुष

खिलाड़ी हैं जिन्होंने 900 से अधिक गोल किए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि हासिल करने में मेस्सी से लगभग 100 मैच अधिक खेले। रोनाल्डो ने सितंबर 2024 में अपने करियर के 900 गोल पूरे किए। उस समय उनकी उम्र 39 वर्ष थी जबकि मेस्सी जून में 39 वर्ष के होंगे। इस ऐतिहासिक गोल ने फुटबॉल जगत से बाहर के सितारों का भी ध्यान आकर्षित किया।

बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेमर मैजिक जॉनसन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि मेस्सी का 900 गोल तक पहुंचना अविश्वसनीय उपलब्धि है। कुछ लोगों का मानना ??है कि ब्राजील के दिग्गज पेले ने अपने करियर में 1,000 गोल का आंकड़ा पार कर लिया था, हालांकि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने लगभग 800 गोल किए थे। विभिन्न स्रोतों के अनुसार पेले ने लगभग 1300 गोल किए थे। इनमें से कुछ गोल उन्होंने निचले स्तर की टीमों के खिलाफ किए थे।

पेले ने लीग मैचों में लगभग 650 गोल किए थे। नैशविले ने हालांकि मेस्सी को इस उपलब्धि का जश्न नहीं मानने दिया क्योंकि उसने इंटर मियामी को 1-1 से ड्रॉ पर रोका और अपने प्रतिद्वंद्वी के घरेलू मैदान पर गोल करने के आधार पर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछले हफ्ते नैशविले में राउंड ऑफ 16 के पहले चरण में गोलरहित ड्रॉ खेला था। यह उपलब्धि मेस्सी के करियर में अनगिनत पुरस्कारों और उपलब्धियों में शामिल हो गई है।

इनमें ला लीगा के शीर्ष स्कोरर के रूप में आठ ट्रॉफी, छह बार ला लीगा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार यूईएफए पुरुष प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार, दो फीफा विश्व कप गोल्डन बॉल और 15 बार अर्जेंटीना का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना शामिल हैं।

मेस्सी ने क्लब और देश के लिए 47 ट्रॉफियां जीती हैं जिनमें अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप और इंटर मियामी के साथ पिछले सत्र का एमएलएस खिताब शामिल है। इस तरह वह पुरुष फुटबॉल के इतिहास में सबसे अधिक खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मेस्सी लगभग दो दशक तक बार्सिलोना की तरफ से खेलते रहे और उन्होंने अपने आधे से अधिक गोल स्पेन के इस क्लब की तरफ से ही किए हैं।

आईपीएल 2026-

दिल्ली कैपिटल्स को मिला नया फील्डिंग कोच

आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आगामी सीजन से पहले आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को अपना नया फील्डिंग कोच बनाया है। वह दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी सपोर्ट स्टाफ में शामिल होंगे जिसमें हेमांग बदानी हेड कोच, भारत के पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल (बॉलिंग कोच) और इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी इयान बेल (असिस्टेंट कोच) के तौर पर शामिल हैं। आईपीएल 2026 में वेणुगोपाल राव टीम के डायरेक्टर हैं। मूनी के पास इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से लेवल 3, 2 और 1 के कोचिंग सर्टिफिकेट हैं, ने ज्ञानेश्वर राव और एंटोन रॉक्स की जगह ली है। ये दोनों 2025 सीजन के खत्म होने के बाद टीम से अलग हो गए थे। इस पूर्व आयरिश खिलाड़ी ने पहले 2018 से 2019 तक अफगानिस्तान के फील्डिंग कोच के तौर पर काम किया था, जब उन्होंने भारत में अपना

टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने 2019 में वेस्ट इंडीज की पुरुष टीम के साथ भी काम किया था और इस साल जनवरी से आयरलैंड की महिला टीम के लिए टेम्परारी कोच के तौर पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने आयरलैंड के लिए 91 इंटरनेशनल मैचों में हिस्सा लिया है जिसमें तीन आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप (2007, 2011 और 2015) और दो आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप शामिल हैं। अपने खेलने के दिनों में बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज रहे 43 साल के मूनी ने 2006 से 2015 तक आयरलैंड के लिए 64 वनडे और 27 टी-20 मैच खेले। 2011 वर्ल्ड कप में बेंगलुरु में इंग्लैंड के खिलाफ आयरलैंड की ऐतिहासिक जीत में उन्होंने ही विनिंग रन बनाए थे। सीजन शुरू होने से पहले दिल्ली को एक बड़ा झटका लगा, जब उनके मेंटर केविन पीटरसन ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया। भारत के टी20 वर्ल्ड कप 2026 चैंपियन अक्षर पटेल एक और सीजन के लिए टीम की कप्तानी करेंगे। टीम में चरु राहुल और कुलदीप यादव जैसे अनुभवी भारतीय खिलाड़ी हैं, साथ ही ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी हैं, जो विरोधी टीम को कड़ी टक्कर देंगे। दिल्ली कैपिटल्स पिछले सीजन में प्लेऑफ में जगह बनाने से बस जरा सा चूक गई थी। उन्होंने 14 मैचों में सात जीत दर्ज करके पांचवां स्थान हासिल किया था। उन्होंने अब तक आईपीएल की कोई भी ट्रॉफी नहीं जीती है और टीम 19वें सीजन में अपनी इस तलाश को खत्म करने की कोशिश करेगी।

गौतम गंभीर की पहचान का हो रहा गलत इस्तेमाल

हाई कोर्ट पहुंचे भारतीय कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के आईसीसी व्हाइट-बॉल वर्ल्ड कप चैंपियन, अर्जुन अवॉर्ड विजेता, पद्म श्री से सम्मानित पूर्व सांसद और भारतीय पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने दिल्ली हाई कोर्ट (सीएस सीओएमएम आफ 2026) में एक

सिविल केस दायर किया है। इसमें उन्होंने डिजिटल रूप से किसी और की पहचान अपनाने, एआई से बने डीपफेक और बिना इजाजत के कमर्शियल इस्तेमाल के एक सुनियोजित अभियान के खिलाफ अपने व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों की पूरी सुरक्षा की मांग की है।

एक प्रेस रिलीज के मुताबिक 2025 के आखिर से गंभीर की लीगल टीम ने इंस्ट्राग्राम एक्स और फेसबुक पर मनगढ़ंत डिजिटल कंटेंट में अचानक और चिंताजनक बढ़ोतरी देखी। कई अकाउंट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके ऐसे असली जैसे वीडियो बनाए जिनमें गलत तरीके से दिखाया गया कि गंभीर ऐसे बयान दे रहे हैं जो उन्होंने कभी नहीं दिए। इनमें एक फर्जी इस्तीफे का ऐलान भी शामिल है जिसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया और एक मनगढ़ंत क्लिप जिसमें उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, जिसे 17 लाख से ज़्यादा बार देखा गया।

सोशल मीडिया के अलावा बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी बिना किसी इजाजत के उनके नाम और तस्वीर वाले पोस्टर और सामान बेचने में मदद कर रहे थे। यह केस 16 प्रतिवादियों के खिलाफ दायर किया गया है। 2.5 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग की गई है, साथ ही हिसाब-किताब पेश करने, स्थायी रोक लगाने और सभी उल्लंघनकारी सामग्री को हटाने की भी प्रार्थना की गई है। गौतम गंभीर ने कहा, मेरी पहचान, मेरा नाम, मेरा चेहरा, मेरी आवाज को कुछ गुमनाम खातों द्वारा गलत जानकारी फैलाने और मेरे नाम पर पैसे कमाने के लिए एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। यह सिर्फ निजी ठेस का मामला नहीं है; यह कानून, गरिमा और उस सुरक्षा का मामला है, जिसका हर सार्वजनिक हस्ती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में हकदार है।

इस मुकदमे में सभी प्रतिवादियों पर स्थायी रोक लगाने की मांग की गई है, ताकि वे गंभीर के नाम, छवि, आवाज या व्यक्तित्व का एआई डीपफेक तकनीक, मॉर्फिंग और फेस-स्वैपिंग सहित किसी भी माध्यम से उनकी स्पष्ट लिखित सहमति के बिना उपयोग, पुनरुत्पादन या दुरुपयोग न कर सकें। इसके साथ ही सीपीसी के आदेश एक्सएक्सएक्सआईएक्स नियम 1 और 2 के तहत एकपक्षीय अंतरिम रोक के लिए एक तत्काल आवेदन भी दायर किया गया है जिसमें सभी उल्लंघनकारी सामग्री को तुरंत हटाने और अंतिम सुनवाई होने तक उसके आगे प्रसार पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

ईरान की महिला फुटबॉल टीम स्वदेश लौटी

● 2 प्लेयर्स ने ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने का फैसला किया, एशिया कप में राष्ट्रगान नहीं गाया था

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में शरण मांगने के विवाद के बाद ईरान की महिला फुटबॉल टीम स्वदेश लौट आई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, टीम तुर्की के रास्ते ईरान पहुंची, जहां सीमा पर अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम पहले तुर्की उतरी और वहां से बस के जरिए ईरान की सीमा में दाखिल हुई। इस दौरान कुछ अधिकारियों ने खिलाड़ियों का स्वागत किया। इस मामले ने तब सुर्खियां बटोरी थीं जब टीम की कुछ खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में शरण मांगी थी। हालांकि, बाद में कई खिलाड़ियों ने अपना फैसला बदल लिया और टीम के साथ वापस लौट आई।

अहमदाबाद में खुलने जा रही सचिन तेंदुलकर की वर्ल्ड-क्लास स्पोर्ट्स एकेडमी

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में जमीनी स्तर के खेलों के विकास में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। सचिन तेंडुलकर द्वारा समर्थित एसआरटी 0 अल्टेवोल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी शुरू होने जा रही है जो एक हाई-परफॉरमेंस ट्रेनिंग सेंटर है। 10 अप्रैल से शुरू होने वाली इस एकेडमी का लक्ष्य 5 साल और उससे अधिक उम्र के उभरते खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय क्रिकेट ट्रेनिंग उपलब्ध कराना है। हालांकि इसके लॉन्च की योजना पिछले साल ही बना ली गई थी, लेकिन अब यह एकेडमी तकनीक, फिटनेस और भविष्य की तैयारी पर केंद्रित ट्रेनिंग मॉड्यूल के साथ अपना कामकाज शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

टी20 वर्ल्ड कप जीत के बाद अजित अगारकर की बड़ी मांग

2027 वर्ल्ड कप तक पद पर बने रहने की जताई इच्छा

नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर अजीत आगरकर ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक अपने पद पर बने रहने की इच्छा जताई है। भारत के लगातार शानदार प्रदर्शन के बीच यह मांग ऐसे समय आई है, जब टीम एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। अब यह फैसला बोर्ड ऑफ कंट्रोल फार क्रिकेट इन इंडिया के लिए काफी अहम बन गया है।

सही समय पर आई यह मांग क्यों है खास - भारत अब 2027 वर्ल्ड कप के नए चक्र में प्रवेश कर रहा है, जहां टीम को नए सिरे से तैयार करने की जरूरत है। ऐसे में सेलेक्शन कमेटी में निरंतरता बनाए रखना टीम के भविष्य के लिए अहम माना जा रहा है। पिछले कुछ सालों में आईसीसी टूर्नामेंट्स में मिली सफलता ने अगारकर के पक्ष को और मजबूत किया है।

बीसीसीआई ने अभी नहीं लिया अंतिम फैसला - रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोर्ड के भीतर इस मुद्दे पर चर्चा शुरू हो चुकी है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फार क्रिकेट इन इंडिया के सामने दो विकल्प हैं–या तो अगारकर के साथ निरंतरता बनाए रखें या फिर नए सेलेक्टर के साथ नई शुरुआत करें।

अगारकर का कार्यकाल रहा बेहद सफल - जून 2023 में जिम्मेदारी संभालने के बाद अजीत आगरकर के कार्यकाल में भारत ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। टीम ने आईसीसी मैंस टी-20वर्ल्ड कप आईसीसी चैंपियन ट्राफी 2025 2025 और आईसीसी मैंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जैसे बड़े खिताब जीते। इसके अलावा 2023 वनडे वर्ल्ड कप में टीम फाइनल तक पहुंची और एशिया कप भी अपने नाम किया।

ट्रांजिशन फेज सबसे बड़ी चुनौती - इस समय भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ी टी20 और टेस्ट से दूर हो चुके हैं, जबकि अश्विन संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में नए खिलाड़ियों को तैयार करना और टीम का संतुलन बनाए रखना अगारकर के लिए बड़ी जिम्मेदारी है।

मियामी ओपन में केटी बोल्टर ने की जीत के साथ शुरुआत

फ्लोरिडा (अमेरिका) (एजेंसी)। ब्रिटिश की नंबर तीन खिलाड़ी केटी बोल्टर ने मियामी ओपन में अपने अभियान की शुरुआत पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बुजास मानेइरो पर जीत के साथ की। बोल्टर ने दुनिया की 48वें नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ पहले सेट के टाई-ब्रेक में 6-2 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए छह सेट पॉइंट बचाए। बोल्टर ने स्पेन की मानेइरो को 7-6 (11-9), 6-4 से हराया। बोल्टर ने पिछले महीने ओस्ट्रावा ओपन जीता था और टॉप 100 से बाहर होने के बाद अब रैंकिंग में 67वें स्थान पर पहुच गई हैं। मुकाबला जीतने के बाद बोल्टर ने कहा, मुझे पता है कि वह कितनी अच्छी खिलाड़ी हैं और आज रात हमारे टेनिस का स्तर और गुणवत्ता काफी अच्छी थी। यह मुश्किल था। मुझे ऐसा लग रहा था कि मुझे हर बार एक 'विनर' शॉट मारना होगा, वरना वह मार देंगी।

सालताला पंचायत को आदर्श बनाने की कवायद: उप विकास आयुक्त ने जांची जमीनी हकीकत

सोन वर्षा वाणी

दुमकाः ग्रामीण विकास और स्वच्छता को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह रेस नजर आ रहा है। गुरुवार को दुमका के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने रानीश्वर प्रखंड की सालतोला पंचायत का दौरा कर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज-2 के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पंचायत के 12 गांवों को 'ओडीएफ प्लस' बनाने के लिए तैयार की जा रही ग्राम कार्य योजना का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ठोस और तरल कचरा प्रबंधन पर जोर : बैठक के दौरान डीडीसी ने स्पष्ट किया कि फेज-2 के तहत गांवों को 'आदर्श ग्राम' के रूप में विकसित करना प्राथमिकता है। उन्होंने तरल और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सोख्ता गड्ढा, नाली निर्माण, नाडेप और पंचायत स्तर पर प्लास्टिक पृथक्करण केंद्र जैसी संरचनाओं को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने का निर्देश दिया। उन्होंने जल सहिया, पंचायत सचिव और मुखिया को टीम भावना के साथ काम करने को कहा ताकि स्वच्छता के लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

अधूरी पंजी देख भड़के डीडीसी, पंचायत सचिव को फटकार : निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक शिथिलता पर डीडीसी ने सख्त रुख अपनाया। 15वीं वित्त योजना की समीक्षा के दौरान जब रोकड़ और योजना पंजी अपडेट नहीं मिली, तो उन्होंने पंचायत सचिव को कड़ी फटकार लगाई। डीडीसी ने अल्टीमेटम देते हुए तीन दिनों के भीतर सभी अभिलेखों को दुरुस्त करने का आदेश दिया।

शिक्षा और पोषण का भी लिया जायजा : स्वच्छता के अलावा डीडीसी ने बच्चों के भविष्य और पोषण पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने सालतोला-2 आंगनबाड़ी केंद्र में 'पोषण वाटिका' का अवलोकन किया और उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय की व्यवस्थाएं देखीं। इसके अलावा, पंचायत ज्ञान केंद्र को लेकर मुखिया और सचिव को निर्देश दिया कि वे छात्र-छात्राओं के बीच इसका प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक युवा इसका लाभ उठा सकें। इस मौके पर रानीश्वर के बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा सहित तकनीकी विभागों के अभियंता और जिला समन्वयक मुख्य रूप से उपस्थित थे।

दूषित भोजन से 22 लोग बीमार, स्वास्थ्य विभाग ने संभाली स्थिति

सोन वर्षा वाणी

मसलिया : मसलिया प्रखंड के गोलबंधा पंचायत के पहाड़पुर गांव और रांगा पंचायत के प्लासी गांव में दूषित भोजन खाने से कुल 22 लोग, जिनमें बच्चे व महिलाएं शामिल हैं, बीमार पड़ गए। सभी एक वैवाहिक कार्यक्रम में भोजन करने के बाद प्रभावित हुए।

दो गांवों में फैली संक्रमण की चपेट : पहाड़पुर गांव में 14 और प्लासी गांव में 8 लोगों की तबीयत बिगड़ी। 14 मार्च को प्लासी के लोग पहाड़पुर में आयोजित शादी समारोह में शामिल हुए थे। कुछ स्थानीय निवासी थे, तो कुछ वापस लौट गए। तीन दिन बाद उल्टी-दस्त की शिकायत शुरू हो गई। रात में स्थिति बिगड़ने पर स्वास्थ्य सहिया ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मसलिया को सूचित किया।

स्वास्थ्य टीम ने किया तुरंत प्रबंधन : चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर दोनों गांव भेजी गई। मौके पर उपचार कर स्थिति नियंत्रित की। गर्भवती लीलमुनि टुडू को सीएचसी ले जाया गया। जांच में 5 को डायरिया, शेष 17 को उल्टी-दस्त की पुष्टि हुई। टीम में डॉ. उज्ज्वल कुमार पंडित, सीएचओ सुष्मिता कुमारी, एमपीडब्ल्यू केशव कुमार यादव व अभिषेक यादव शामिल थे।

चाचा की कुल्हाड़ी से हत्या, आरोपी भतीजा गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी

मसलिया : टोंगरा थाना क्षेत्र के बांसकुली पंचायत अंतर्गत सिजुआ गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां मामूली विवाद में एक सहोदर भतीजे ने अपने ही चाचा की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मंगल पुजहर के रूप में हुई है। इस मामले में मृतक की बेटी पूजा देहरी के बयान पर टोंगरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भतीजा सुभाष पुजहर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम करीब तीन बजे मंगल पुजहर जंगल से लकड़ी काटकर घर लौटे थे। इसी दौरान उनका भतीजा सुभाष पुजहर अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौज कर रहा था। मंगल पुजहर ने इसका विरोध किया, जिससे दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। धीरे-धीरे विवाद इतना बढ़ गया कि सुभाष ने कुल्हाड़ी उठाकर मंगल पर हमला कर दिया। हमले में मंगल पुजहर के पैर में गंभीर चोट लगी और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। परिजन उन्हें तत्काल रानीश्वर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें पश्चिम बंगाल के सिउड़ी अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान अत्यधिक खून बह जाने के कारण गुरुवार सुबह करीब चार बजे उनकी मृत्यु हो गई।

मृतका की बेटी पूजा देहरी के लिखित आवेदन पर टोंगरा थाना प्रभारी गुरूचरण मांझी ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

अल्ट्रासाउंड केंद्रों की मनमानी नहीं चलेगी, उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने दिए कड़े निर्देश

सोन वर्षा वाणी

दुमका : जिला समाहरणालय में गुरुवार को उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में पी०सी०पी०एन०डी०टी० एक्ट के तहत गठित जिला सलाहकार समिति और जिला निरीक्षण एवं अनुश्रवण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य एजेंडा जिले में संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करना और नए आवेदनों पर निर्णय लेना था।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने अल्ट्रासाउंड केंद्रों के नवीकरण हेतु प्राप्त आवेदनों पर विस्तार से चर्चा की और नियमों की पात्रता के आधार पर आवश्यक निर्णय लिए। इस दौरान जिला निरीक्षण दल द्वारा हाल ही में किए गए निरीक्षण की रिपोर्ट भी पेश की गई। रिपोर्ट में कई केंद्रों पर तकनीकी और दस्तावेजी खामियां पाई गई हैं, जिस पर उपायुक्त ने कड़ा रुख अपनाया।

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिन केंद्रों के संचालन में गड़बड़ियां या खामियां मिली हैं, उन्हें तुरंत कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पी०सी०पी०एन०डी०टी० एक्ट के नियमों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें सिविल सर्जन डॉ० कमलेश्वर प्रसाद, जिला आर०सी०एच० पदाधिकारी डॉ० राम प्रसाद, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कण्डुलना, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राकेश आनंद, जिला डाटा प्रबंधक के०डी० सिंह और अस्पताल प्रबंधक सुदीप किस्कू शामिल थे। बैठक के अंत में जिले में लिंग चयन रोकने और एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अन्य महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय भी लिए गए।

डायट दुमका में 'कौशल बोध' से संवरेगा बच्चों का भविष्य: दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण संपन्न

सोन वर्षा वाणी

दुमकाः जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डायट, दुमका में 'बैकलेस डे' एवं 'कौशल बोध' कार्यक्रम के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन गुरुवार को किया गया। 18 और 19 मार्च 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के चयनित विद्यालयों के कक्षा 6 से 8 तक के शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ डायट दुमका की प्रभारी प्राचार्या मधुश्री कुमारी एवं सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी विभाष चंद्र महतो द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप मिडिल स्कूल के बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावसायिक कौशल से जोड़ना है। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि अब कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों

को परियोजना कार्य के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा की बारीकियों से परिचित कराया जाएगा। प्रशिक्षक राकेश कुमार सिंह और चांदनी कुमारी ने जेसीईआरटी द्वारा विकसित 'कौशल बोध' पुस्तिका के आधार पर शिक्षकों को सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी। प्रशिक्षण स्थल पर ही छोटे-छोटे प्रोजेक्ट्स बनवाकर शिक्षकों की समझ को पुख्ता किया गया, ताकि वे स्कूलों में बच्चों को बेहतर ढंग से मार्गदर्शन दे सकें। इस कार्यक्रम की सफलता में डायट के संकाय सदस्य प्रियंकर परमेश, किशोर कुमार मंडल, रेखा साव, सुब्रत गोरांई, प्रकाश हेंब्रम, अमित कुमार और नवगोपाल दास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पहल से आने वाले समय में स्कूली बच्चे न केवल हुनरमंद बनेंगे, बल्कि अपने आसपास की व्यावसायिक गतिविधियों को समझकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएंगे।

साहिबगंज में घूसखोर अफसर धराया, 40 हजार लेते एसीबी ने रंगे हाथ पकड़ा

सोन वर्षा वाणी

दुमका। भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दुमका स्थित एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) की टीम ने साहिबगंज जिले के बरहरवा प्रखंड में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नंदन कुमार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई गुरुवार को उनके कार्यालय में की गई, जहां वे एक परिवादी से 40 हजार रुपये की घूस स्वीकार कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, बरहरवा निवासी मोहम्मद आलमगीर ने एसीबी में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया था कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा क्षेत्र के डीलरों से हर महीने 50 हजार रुपये की अवैध वसूली की मांग की जा रही है। परिवादी ने इस भ्रष्टाचार का हिस्सा बनने से इनकार करते हुए इसकी जानकारी एसीबी को दी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी टीम ने पूरे मामले का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद टीम ने सुनियोजित तरीके से जाल बिछाया और एक विशेष धावादल का गठन किया। पूर्व निर्धारित योजना के तहत गुरुवार, 19 मार्च को जैसे ही आरोपी नंदन कुमार ने परिवादी से 40 हजार रुपये की रिश्वत ली, एसीबी की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें मौके पर ही दबोच लिया। इस दौरान पूरी कार्रवाई गोपनीय तरीके से अंजाम दी गई। गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम आरोपी को अपने साथ दुमका ले गई है, जहां उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सनातन के अपमान पर दुमका में भड़का आक्रोश, भाजपा ने फूंका सीएम हेमंत सोरेन का पुतला

सोन वर्षा वाणी

दुमका । नगर के टिन बाजार चौक पर गुरुवार को उस वक्त भारी गहमागहमी देखने को मिली, जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। विधानसभा में पूजा-पाठ और सनातन संस्कृति को लेकर मुख्यमंत्री द्वारा दी गई कथित विवादित टिप्पणी के विरोध में भाजपा ने जोरदार प्रदर्शन किया और सीएम का पुतला दहन किया। विवाद की जड़ मुख्यमंत्री का वह बयान है जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा कि "भारत में सबसे ज्यादा पूजा होती है, लेकिन टैलेंट चीन जैसे देशों में पैदा होता है।" इस बयान को सनातन आस्था पर चोट बताते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। मौके पर मौजूद गोड्डा के पूर्व विधायक अमित मंडल ने तीखा प्रहार करते हुए कहा

कि यह बयान मुख्यमंत्री की मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आस्था का महत्व खत्म कर अब लोगों को धर्म परिवर्तन कर लेना चाहिए? विरोध प्रदर्शन में शामिल प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा और अमरेंद्र सिंह मुन्ना सहित अन्य नेताओं ने मुख्यमंत्री से सार्वजनिक माफी की मांग की है। वक्ताओं ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अपनी ही सभ्यता और संस्कृति का निरादर करने वाले व्यक्ति को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि मुख्यमंत्री ने अपने शब्द वापस नहीं लिए, तो यह आंदोलन और उग्र रूप धारण करेगा।

दुमका में डीसी का सख्त एक्शन, लापरवाही पर गिरी गाज; बिजली और खेल विभाग को भी चेतावनी

सोन वर्षा वाणी

दुमका। प्रशासनिक कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं करने के संकेत देते हुए उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने गुरुवार को जिला आपूर्ति कार्यालय, विद्युत कंट्रोल रूम और खेल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई खामियां सामने आने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए और जिम्मेदारी तय करने की कार्रवाई शुरू कर दी। जिला आपूर्ति कार्यालय में अभिलेखों के रखरखाव में लापरवाही और कार्यप्रणाली में सुस्ती देख उपायुक्त ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने मौके

पर ही प्रधान लिपिक के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने का आदेश दिया। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिया कि राशन वितरण में किसी भी प्रकार की देरी न हो और डाकिया योजना का लाभ हर पात्र लाभुक तक समय पर पहुंचे। विद्युत विभाग के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आगामी गर्मी को देखते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति

सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सख्त निर्देश दिया कि यदि किसी क्षेत्र में ट्रांसफार्मर खराब होता है, तो उसे हर हाल में 48 घंटे के भीतर बदल दिया जाए। जामा स्थित वर्कशॉप को पूरी तरह सक्रिय रखने और ट्रॉली ट्रांसफार्मर का पर्याप्त बैकअप तैयार रखने को भी कहा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में आम लोगों को परेशानी न हो। खेल कार्यालय के निरीक्षण में उपायुक्त ने खेल गतिविधियों की धीमी गति पर चिंता जताई और इसे तेज करने के निर्देश दिए।

उन्होंने प्रत्येक माह का एक्टिविटी कैलेंडर तैयार करने और उसके अनुसार नियमित रूप से प्रतियोगिताएं आयोजित करने को कहा, ताकि जिले में खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर मिल सके। इस औचक निरीक्षण से साफ हो गया है कि प्रशासन अब काम में किसी भी तरह की लापरवाही को लेकर सख्त रुख अपनाने के मूड में है और हर विभाग को जवाबदेही के दायरे में लाया जा रहा है।

जनगणना 2027 का शंखनाद : 16 मई से शुरू होगा हाउस लिस्टिंग का काम, शिक्षकों के जिम्मे होगी जमीनी कमान

सोन वर्षा वाणी

दुमका। उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जनगणना 2027 की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। गुरुवार की बैठक में स्पष्ट किया गया कि जनगणना का पहला चरण, जिसमें हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस शामिल है, आगामी 16 मई से 15 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस वृहद अभियान को त्रुटिहीन बनाने के लिए जमीनी स्तर पर शिक्षकों की तैनाती की जाएगी, जिनकी सूची पहले ही तैयार की जा चुकी है। कार्य की महत्ता को देखते हुए उपायुक्त ने डेटा संकलन में पूर्ण शुद्धता और पारदर्शिता बरतने के सख्त निर्देश दिए हैं। तैयारियों को पुख्ता करने के लिए सोमवार से बुधवार तक एक विशेष प्रशिक्षण

शिविर का आयोजन होगा, जिसमें रांची से आए मास्टर ट्रेनर प्रखंड विकास पदाधिकारियों, सहायक चार्ज अधिकारियों और कंप्यूटर ऑपरेटरों को गणना की बारीकियों और तकनीकी पहलुओं की जानकारी देंगे। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी गंभीरता के साथ इस राष्ट्रीय कार्य को संपन्न करने का आदेश दिया है।